



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रतीपकार के द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 43]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 25, 1997/कार्तिक 3, 1919

No. 43]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 25, 1997/KARTIKA 3, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

नई दिल्ली, 8 अक्तूबर, 1997

New Delhi, the 8th October, 1997

कां० आ० 2718.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा 1 के उपबंध, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 31 मार्च, 2000 तक की अवधि के लिए दि दार्जिलिंग डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि०, कालिम्पोंग (पश्चिम बंगाल) पर लागू नहीं होंगे।

S.O. 2718.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Darjeeling District Central Co-operative Bank Ltd., Kalimpong (West Bengal) from the date of publication of this notification in the Official Gazette to 31st March, 2000.

[सं० एफ० 1(19)/97-एसी]
एस. के. ठाकुर, अवर सचिव

[No. 1(19)/97-AC]
S. K. THAKUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 1997

का०प्रा० 2719.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1980 के खंड 3, खंड 5, खंड 6, खंड 7 और खंड 8 के उपखंड (i) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिन एवं अन्तरण) अधिनियम, 1980 की धारा 9 की उप-धारा 3 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा श्री बी. लीलाधर, वर्तमान में कार्यपादक निदेशक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए विजया बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त करती है।

[एफ सं. 9/15/97-बी.ओ.-I]

सुधीर श्रीवास्तव, निदेशक

New Delhi, the 9th October, 1997

S.O. 2719.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section 3 of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980, read with sub-clause (1) of clause 3, clause 5, clause 6, clause 7 and sub-clause (1) of Clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri V. Lee'adhar, presently Executive Director, Bank of Maharashtra as Chairman and Managing Director, Vijaya Bank for a period of five years from the date of his taking charge.

[F. No. 9/15/97-B.O.I]

SUDHIR SHRIVASTAVA, Director

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क आयुक्त का कार्यालय

अधिसूचना संख्या : 03/1997

नागपुर, 29 सितम्बर, 1997

का०प्रा० 2720.—श्री व्ही० के० नागादिवे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क आयुक्तालय, नागपुर नियुक्त की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 अगस्त, 1997 को अपरान्ह में शासकीय सेवा से निवृत्त हुए हैं।

[ए. सं. II(3) 3/97/स्था०-I]

शशि मिज, उप आयुक्त (वार्डिंग एवं सतर्कता)

Office of the Commissioner of Customs and Central Excise

NOTIFICATION NO. 03/1997

Nagpur, the 29th September, 1997

S.O. 2720.—Shri V. K. Nagdive, Superintendent, Central Excise & Customs, Nagpur Commissionerate having attained the age of superannuation retired from Government service in the afternoon of 31-8-97.

[C. No. II(3)/97/Est.I]

SHASHI MINZ, Dy. Commissioner (P&V)

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

का. प्रा. 2721.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम, 1988 के उपविधम (5) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे स्वीकृत कर दिए गए हैं :

अनुसूची

क्रम सं.	लाइसेंस संख्या	स्वीकृत करने की तिथि वर्ष/माह	लाइसेंसधारी का नाम व पता	शीर्षक भारतीय मानक	भारतीय मानक सं./भाग/अनुभाग
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	9082275	95/04	केयरवाल हाइजिन प्राइजड्स लि., गांव : समालहेरी, ब्लाक डेरावारी तहसील : राजपुरा, पटियाला समालहेरी	सेनेट्री नेपकिन (पहला पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आईएस 05405 : 80

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	9083378	95/04	गंगा पोलादयुवक (इंडिया) प्रा. लि., 16 बी. कि. मी. स्टोन, सिरसा रोड, हिसार, गांव	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिकृत पीपीसी पाइप (दूसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आईएस 04985 : 88
3.	9083176	95/04	हरियाणा कृषि यन्त्र गांव एवं पारस बाटरी, अम्बाला साइड, बाईपास जी. टी. रोड, करनाल 132 001	पावर शेड की सुरक्षा अपेक्षाएं (संशोधन 4)	आईएस 09020 : 79
4.	9083277	95/04	रत्न सीमेंट्स गांव सोहना, अम्बाला, सोहना	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण) (संशोधन 3)	आईएस 00269 : 89
5.	9082982	95/04	श्री सत्यगुरु रबर मिल, अमृतसर, बेरका 143 501	5 पट्ट--औद्योगिक प्रयोजन के लिए निरन्तर 5 पट्ट भाग 1 सामान्य प्रयोजन--विशिष्ट	आईएस 02494 : 74 भाग 01
6.	9082881	95/04	उत्तम स्विचिंग मशीन कं. 65/1 कृष्ण नगर, आदर्श नगर के पीछे जालंधर सिटी	घरेलू सिजार्ई मशीन--सामान्य अपेक्षाएं	आईएस 01610 : 89
7.	6076972	95/04	जी. दास एंड कंपनी लि., 149ए, मलमथाई गांव, अरियानयगापुरम पोस्ट विलाठीकुलम तालुक चिदम्बरनार जिला 627 901	आयोडीन युक्त तमक पहला पुनरीक्षण (संशोधन 2)	आईएस 07224 : 85
8.	6076164	95/04	गोयल इस्पात प्रा. लि., 61, सेम्बुदांस स्ट्रीट, मद्रास 600 001	सामान्य संरचना इस्पात (चौथा पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आईएस 02062 : 92
9.	6076265	95/04	जैन केबल्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि. एफ-71 सिप्रकोट इंड. कॉम्प्लेक्स गुम्मीडीपुडी 601201	1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए पीपीसी रोधित केबल (दूसरा पुनरीक्षण) (संशोधन सं. 1 से 4)	आईएस 00694 : 90
10.	6078168	95/04	भाइको फर्म केमिकल्स लिमिटेड 32/1 ए, पोन्नमपट्टी सलेम श्रीमालूर मेन रोड, सलेम जिला 636 018	विद्युतलाकास पायसनीय साम्र (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 08028 : 87
11.	6075970	95/04	1/6 टंक रोड, नगरपेट पूनामल्ले, मद्रास 602103	जल परिक्षणीय कार्बराइल (संशोधन 3)	आईएस 07121 : 73
12.	6077570	95/04	देवी पेस्ट्रीसाइड्स, एस नं. 737/5 सेथुगम्पती डिडीगुल रोड बटलागुडू 624 202	आईमिथोएट पायसनीय साम्रण (दूसरा पुनरीक्षण) संशोधन 1	आईएस 03909 : 84
13.	6075869	95/04	भाइको फर्म केमिकल्स लि., मेदूर डाम जिला सलेम तमिलनाडु 636 402	साइबरमेथॉन ईसी (संशोधन 1)	आईएस 12016 : 87

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14.	6078067	95/04	एस टी पी लि., 55 एवं 56, ए और बी डबलण्ड प्लांट्स अम्बाला, मद्रास	कांच रेशा आधारित विटुमिन नमदा-विनिर्माण	आईएस 07193 : 74
15.	6077065	95/04	एस-केप इंस्ट्रूटी 5, चिक्कलवान्द्रा, 1 तल, उत्तरहल्ली होबली, बंगलौर 56061	पावर तंत्र के लिए शंट संधारित्र (दूसरा पुनरीक्षण) संशोधन 4	आईएस 02834 : 86
16.	6078269	95/04	भोक्रा इंजीनियरिंग इंस्ट्रूटीज लि. महादेव पुरा पोस्ट व्हाइट फील्ड रोड, बंगलौर 560 048	पूर्व प्रतिबलित कंक्रीट के लिए सादे कटोर-कपित इस्पात के तार भाग 2 कपित तार (पहला पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आईएस 01785 : 83 भाग
17.	6076770	95/04	बालाजी स्टील रोलिंग मिल्स प्रा. लि., 28/1 बी एवं सी, आईडीए, नचारम, हैदराबाद	कंक्रीट प्रबलन के लिए उच्च सामर्थ्य बिन्धापित सरिए और तार (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस 01786 : 85
18.	6077974	95/04	हैदराबाद फास्टेनर्स 19-4-77 मीर आलम टांक राष्ट्रीय राज मार्ग 7, हैदराबाद 5000 252	इस्पात के टकरदार कब्ज (छठा पुनरीक्षण)	आईएस 01341 : 42
19.	6078370	95/04	जुपिटर पुरावराइजिस, शेड नं. 32, आईडीए फेज 2, चेरापल्ली, हैदराबाद 500762	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (पहला पुनरीक्षण) (संशोधन 3)	आईएस 08112 : 78
20.	6076871	95/04	मास्टर वाल्व इंस्ट्रूटीज, बोम्बलूर 508 105	जलकूप प्रयोजनों के लिए स्लूस वाल्व (साइज 50 मिमी से 300 मिमी तक)	आईएस 00780 : 84
21.	6077772	95/04	सुधाकर प्लास्टिक प्रा. लिमिटेड बलराम थांडा समीप इंडस्ट्रियल एस्टेट सूर्यपेट 508214	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर- प्लास्टिक पीवीसी पाइप (दूसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आईएस 04985 : 88
22.	6076669	95/04	तिरुमाला एम्बेस्टर्स प्राइवेट लि. कलाकल गांव दूधन भंडल, भेडक जिला	एस्टेटम सीमेंट के दाब पाइप तीसरा (पुनरीक्षण)	आईएस 01592 : 89
23.	6077873	95/04	सुधाकर प्लास्टिक प्रा. लिमिटेड, बलराम थांडा, समीप इंडस्ट्रियल एस्टेट, सूर्यपेट 508214	पानी की आपूर्ति के लिए उच्च घनत्व वाले पॉलिथेन पाइप (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस 04984 : 87
24.	60777671	95/04	टेक्नेप्रो लिमिटेड, सीमेंट डिपोजिट, गीरा-गुडाला कुड्डावाह जिला 516309	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (संशोधन 3)	आईएस 12269 : 87

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
25.	6076063	95/94	निर्मल इंडस्ट्रीज, 23ए, नया इंडिया रोड, पोलामेडू कोयम्बतूर 641004	बिजली क पानी गर्म करने के भंडारण किस्म के स्थिर हीटर (तीसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आईएस 02082 : 93
26.	6076568	95/04	रमेश इंजी. कं., 1040 भरतियार रोड, पी. एन. पलायम कोयम्बतूर 641037	निमज्जनोय पम्पसेट (पहला पुनरीक्षण) (संशोधन 3)	आईएस 08034 : 76
27.	6076366	95/04	मुपरफलो पी. लि., 20/ए/2, फेस 4 आईडीए, जोडिमटना हैदराबाद 500855	ठण्डी जल सेवाओं के लिए डाय- फ़ास टाइप (प्लास्टिक बॉडी) प्लावन प्रचालित वाल्व	आईएस 13049 : 91
28.	6077166	95/04	विजयालक्ष्मी इंसेक्टीसाइड्स एण्ड पेस्टीसाइड्स प्रा. लि., इथाकोटा कोथापेटा तालुक, 533238	कीट नाशक--कार्बेन्डाजिम (एम. बी. सी०) डब्ल्यूपी (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 08446 : 91
29.	6077267	95/04	विजयालक्ष्मी इंसेक्टीसाइड्स एण्ड पेस्टीसाइड्स प्रा लि., इथाकोटा कोथापेटा तालुक, 533238	भेनकोजेब जल परिक्षेपणीय चूर्ण सांद्रण (संशोधन 1)	आईएस 08708 : 78
30.	6077368	95/04	विजयालक्ष्मी इंसेक्टीसाइड्स एण्ड पेस्टीसाइड्स प्रा. लि. इथाकोटा कोथापेटा तालुक, 533238	क्लोरोपाइरीफॉस पायसनीय सांद्र	आईएस 08944 : 78
31.	6077469	95/04	विजयालक्ष्मी इंसेक्टीसाइड्स एण्ड पेस्टीसाइड्स प्रा. लि., इथाकोटा कोथापेटा तालुक 533238	डाइक्लोरोबाज पायसनीय सांद्रण (पहला पुनरीक्षण)	आईएस 05277 : 78
32.	9083075	95/04	सूर्य पॉलीविन लिमिटेड, 1 किमी. स्टोन, पटियाला रोड, पटियाला समाना	पेयजल आपूर्ति के लिए गैर प्लास्टिकृत पावीपी पाइप (दूसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आईएस 04985 : 88
33.	5943649	95/04	एसोसिएटेड केमिकल एंड फार्म- स्यूटिकल इंडस्ट्रीज, मेडुआपारा, पी. ओ. गंगानगर, जिला 24 परगना (उ.) प० बंगाल	फिनोलिक टाइप रोगाणुनाशी प्रवाह (तीसरा पुनरीक्षण)	आईएस 01061 : 82
34.	5043851	95/04	केबकीन इंडिया प्रा. लि., 93 वंशिनदारी रोड, कलकत्ता 700048	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमिनियम के चालक भाग 1 एल्युमिनियम के लड़दार चालक	आईएस 00398 : 76 भाग 01

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35. 5044045	95/04	से. ए. प्लाईवुड्स (इं) लि., डायमंड हरवीर रोड, कनचौकी, विष्णुपुर, 24 परगना (पं. बंगाल)	सामान्य प्रयोजनों के लिए प्लाईवुड	आईएस 00303 : 89	
36. 5043346	95/04	श्याम इस्पात उद्योग, 6/3 गुहा रोड, धुसूरी हावड़ा 700107	कंक्रीट प्रयोजन के लिए उच्च सामर्थ्य विन्यासित सरिण और तार	आईएस 01786 : 85	
37. 5043245	95/04	इलेक्ट्रिकल मैग्नु. कं. लि., ईएमसजी गार्डन 136 जेसौर रोड, कलकत्ता 700055	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमिनियम के चालक भाग 4 एल्युमिनियम मिश्रधातु लड़दार चालक (एल्युमिनियम मैग्नीशियम—सिलिकॉन प्रकार)	आईएस 00398 : 76 भाग 04	
38. 5043750	95/04	पूर्वाञ्चल केबल एण्ड कंडक्टर (प्रा) लि., बिष्णु मार्केट, ए. टी. रोड, गुवाहाटी 781009	शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एल्युमिनियम के चालक भाग 4 एल्युमिनियम मिश्रधातु लड़दार चालक (एल्युमी- मैग्नी-सिलिकॉन)	आईएस 00398 : 76 भाग 04	
39. 5043447	95/04	श्याम इस्पात उद्योग 6/3 गुहा रोड, धुसूरी, हावड़ा 711107	सामान्य प्रयोजना इस्पात (चौथा पुनरोक्षण)	आईएस 02062 : 92	
40. 7075470	95/04	मालू इलेक्ट्रोड्स प्रा. लि., प्लॉट नं. 54, एमआईडीसी हिंगना रोड, नागपुर	हस्तय धातु आर्क वेल्डिंग के लिए आवृत्त कार्वन और कार्बन मैग्नीस इस्पात इलेक्ट्रोड (पांचवा पुनरोक्षण)	आईएस 00814 : 91	
41. 7075268	95/04	प्रोम्प्ट पावर टूल्स, 467 सिद्धेश्वरी एस्टेट, पीछे टेजाफोन एक्सचेंज, जीआईडी सी नारोदा, अहमदाबाद-382330	सुवाह्य बिजली की मोटर चालित औजार-भाग 2 औजार के लिए विशिष्ट अपेक्षाएं	आई एस 04665 : 84 भाग 02	
42. 7074973	95/04	सिस्केव इलेक्ट्रिकल्स प्रा. लि., सर्वे नं. 293/पो, पी.ओ. पोपवर, तालुक सावजी, जिला बड़ोदा-391780	1100 वॉल्ट तक की कार्य- कारी वोल्टता के लिए पो बो सो रोहित केबल	आई एस : 00694 : 90	
43. 7075672	95/04	सिन्टर प्लास्ट कंटेनर्स, प्लास्टिक डिब्बीजन, भारत विजय मिल्स लि., कलोल (एन जी)-382721	पानी के भण्डार हेतु प्लास्टिक टंकीया	आई एस 12701 : 96	
44. 7075571	95/04	सनकेम सरफैस कोटिंग्स, ए/1/168 जीआईडी सी इंडस्ट्रियल एस्टेट, पी.बी.नं. 11, अंकेश्वर, जिला भरूच-393002	सोपेंट रंग रोगन (पहला पुनरोक्षण)	आई एस 05410 : 69	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
45. 7074771	95/04	जे.आर. फ़ैक्ट्रीकेटर्स (प्रा.) लि. प्लॉट नं. 238, हूनांव-389350 बड़ोदा	अमरावत द्रवणीय गैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल क्षमता वाले वैलिडित अल्प कार्बन इस्पात के सिलिंडर, भाग 2 एल पी जो सिलिंडर के अलावा अन्य द्रवणीय गैसों के लिए सिलिंडर-विशिष्ट	आई एस 03196 : 92	भाग 02
46. 7075066	95/04	सिस्केब इलेक्ट्रिकल्स प्रा.लि., सर्वे नं. 293/पी.पी.ओ. पोयचर तल : तावली जिला बड़ोदा 391780	पोबीसी रोधित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 1 1100 वी. तक की कार्यकारी वोल्टता के लिए	आई एस 01554 : 88	भाग 01
47. 9082578	95/04	अप्रभ एग्रो इंडस्ट्रीज लि., रोजका मेयो तहसील सोहना, जिला गुड़गांव	मलाईयुक्त दूध पाउडर भाग 1 मानक ग्रेड	आई एस 13334 : 92	भाग 01
48. 9083782	95/04	अनु प्रॉडक्ट्स लिमिटेड तिगांव रोड, ओल्ड फरीदाबाद फरीदाबाद (हरियाणा) 121002	एसीफेट एम.पी.	आई एस 12916 : 90	
49. 9083873	95/04	वेब्यू एथीकेमिकल्स (प्रा.लि.) 44 सैक्टर 27-ए, फरीदाबाद 121003	इन्डोसल्फान पायसनीय सांद्रण (पहला पुनरीक्षण) (संशोधन 2)	आई एस 04323 : 80	
50. 9082376	95/04	जोतिन्द्र स्टील्स एण्ड ट्यूब्स लि. 14/3 मील पथर, मथुरा रोड, फरीदाबाद 121003 हरियाणा	पट्टा कन्वैयर्स के लिए आइलरो हेतु इस्पात के पाइप (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 09295 : 83	
51. 5043518	95/04	मान् एन्टरप्राइसेज, 15, नगेन्द्र नाथ रोड, दमदम, कलकत्ता-700028	सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए इस्पात तार के रस्से (तीसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आई एस 02266 : 89	
52. 5044752	95/04	अन्दायत उद्योग (सिलिंडर्स लि.) सुगौफारी लालगढ़, पो.आ. माधोपुर देवघर बिहार देवघर	अल्पदाब द्रवणीय गैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल क्षमता वाले वैलिडित अल्प कार्बन इस्पात सिलिंडर भाग 1 एलपीजी सिलिंडरों के अलावा अन्य द्रवणीय गैसों के लिए सिलिंडर	आई एस 03196 : 92	भाग 01
53. 9082477	95/04	नहता इलेक्ट्रिकल्स, 12, संजय वैभोरियल एस्टेट, फेस 1, सम्मुख आई एमसीए, फरीदाबाद-121006	ड्रेजर्ट क्वार के पम्पसेट (संशोधन 2)	आई एस 11951 : 87	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
54. 9083479	95/04	टैक्नीकल एसोसिएट्स इंडस्ट्रीज लि., फैजाबाद रोड, समीप मार्जित बक्सगाँव, लखनऊ	नया विद्युत रोधन तेल (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 00335 : 93	
55. 5043952	95/04	बंगाल सोलेंट कम्पनी लि. दक्षिण सारंगपुर, दिल्ली रोड, पो.एत. सरासपुर, हुगली	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण) (संशोधन 3)	आई एस : 00269 : 89	
56. 8095784	95/04	वाशोपालिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 32-बी, इंडस्ट्रियल एस्टेट, साइट 4 साहिबाबाद (गाजियाबाद)	अल्पदाय द्रवणीय गैसों के लिए 5 लिटर से अधिक जल क्षमता वाले वैलिड अल्प-कार्बन इस्पात सिलिंडर भाग 2 एलपीजी सिलिंडरों के अलावा अन्य द्रवणीय गैसों के लिए सिलिंडर (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 03196 : 92 भाग 02	
57. 9083681	95/04	साधना सोलेंट्स (प्रा.) लि. प्लॉट नं. 702, बरौनी, तहसील बिहौर, काकवा रोड, कानपुर देहात	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 00269 : 89	
58. 8093275	95/04	पिकसिटी इन्फ्लेक्स प्रा. लि. जी-133/ए, रोड नं. 12, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर-302013	स्याही दोहराने वाली जुड़वां, बेलन पूर्ण मशीनों के लिए	आई एस 01222 : 92	
59. 8096079	95/04	रोहित कुशनिंग लिमिटेड, गांव : हमजापुर, तहसील बेहरोड, अलवर 301701	33 ग्रेड साधारण पोर्टलैण्ड सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण) (संशोधन 3)	आई एस 00269 : 89	
60. 8095885	95/04	थापर मिल्क प्रोडक्ट्स लिमिटेड, एम्प्रोच रोड नं. 12, गांव कमलपुर, तहसील : रामगढ़, मत्स्य इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर-301030	मलाईयुक्त दूध पाउडर, भाग 1 मानक ग्रेड	आई एस 13334 : 92 भाग 01	
61. 8093679	95/04	पिकसिटी इन्फ्लेक्स प्रा. लि., जी-133/ए, रोड नं. 12, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर 302013	स्याही	आई एस 01333 : 78	
62. 8094681	95/04	कास इलेक्ट्रिकल्स (इंडिया) रजि. 9/37 शालीमार इंडस्ट्रियल एरिया, गली नं. 2, हैदरपुर मेन रोड, दिल्ली-110052	परस्कन्दी सामग्री से बने तीन पिन प्लग (संशोधन 4)	आई एस 06538 : 71	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
63. 8095077	95/04	शार.जी. एन्टरप्राइजेज, ए-54 ग्राम नगर, नई दिल्ली-110018	नोदक टाइप ए. सी संवातन पंखे	आई एस 02312 : 67	
64. 8095380	95/04	सूरी एन्टरप्राइजेज, 662/8, घाटी मार्ग, पंजाबी बस्ती, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली-110006	खनिज भरे खोलदार तापन एलिमेंट	आई एस 04159 : 83	
65. 8094378	95/04	गुप्ता लैम्प 4493/1, जय माता मार्केट, त्रिनगर, दिल्ली-110035	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 00418 : 78	
66. 8096180	95/04	लक्ष्मी इलेक्ट्रिक कं., डब्ल्यू जेड-312, गांव शकरपुर, दिल्ली-110034	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस 00418 : 78	
67. 8094580	95/04	मैट्रो एप्लायंसेस बी-4, सेक्टर 58, नोएडा-201301	पानी गर्म करने के इंस्टेन्ट हीटर (दूसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 1)	आई एस 08978 : 92	
68. 8095178	95/04	रेडियो इलेक्ट्रॉनिक्स, 250 ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट फेज 3, नई दिल्ली-110020	एक फेजी लघु ए सी और सर्विक बिजली की मोटर (दूसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 2)	आई एस 00996 : 79	
69. 8096281	95/04	श्री राम इलेक्ट्रिक कं., 49-50 ए, राम दन एन्क्लेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059	टंगस्टन तंतु के सामान्य सेवा बिजली के लैम्प (तीसरा पुनरीक्षण) (संशोधन 7)	आई एस 00418 : 78	
70. 8096382	95/04	टैक्नो मेक केबल्स, डब्ल्यू-192 चन्द्र शेखर गली, बाबरपुर, शाहदरा, दिल्ली-110032	1100 वो. तक की कार्य- कारी वोल्टता के लिए पी वी सी रोधित केबल	आई एस 00694 : 90	
71. 8095279	95/04	बी.जी. इलेक्ट्रिकल्स, 528/3 गली नं० 6, विश्राम नगर, शाहदरा, दिल्ली 110032	घरेलू और समान विद्युत माधित्वों की सुरक्षा भाग 2 विशेष अपेक्षाएं	आई एस 00302 : 92 भाग 02 अनुभाग 03	
72. 8084077	95/04	प्रकाश आयरन फाउन्ड्री, उद्योग नगर, वृन्दावन, मथुरा	अपण्डित और संवातन के लिए रेत के सांचों में ढले लोहे के सिपेगट और साकेट पाइप फिटिंग और सहायकांग	आई एस 01729 : 79	
73. 8092980	95/04	मीनाक्षी ट्रेडिंग कारपोरेशन, ए-882, शास्त्री नगर, दिल्ली-110052	पानी गर्म करने के बिजली के इम्बरसन हीटर (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 00368 : 92	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
74. 8092879	95/04	कृष्णा इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, डी-90, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस 1, नई दिल्ली-110028	पीबीसी रोहित (भारी कार्य) बिजली की केबल भाग 2	आई एस 01554 : 88	
75. 8094479	95/04	मीनाक्षी ट्रेडिंग करपोरेशन, ए-882, शास्त्री नगर, दिल्ली-110052	घरेलू और समान विद्युत साधनों की सुरक्षा भाग 2 विशेष अपेक्षाएं	आई एस 00302 : 92	भाग 02
76. 8094782	95/04	पूजा प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, 4622, बी/235, जय माता मार्केट, लि नगर, दिल्ली-110035	घरेलू और समान प्रयोजन के लिए स्विच (पहला पुनरीक्षण)	आई एस 03854 : 88	
77. 8094075	95/04	एवरेस्ट बिल्डिंग प्रोडक्ट्स लि., एस्वेस्टास नगर बाया जुक्की-483880	एस्वेस्टास सीमेंट के भवन निर्माण हेतु बोर्ड (संशोधन 2)	आई एस 02098 : 64	
78. 8093376	95/04	लार्सन एण्ड टुम्बो लिमिटेड, हिमरी सीमेंट वर्क्स, पी.ओ. हिमरी, तालुक सिमगा, जिला रानीपुर (मध्य प्रदेश)	पोर्टलैंड स्लेग सीमेंट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस 00455 : 89	
79. 8093477	95/04	लारसन एण्ड टुम्बो लिमिटेड, हिमरी सीमेंट वर्क्स, पो.ओ. हिमरी, तालुक सिमगा, जिला रानीपुर (म.प्र.)	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड (पहला पुनरीक्षण) (संशोधन 3)	आई एस 08112 : 89	
80. 8093578	95/04	लारसन एण्ड टुम्बो लिमिटेड, हिलरी सीमेंट वर्क्स, पो.ओ. हिमरी, तालुक सिमगा, जिला रानीपुर (म.प्र.)	53 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (संशोधन 3)	आई एस 12269 : 87	
81. 8093881	95/04	स्टील कास्टिंग ग्राफ इंडिया लि., 6 इंड. कॉम्प्लेक्स, माक्सी, जिला शाजापुर	एस्वेस्टास सीमेंट दाब पाइपों के साथ प्रयुक्त अलग हो सकने वाले ढलवा लोहे के जोड़	आई एस 08794 : 88	
82. 8094883	95/04	ए.बी.एस. सीमेंट्स प्रा. लि., 19 कि.मी. हड़की रोड, मेरठ	43 ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (पहला पुनरीक्षण) (संशोधन 3)	आई एस 08112 : 89	

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Bureau of Indian Standards)

New Delhi, the 1st October, 1997

S.O.2721.—In pursuance of Sub-regulation (5) of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations 1988, of Bureau of Indian Standards, hereby notifies the grant of licences particulars of which are given in the following schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No.	Operative Date	Name & address (factory) of the Party	Title of the standard	IS:No/Part/Sec. & Year
1	9082275	95/04	Carewell Hygiene Products Ltd. Vill : Samalheri, Block Derabassi Teh : Rajpura Patiala Samalheri	Sanitary napkins (first revision) (Amendment 1)	IS 05405:80
2	9083378	95/04	Ganga Polytube (India) Pvt. Ltd. 16th K.M. Stone, Sirsa Road, Hassar Vill : Chikenwas	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985 : 88
3	9083176	95/04	Haryana Krishi Yantra Vill : & PO Baldi, Ambala Side Bye Pass G.T. Road, Karnal Karnal-132001	Safety requirements for power threshers (Amendments 4)	IS 09020:79
4	9083277	95/04	Rattan Cements Vill : Sohana Ambala Sohana	33 Grade Ordinary Portland Cement (forth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89
5	9082982	95/04	Shree Satyaguru Rubber Mills Amritsar Verka-143501	V-belts-endless V-belts for industrial purposes Part 1 General purposes (second revision)	IS 02494 :74 Part 01
6	9082881	95/04	Uttam Sewing Machine Co. 65/1, Krishan Nagar Backside Adarsh Nagar Jalandhar Jalandhar City	Household sewing machines-General requirements (second revision)	IS 01610:89
7	6076972	95/04	C. Das & Company Ltd., 149-A, Malmanthai Village Ariyanayagapuram P.O. Vilathikulam Tk. Dhidambaranar District 627 901	Iodized salt (first revision) (Amendments 2)	IS 07224:85

1	2	3	4	5	6
8	6076164	95/04	Goyal Ispat Pvt. Ltd. 61, Sembudoss Street, Madras-600 001	Steel for general structural purposes (Fourth revision) (supersedes IS 225 : 1975) (Amendment No. 1)	IS 02062:92
9	6076265	95/04	Jain Cable Industries Pvt. Ltd. F-71, Sipcot Indl. Complex Gummidipundi-601 201	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
10	6078168	95/04	Mico Farm Chemicals Ltd. 32/1 A, Pochanampatty Salem Omalur Main Road Salem District-636 018	Quinalphos emulsifiable concentrate (first revision)	IS 08028:87
11	6075970	95/04	M/s. Rhone-Poulenc Agro Chemicals India Ltd. 1/6 Trunk Road Nazarethpet Poonamalle Madras-602 103	Carbaryl water dispersible powder concentrate (Amendments 3)	IS 07121:73
12	6077570	95/04	Devi Pesticides S.No. 737/5, Sevugampatti, Dindigul Road, Batlagundu-624 202	Dimethoate emulsifiable concen- trates (second revision) (Amendment 1)	IS 03903:84
13	6075869	95/04	Mico Farm Chemicals Ltd. Mettur Dam. RS. Distt. Salem Tamilnadu-636 402	Cypermethrin EC (Amendment 1)	IS 12016:87
14	6078067	95/04	STP Ltd. 55 & 56, A&B Developed Plots Ambattur Madras	Glass fibre base coal tar pitch and bitumen felts (Amendment 1)	IS 07193:74
15	6077065	95/04	S-Cap Industry 5, Chikkalasandra I Floors, Uttarahalli Hobli Bangalore-560 061	Shunt capacitors for power systems (Second revision) (Amendments 4)	IS 02834:86
16	6078269	95/04	Bhoruka Engineering Industries Ltd. Mahadevpura Post Whitefield Road Bangalore-560048	Plain hard-drawn steel wire for prestressed concrete : Part 2 As drawn wire (first revision) (Amendment No. 1)	IS 01785:83 Part 02
17	6076770	95/04	Balaji Steel Rolling Mills Pvt. Ltd. 28/1 B&C, IDA, Nadhara n Hyderabad	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforce- ment (Third revision) (Superseding IS : 1139-1966) (Amendment No. 1)	IS 01786:85
18	6077974	95/04	Hyderabad Fasteners 19-4-77, Mir Alam Tank NH-7 Hyderabad-500 252	Steel butt hinges (sixth revision)	IS 01341:92

1	2	3	4	5	6
19	6078470	95/04	Jupiter Pulverisers Shed No. 32, IDA Phase II Cherlapalli Hyderabad-500 762	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:78
20	6076871	95/04	Master Valve Industries Bommuluru-521 105	Sluice valves for water works purposes (50 to 300 mm size) (Six revision) (Amendments 3)	IS 00780:84
21	6077772	95/04	Sudhakar Plastic Pvt. Ltd. Balaram Thanda Near Industrial Estate Suryapet-508 214	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
22	6076669	95/04	Tirumala Asbestos Products Kallakal Village Teopvan Mandal Medak District.	Asbestos cement pressure pipes (Third revision)	IS 01592:89
23	6077873	95/04	Sudhakar Plastic Pvt. Ltd. Balaram Thanda Near Industrial Estate Suryapet-508 214	High density polyethylene pipes for potable water supplies: sewage and industrial effluents (third revision)	IS 04984:87
24	6077671	95/04	Texmaco Limited Cement Division Yeera-Guntala Cuddapah District-516 309	53 grade ordinary Portland cement (Amendments 3)	IS 12269:87
25	6076063	95/04	Nirmal Industries 23A, Nava India Road Peelamedu Coimbatore-641 004	Stationary storage type electric water heaters (third revision) (Amendment 1)	IS 02082:93
26	6076568	95/04	Ramesh Engg. Co. 1040, Bharathiyar Road P.N. Palayam Coimbatore-641037	Submersible pumpsets (first revision) (Amendments 3)	IS 08034:76
27	6076366	95/04	Superflo P. Ltd. 20/A/2, Phase IV, IDA Jeedimetla Hyderabad-500 855	Diaphragm type (plastic body) operated valves for cold water services	IS 13049 : 91
28	6077166	95/04	Vijayalakshmi Insecticides & Pesticides Pvt. Lt . Ethakota Kothapeta Taluk 533 238	Carbendazim (MBC) water dispersible powder concentrates (first revision)	IS 08446:91
29	6077267	95/04	Vijayalakshmi Insecticides & Pesticides Pvt. Ltd. Ethakota Kothapeta Taluk 533 238	Mancozeb water dispersible powder concentrates (Amendment 1)	IS 08708:78
30	6077368	95/04	Vijayalakshmi Insecticides & Pesticides Pvt. Ltd. Ethakota Kothapeta Taluk-533 238	Chlorpyrifos emulsifiable concentrates (Amendment 1)	IS 08944:78

1	2	3	4	5	6
31	6077469	95/04	Vijayalakshmi Insecticides & Pesticides Pvt. Ltd. Ethakota Kothapeta Taluk 533 238	Dichlorvos emulsifiable concentrates (first revision) (with amendments)	IS 05277:78
32	9083075	95/04	Surya Polyvin Limited 1 Km Stone, Patiala Road Patiala Samana	Unplasticised PVC pipes for potable water supplies (second revision) (Amendment 1)	IS 04985:88
33	5043649	95/04	Associated Chemical & Pharmaceutical Industries, Methuapara, P.O. Ganganagar, Distt. 24-Parganas (North) 24-Parganas (North) West Bengal	Disinfectant fluids, black and white (third revision)	IS 01061:82
34	5043851	95/04	Cabcon India Pvt. Ltd. 93, Dakshindari Road, Calcutta Calcutta-700 048	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 1 Aluminium stranded conductors (second revision) (Amendment No. 1)	IS 00398:76 Part 01
35	5044045	95/04	Century Plyboards (I) Ltd. Diamond Harbour Road, Kanchowki, Bishnupur, 24-Parganas(s), West Bengal	Plywood for general purposes (Third revision) (Amendment 1)	IS 00303:89
36	5043346	95/04	Shyam Ispat Udyog, 6/3, Guha Road, Ghusuri, Howrah-711 107	High strength deformed steel bars and wires for concrete reinforcement (Third revision) (superseding IS: 1139-1966 (Amendment No. 1))	IS 01786:85
37	5043245	95/04	Electrical Mfg. Co. Ltd. EMC Garden 136, Jessore Road Calcutta-700 055	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS 00398:76 Part 04
38	5043750	95/04	Purbanchal Cables & Conductors (P) Ltd. Bishnu Market A.T. Road Gulhati-781 009	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 4 Aluminium alloy stranded conductors (aluminium magnesium silicon type) (third revision)	IS 00398:76 Part 04
39	5043447	95/04	Shyam Ispat Udyog 6/3, Guha Road, Ghusuri, Howrah-711 107	Steel for general structural purposes (Fourth revision) (supersedes IS 225:1975) (Amendment No. 1)	IS 02062:92
40	7075470	95/04	Malu Electrodes Pvt. Ltd. Plo No. 54 MIDC Hingna Road, Nagpur	Covered electrodes for manual Metal arc welding of carbon and carbon manganese steel (Fifth revision)	IS 00814:91

1	2	3	4	5	6
41	7075268	95/04	Prompt Power Tools 467 Siddheshwari Estate Behind Telephone Exchange GIDC Naroda Ahmedabad-382330	Portable electric motor-operated tools: Part 2 Specific requirements for tool	IS 04665:84 Part 02
42	7074973	95/04	Syscab Electricals Pvt. Ltd. Survey No. 293/P P.O. Poidhar Tal Savli Distt. Baroda-391780	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
43	7075672	95/04	Sinter Plast Containers Plastic Division Bharat Vijay Mills Ltd. Kalol (NG) 382721	Rotational moulded polyethylene water storage tanks (Amendments 2)	IS 12701:89
44	7075571	95/04	Suncem Surface Coatings A/1/168 GIDC Industrial Estate P. B. No. 11 Ankleshwar Distt. Bharuch-393002	Cement paint (first revision) (Amendment 1)	IS 05410:69
45	7074771	95/04	J.R. Fabricators (P) Ltd. Plot No. 338 Halol 389 350 Baroda (HW)	Welded low carbon steel cylinder exceeding 5 litre water capacity for low pressure liquifiable gases: Part 2 Cylinders for liquifiable gases other than LPG (fourth revision)	IS 03196:92 Part 02
46	7075066	95/04	Syscab Electricals Pvt. Ltd. Survey No. 293/P P.O. Poichar Tal Savli Distt. Baroda-301780	PVC insulated (heavy duty) electric cables: Part 1 for working voltages upto and including 1100 V (Third revision)	IS 01554:88 Part 01
47	9082578	95/04	Rishabh Agro Industries Ltd. Rojka Med Tehsil Sohna Distt. Gurgaon	Skim milk powder: Part 1 Standard grade (Amendment 1)	IS 13334:91 Part 01
48	9083782	95/04	Anu Products Limited Tigaon Road, Old Faridabad Faridabad (Haryana) 121002	Acephate SP	IS 12916:90
49	9083883	95/04	Cashew Agrichemicals(P) Ltd. 44, Sector 27-A, Faridabad 121003	Endosulfan emulsifiable concentrates (first revision) (Amendments 2)	IS 04323:80
50	9082376	95/04	Jotindra Steels & Tubes Ltd. 14/3, Mile Stone, Mathura Road, Faridabad, Haryana 121003	Steel tubes for idlers for belt conveyors (first revision)	IS 09295:83
51	5043548	95/04	Sannu Enterprise, 15, Nagendra Nath Road, Dumdum, Calcutta-700028	Steel wire ropes for general engineering purposes (Third revision) (Amendment No. 1)	IS 02266:89

1	2	3	4	5	6
52	5044752	95/04	Chandawa Udyog (Cylinders Ltd) Sugiphari Lalgah P.O. Madhupur Deoghar Deoghar Bihar	Welded low carbon steel cylinder exceeding 5 litre water Capacity for low pressure liquifiable gases: Part 1 Cylinders for liquified petroleum gas (LPG) (fourth revision)	IS 03196:92 Part 01
53	9082477	95/04	Nahata Electricals 12, Sanjay Memorial Estate, Phase-I, Opp YMCA, Faridabad 121006	Pumpset for desert coolers (Amendments 2)	IS 11951:87
54	9083479	95/04	Technical Associates Industries Ltd. Faizabad Road Near Maruti Workshop Lucknow	New insulating oils (fourth revision)	IS 00335:93
55	5043752	95/04	Bengal Cement Company Ltd. Dakshin Rajdharpur Delhi Road P. S. Serampur Hooghly	33 Grade ordinary portland cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89
56	8095784	95/04	Badopalia Industries Limited 32-B, Industrial Estate Site 4 Sahibabad (Ghaziabad)	Welded low carbon steel cylinder exceeding 5 litre water capacity for low pressure liquifiable gases: Part 2 Cylinders for liquifiable gases other than LPG (fourth revision)	IS 03196:92 Part 02
57	9083681	95/04	Sadhna Cements (P) Ltd Plot No. 702 Barouli Tehsil Bilhaur Kakwan Road Kanpur Dehat	33 Grade ordinary portland cement (fourth revision) (Amendment 3)	IS 00269:89
58	8093275	95/04	Pinkcity Duplex Pvt. Ltd. G-133/A, Road No. 12 Vishwakarma Industrial Area Jaipur 302013	Ink, duplicating, for twin cylinder rotary machines (third revision)	IS 01222:92
59	8096079	95/04	Rohit Cushions Limited Village : Hamzapur Tehsil : Behror Alwar 301701	33 Grade ordinary portland cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00269:89
60	8095885	95/04	Thapar Milk Products Limited Approach Rd. No. 12, Vill : Kamalpur Teh : Ramgarh, Matsya Indl. Area. Alwar 301030	Skim milk powder : Part 1 Standard grade (Amendment 1)	IS 13334:92 Part 01
61	8093679	95/04	Pinkcity Duplex Pvt. Ltd. G-133-A, Road No. 12 Vishwakarma Industrial Area Jaipur 302013	Ink, duplicating, for single drum rotary machine (second revision)	IS 01333:78

1	2	3	4	5	6
62	8091681	95/04	Kas Electricals (India) Regd 9/37 Shalimar Indl. Area Gali No. 2 Hyderpur Main Road Delhi 110052	Three-pin Plugs made of resilient material (Amendments 4)	IS 06538:74
63	8095077	95/04	R. G. Enterprises A-54 Sham Nagar New Delhi 110018	Propeller type no ventilating fans (first revision) (Amendments No. 6)	IS 02312:67
64	8095380	95/04	Suri Enterprises 662/8 Ghati Marg Punjabi Basti Anand Parbat New Delhi 110006	Mineral filled sheathed heating elements (second revision) (Amendments 6)	IS 04159:83
65	8094378	95/04	Gupta Lamp 4493/5, Jai Mata Market Tri Nagar Delhi 110035	Tungston filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78
66	8096180	95/04	Laxmi Electric Co. WZ-312, Village Shikarpur Delhi 110034	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78
67	8094580	95/04	Metro Appliances B-4, Sector 58 Noida 201301	Electric instantaneous water heaters (second revision) (Amendment 1)	IS 08978:92
68	8095178	95/04	Radio Electronics 250, Okhla Indl. Estate Phase-III New Delhi 110020	Single-phase small ac and uni- versal electric motors (second revision) (Amendment 2)	IS 00996:79
69	8096281	95/04	Shree Ram Electric Co. 49-50A, Ram Dutt Enclave Uttam Nagar New Delhi 110059	Tungsten filament general service electric lamps (third revision) (Amendments 7)	IS 00418:78
70	8096382	95/04	Techno Mac Cables W-192, Chander Shekhar Gali Babarpur Shahdara Delhi 110032	PVC Insulated cables for working voltages upto and including 1100 V (third revision) (Amendment No. 1 to 4)	IS 00694:90
71	8095279	95/04	Vee Gee Electricals 528/3, Gali No. 6 Vishwas Nagar Shahdara Delhi 110032	Safety of household similar electrical appliances, Part 2 Particular requirements	IS 00302:92 Part 02 Sec 03
72	9084077	95/04	Prakash Iron Foundry Udyog Nagar Vrindavan Mathura	Sand cast iron spigot and socket soil waste and ventilating pipes, fitting and accessories (first revision) (Amendments 3)	IS 01729:79
73	8092980	95/04	Meenakshi Trading Corporation A-882, Shahstri Nagar Delhi 110052	Electric immersion water heaters (fourth revision)	IS 00368:92

1	2	3	4	5	6
74	8092879	95/04	Krishna Electrical Industries D-90, Okhla Indl. Area Phase I New Delhi 110028	PVC insulated (heavy duty) electric cables : Part 2 For working voltages from 3.3 KV upto and including 11 KV (first revision) (Amendment No. 1)	IS 01554:88 Part 02
75	8094479	95/04	Meenakshi Trading Corpora- tion A-882, Shastri Nagar Delhi 110052	Safety of household and similar electrical appliances : Part 2 Particular requirements	IS 00302:92 Part 02 Sec 03
76	8094782	95/04	Pooja Plastic Industries 4622, B/235, Jai Mata Market Tri Nagar Delhi 110035	Switches for domestic and similar purposes (first revision) (Amendments 3)	IS 03854:88
77	8094075	95/04	Everest Building Products Ltd. Asbestos Nagar Kymore 483880 Via Jukchi	Asbestos cement building boards (Amendment Nos. 2)	IS 02098:64
78	8093376	95/04	Larsen & Toubro Limited Hirmi Cement Works P.O. Hirmi Taluka—Simga Distt. Ranipur (M.P.)	Portland slag cement (fourth revision) (Amendments 3)	IS 00455:89
79	8093477	95/04	Larsen & Toubro Limited Hirmi Cement Works P.O. Hirmi Taluka—Simga Distt. Ranipur (M.P.)	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendments 3)	IS 08112:89
80	8093578	95/04	Larsen & Toubro Limited Hirmi Cement Works P.O. Hirmi Taluka—Simga Distt. Ranipur (M.P.)	53 grade ordinary Portland Cement (Amendments 3)	IS 12269:87
81	8093881	95/04	Steel Castings of India Ltd. 6 Indl. Complex Maksi Distt. Shajapur	Cast iron detachable joints for use with asbestos cement pressure pipes (first revision) (Amendment 1)	IS 08794:88
82	8094883	95/04	A.B.S. Cements Pvt. Ltd. 19 Km., Roorkee Road, Meerut	43 grade ordinary Portland cement (first revision) (Amendment 3)	IS 08112:89

File Ref : CMD-I/13 : 11]
P. S. DAS, Director General

कोयला संज्ञान

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1997

का.प्रा. 2722. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाययुक्त अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है,

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को रेखांक सं. एस.ई.सी.एल./बी.एस.पी./जी.एम. (पी.एल.जी.)/लैंड/187, तारीख 25 जुलाई, 1997 का निरीक्षण साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, राजस्व अनुभाग, सीपत रोड, बिलासपुर-495006 के कार्यालय में या कलक्टर, सरगुजा (म.प्र.) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस, स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि में, हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर भारसाधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सीपत रोड, बिलासपुर-495006 (मध्य प्रदेश) को भेजेंगे।

अनुसूची

तुलसी परियोजना

विश्रामपुर क्षेत्र

जिला—सरगुजा (मध्य प्रदेश)

रेखांक सं. : एस.ई.सी.एल./बी.एस.पी./जी.एम. (पी.एल.जी.)/लैंड/188

तारीख 25 जुलाई, 1997

(पूर्वोक्षण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शाते हुए)

क्रम सं.	ग्राम का नाम	ग्राम सं.	पटवारी हल्का सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टेयर में	टिप्पणियां
1.	गंगापुर	37	32	सूरजपुर	सरगुजा	352.920	भाग
2.	बृजनगर	55	34	सूरजपुर	सरगुजा	342.330	भाग
3.	अगतपुर	39	32	सूरजपुर	सरगुजा	179.660	सम्पूर्ण
4.	गजाधरपुर	35	32	सूरजपुर	सरगुजा	041.200	भाग
5.	तुलसी	58	34	सूरजपुर	सरगुजा	701.220	भाग
6.	अनुजनगर	36	36	सूरजपुर	सरगुजा	144.155	भाग
7.	बिहारपुर	40	32	सूरजपुर	सरगुजा	350.300	भाग
8.	शंकरपुर	343	18	प्रतापपुर	सरगुजा	300.410	भाग
9.	आरक्षित वन	--	--	--	--	262.880	संपूर्ण
कुल		2675.075	हैक्टर (लगभग) या 6610.11 एकड़ (लगभग)				

सीमा वर्णन :

- क-ख : रेखा ग्राम शंकरपुर में बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और ग्राम शंकरपुर, तुलसी, बृजनगर से होकर जाती है तथा बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग : रेखा ग्राम बृजनगर, गंगा नगर अनुजनगर से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग-घ : रेखा ग्राम अनुजनगर, गजाधरपुर, बिहारपुर से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-क : रेखा ग्राम बिहारपुर, शंकरपुर से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं० 43015/13/97-एस०डब्ल्यू०]

भीमती प्रेम लता सेनी, सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 26th September, 1997

S.O. 2722 —Whereas it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing Number SECL/BSP/GM(PLG)/Land/187 dated 25th July, 1997 of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the South Eastern Coalfields Limited, Revenue Section, Seepat Road, Bilaspur-495006 or in the Office of the Collector, Surguja (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification may deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road Bilaspur-495006 (Madhya Pradesh) within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

TULSI PROJECT

BISHIRAMPUR AREA

DISTRICT—SURGUJA (MADHYA PRADESH)

Plan No. SECL/BSP/GM (PLG)/Land/187 dated 25th July, 1997

(showing land notified for prospecting)

Serial Number	Name of Village	Village Number	Patwari Halka Number	Tahsil	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Gangapur	37	32	Surajpur	Surguja	352.920	Part
2.	Brijnagar	55	34	Surajpur	Surguja	342.330	Part
3.	Jagatpur	39	32	Surajpur	Surguja	179.660	Full
4.	Gajadharpur	35	32	Surajpur	Surguja	041.200	Part
5.	Tulsi	58	34	Surajpur	Surguja	701.220	Part
6.	Anujnagar	36	36	Surajpur	Surguja	144.155	Part
7.	Biharpur	40	32	Surajpur	Surguja	350.300	Part
8.	Shankarpur	343	18	Pratappur	Surguja	300.410	Part
9.	Reserved Forest	—	—	—	—	262.880	Full

TOTAL : 2675.075 hectares (approximately) OR 6610.11 Acres (approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION

- A—B Line starts from point 'A' in village Shankarpur and passes through village Shankarpur, Tulsi, Brijnagar and meets at point 'B'.
- B—C Line passes through villages Brijnagar, Gangapur, Anujnagar and meets at point 'C'.
- C—D Line passes through villages Anujnagar, Gajadharpur, Biharpur and meets at point 'D'.
- D—A Line passes through villages Biharpur, Shankarpur, and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/13/97-LW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2723.—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपायय अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अधिप्राप्त किये जाने की संभावना है,

अतः अब, केंद्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अखन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वोक्त करने के अपने आदेश की सूचना देती है,

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र की रेखांक सं. एस ई सी एल/डी एस पी/डी एम (पी एल जी)/लैंड/186 तारीख 11 अगस्त, 1997 या निरोक्षण कलक्टर, सरगुजा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला निरोक्षण, 1, कावर्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोल पोर्ट्स लिमिटेड (राजस्व विभाग), सीपत रोड, बिलासपर-495006 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में, हितवत् सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी तथ्यों, चारों ओर अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर धार-साधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड, सीपत रोड, बिलासपर-495006 (मध्य प्रदेश) को भेजेंगे।

अनुसूची

रेहुर पूर्वी ब्लॉक-I

बिभ्रामपुर क्षेत्र

जिला-सरगुजा (मध्य प्रदेश)

(रेखांक सं. एस ई सी एल/बी एस पी/जी एम/(पी एल जी)/मैड/188 तारीख 11 अगस्त, 1997

(पूर्वोक्त के लिये अधिसूचित भूमि वसति हुए)

क्रम सं.	ग्राम का नाम	ग्राम सं.	पटवारी हल्का सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	पेन्डरखी	262	42	सूरजपुर	सरगुजा	588.928	संपूर्ण
2.	अर्जुन नगर	7	42	सूरजपुर	सरगुजा	174.904	संपूर्ण
3.	कन्दराई	27	42	सूरजपुर	सरगुजा	1192.492	भाग
4.	जमवेई	150	42	सूरजपुर	सरगुजा	1259.487	संपूर्ण
5.	राजापुर	377	41	सूरजपुर	सरगुजा	198.846	भाग
6.	आरक्षित वन	--	--	सूरजपुर	सरगुजा	1078.138	भाग
कुल		4492.795 हेक्टर (लगभग) या		11101.70 एकड़ (लगभग)			

ब्लॉक-I

सीमा वर्णन

- क-ख : रेखा रेहुर नदी के किनारे पर बिन्दु "क" से आरंभ होती है और ग्राम पेन्डरखी की उत्तरी सीमा के साथ-साथ फिर ग्राम कन्दराई से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग : रेखा कन्दराई की पूर्वी सीमा के साथ-साथ फिर ग्राम राजापुर से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग-घ : रेखा राजापुर, कन्दराई ग्रामों आरक्षित वन, जमवेई की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-क : रेखा जमवेई, अर्जुन नगर, पेन्डरखी ग्रामों की पश्चिमी सीमा, के साथ-साथ जाती है जो रेहुर नदी के भी साथ-साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/18/97-एल डब्ल्यू]

श्रीमती पी. एल. देवी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th October, 1997

S.O. 2723.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. SECL/BSP/GM(PLG)/LAND/188 dated the 11th August, 1997, of the area covered by this

notification can be inspected in the Office of the Collector, Surguja (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Contoller, 1, Council House Street, Calcutta-700001 or in the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Department), Seepat Road, Bilaspur-495006 (Madhya Pradesh).

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue) South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur-495006 (Madhya Pradesh) within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

REHAR EAST BLOCK—I

BISRAMPUR AREA

DISTRICT—SURGUJA (MADHYA PRADESH)

(Plan No : SECL/BSP/GM (PLG)/LAND/188 Dated 11th August, 1997

(Showing the land for prospecting)

Serial Number	Name of Village	Village Number	Patwari Halka Number	Tehsil	District	Area in Hectares	Remarks
1.	Pendarkhi	262	42	Surajpur	Surguja	588.928	Full
2.	Arjunnagar	7	42	Surajpur	Surguja	174.904	Full
3.	Kandrai	27	42	Surajpur	Surguja	1192.492	Part
4.	Jamdei	150	42	Surajpur	Surguja	1259.487	Full
5.	Rajapur	377	41	Surajpur	Surguja	198.846	Part
6.	Reserved Forest	—	—	Surajpur	Surguja	1078.138	Part

TOTAL : 4492.795 Hectares (Approximately) OR
11101.70 Acres (Approximately)

BLOCK—I

BOUNDARY DESCRIPTION

- A—B Line start from point 'A' on the bank of River Rehar and passes along the Northern boundary of village Pendarkhi, then through village Kandrai and meets at point 'B'.
- B—C Line passes along the Eastern boundary of Kandrai then through village Rajapur and meets at point 'C'.
- C—D Line passes along the Southern boundary of villages Rajapur, Kandrai, Reserved Forest, Jamdei and meets at point 'D'.
- D—A Line passes along the Western boundary of villages Jamdei, Arjunnagar, Pendarkhi which is also passes along the Rehar River and meets the starting point at 'A'.

[No. 43015/18/97-LW]

Mrs. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2724.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किये जाने की संभावना है,

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वाग्रह करने के अपने आशय को त्वरित करता है,

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र की रेखांक सं. एम ई सी एन/सी/एम पी/जी एम (सी एन जी)/लैंड/189 तारीख 11 अगस्त, 1997 की निरीक्षण कन्स्ट्रक्टर, सर्गुजा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कन्कस्ता-700001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (राजस्व विभाग), सिपत रोड, बिलासपुर-495006 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाला भूमि में, हिनवड़ सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर भारसाधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) माउथ ऑफ्टो कोयलाब्जर्व कमिटेड, नारैरा रोड, बिनापुर-495003 (मध्य प्रदेश) को भेजेंगे।

अनुसूची

रेहर पूर्वी ब्लाक-II

बिश्रामपुर क्षेत्र

जिला-सरगुजा (मध्य प्रदेश)

रेखांक सं. एम ई सी एल/बी एसपी/जी एम (पी एल जी)/लेंड 189 तारीख 11 अगस्त, 1997
(पूर्वोक्षण के लिये अधिसूचित भूमि दर्शाते हुए)

क्रम सं.	ग्राम का नाम	ग्राम सं.	पटवारी हल्का सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हैक्टेयर में	टिप्पणियां
1.	बगर्दी	327	49	अम्बिकापुर	सरगुजा	808.305	संपूर्ण
2.	गुमगरा कला	135	49	अम्बिकापुर	सरगुजा	668.773	संपूर्ण
3.	पारसोदी कला	285	49	अम्बिकापुर	सरगुजा	503.444	संपूर्ण
4.	अमेरा	14	45	अम्बिकापुर	सरगुजा	209.870	संपूर्ण
5.	कटकोना	39	49	अम्बिकापुर	सरगुजा	451.813	संपूर्ण
6.	पुहपुटरा	297	45	अम्बिकापुर	सरगुजा	399.100	भाग
7.	आरक्षित वन	---	---	---	सरगुजा	305.597	भाग
कुल		3346.902 हैक्टेयर (लगभग) या 8270.19 एकड़ (लगभग)					

सीमा वर्णन

- क-ख : रेखा रेहर नदी के किनारे पर बिन्दु "क" से आरंभ होती है और ग्राम बगर्दी की उत्तरी सीमा के साथ-साथ फिर आरक्षित वन, बगर्दी गुमगरा कला, पारसोदी कला ग्रामों की उत्तरी सीमा से होकर जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग : रेखा पारसोदी कला, अमेरा, पुहपुटरा ग्रामों की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग-घ : रेखा पुहपुटरा ग्राम से होकर जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।
- घ-ङ : रेखा पुहपुटरा, कटकोना, गुमगरा कला, बगदारी ग्रामों, आरक्षित वन, बगर्दी की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
- ङ-क : रेखा बगर्दी ग्राम की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ जाती है जो रेहर नदी के किनारे के साथ-साथ भी जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

New Delhi, the 13th October, 1997

S.O. 2724.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act) the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. SECL/BSP/GM(PLG)/LAND/189 dated the 11th August, 1997, of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the Collector, Surguja, (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700 001 or in the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Department), Seepat Road, Bilaspur-495006 (Madhya Pradesh).

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section-13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue) South Estate Coalfields Limited Seepat Road Bilaspur-495006 (Madhya Pradesh) within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

REHAR EAST BLOCK—II

BISRAMPUR AREA

DISTRICT—SURGUJA (MADHYA PRADESH)

Plan No. SECL/BSP/GM (PLG)/Land/189

Dated 11th August, 1997

(Showing the land for prospecting)

Serial Number	Name of Village	Village Number	Patwari Halka Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Bagdarri	327	49	Ambikapur	Surguja	808.305	Full
2.	Gumgarakala	135	49	Ambikapur	Surguja	668.773	Full
3.	Parsodikala	285	49	Ambikapur	Surguja	503.444	Full
4.	Amera	14	45	Ambikapur	Surguja	209.870	Full
5.	Katkona	39	49	Ambikapur	Surguja	451.813	Full
6.	Puhputara	297	45	Ambikapur	Surguja	399.100	Part
7.	Reserved Forest	—	—	—	Surguja	305.597	Part

TOTAL : 3346.902 Hectares (Approximately) OR
8270.19 Acres (Approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION

A—B	Line starts from point 'A' on the bank of Rehar River and passes along the Northern boundary of village Bagdarri, then through Reserved Forest, Northern boundary of villages Bagdarri, Gumgarakala, Parsodikala and meets at point 'B'.
B—C	Line passes along the Eastern boundary of villages Parsodikala, Amera, Puhputara and meets at point 'C'.
C—D	Line passes through Puhputara village and meets at point 'D'.
D—E	Line passes along the Southern boundary of villages Puhputara, Katkona, Gumgarakala, Bagdarri, Reserved Forest, Bagdarri and meets at point 'E'.
E—A	Line passes along the Western boundary of Bagdari village which is also passes along the bank of Rehar River and meets at the starting point 'A'.

[No : 43015/17/97-LW]
Mrs. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर, 1997

शुद्धि पत्र

का. आ. 2725.—भारत के राजपत्र, तारीख 22 फरवरी 1997 के भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ संख्या 1183 से 1185 पर प्रकाशित भान्त सरकार कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 495 तारीख 4 फरवरी 1997 में :—

पृष्ठ क्रमांक 1183 अनुसूची में,

पंक्ति-1 “अमाडांड” के स्थान पर आमाडांड पढ़ें। और जहां कहीं भी अमाडांड शब्द प्रयुक्त हुआ हो उनके स्थान पर “आमाडांड” पढ़ें।

पंक्ति-2 “जमुना कोयला” के स्थान पर “जमुना-कोतमा क्षेत्र” पढ़ें।

पंक्ति-3 “खन अधिकारन” के स्थान पर “खनन अधिकार” पढ़ें।

ग्राम “हरी” सम्पूर्ण में अर्जित खसरा संख्यांक में,

“ग्राम हरी” के स्थान पर “ग्राम हरी” पढ़ें। और जहां कहीं भी “हरी” शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसके स्थान पर “हरी” पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक - 1184,

ग्राम आमाडांड (सम्पूर्ण) में अर्जित खसरा संख्यांक में,

पंक्ति-2 “119/1696” के स्थान पर 119/1686 पढ़ें।

ग्राम फुलकोना (भाग) में अर्जित खसरा संख्या में,

पंक्ति-2 “1286 (भाग), 1297 (भाग)” के स्थान पर “1286(भाग), 1287(भाग)” पढ़ें।

पंक्ति-3 “570/1310” के स्थान पर “970/1310” पढ़ें।

पंक्ति-4 “1108/1316, 1275/1312 के स्थान पर “1108/1316, 1275/1317” पढ़ें।

रेखा छ-च,

पंक्ति - 1 “सेमरा-पडरीटोला, फुलकोना-मालमुडी” के स्थान पर “सेमरा-पडरीटोला, फुलकोना-भलमुडी” पढ़ें।

रेखा च-छ,

पंक्ति-2 “छ” पर मलती है के स्थान पर “छ” पर मिलती है, पढ़ें।

रेखा छ-छ 1-ज,

पंक्ति-1 “फुलकोना भलगा” के स्थान पर “फुलकोना-मलगा” पढ़ें।

पंक्ति - 1 “अमाडांड मलवाही” के स्थान पर “आमाडांड-भलवाही” पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक 1185, रेखा ज-झ,

पंक्ति - 1 “निमहा-नुक” के स्थान पर “निमहा-बुकान” पढ़ें।

रेखा झ-न,

पंक्ति - 1 “निमल-माद” के स्थान पर “निमहा-भाद” पढ़ें।

पंक्ति - 1 “निमल-सझौली बुहका-सझौली” के स्थान पर “निमहा-सझौली, कुहका-सझौली” पढ़ें।

रेखा ट-ड-ड,

पंक्ति - 1 “कुहका-घनौली” के स्थान पर “कुहका-धनौली” पढ़ें।

रेखा ढ-क,

पंक्ति - 1 “खोडरी उरा-हरी-उरा” के स्थान पर “खोडरी-उरा, हरी-उरा” पढ़ें।

[का. संख्या 43015/11/93-एल.एस. डब्ल्यू]

श्रीमती पी. एल. सैनी, अवसर सचिव

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग)

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2726 :—केन्द्रीय सरकार, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम 1973 (1973 का 59) की धारा 13 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् से परामर्श के पश्चात्, उक्त अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती हैं, अर्थात् :—

2573 GI/97—4

उक्त द्वितीय अनुसूची में, "असम" शीर्षक के नीचे, क्रम सं. 3इ. और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न-लिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

3इ.	बोर्ड आफ होम्योपैथी सिस्टम आफ मेडिसिन, असम	डिप्लोमा इन होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी	डी. एच. एम. एस. (पुराने विनियम)	दिसम्बर, 1988 तक
		डिप्लोमा इन होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी	(डी. एच. एम. एस.) (केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् विनियम)	1987 से

[सं. आर. 14013/1/97—भा. चि. प. (टैक्नीकल)]
कंवल दास, अवर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल अधिसूचना, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 1 में का. आ. सं. 76, तारीख 20 दिसम्बर, 1973 द्वारा प्रकाशित की गई थी और तत्पश्चात् उसमें भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ सं. 2278 पर का. आ. 2048, तारीख 24-3-86 द्वारा तारीख 24-5-86 को संशोधन की गई थी।

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Indian System of Medicine & Homoeopathy)

New Delhi, the 3rd October, 1997

S. O. No. 2726.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 13 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973) the Central Government, after consulting the Central Council of Homoeopathy, hereby makes the following further amendments in the second Schedule to the said Act, namely :—

In the said Second schedule, under the heading "Assam", for Serial number 3E and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

1	2	3	4
3E Board of Homoeopathy System of medicine Assam	Diploma in Homoeopathic Medicine and Surgery.	D.H.M.S. (Old regulations)	Up to Dec. 1988
	Diploma in Homoeopathic Medicine and Surgery	D.H.M.S. (C.C.H. Regulations)	From 1987 onwards

[No. R. 14013/1/97-ISM (Tech.)]
KANWAL DASS, Under Secy.

FOOT NOTE :—The Principal Notification was published in No. S.O. 76 dated 28th December, 1973 in Gazette of India-Extraordinary Part-II Section 1 and subsequently amended S.O. No 2848 dated 24th March, 1986 at page No. 2278 of the Gazette of India dated 24-5-1986, in Part-2, Section 3, Sub-section (ii).

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2727 :—केन्द्रीय सरकार, होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 12 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद् से सम्पर्क करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की द्वितीय अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अनुसूची में “बिहार” शीर्षक के नीचे क्रम सं. 4क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

1	2	3	4
“4क. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्व-विद्यालय मुजफ्फरनगर	(1) होम्योपैथिक चिकित्सा और शल्य-चिकित्सा स्नातक। (2) होम्योपैथिक चिकित्सा और शल्य-चिकित्सा स्नातक।	बी.एच. एम. एस. बी. एच. एम. एस. (वर्गीकृत डिग्री)	1987 से 1993 तक 1986 से 1993 तक”

[सं. वी. 27021/5/97—होम्यो. (एच. पी. सी.)]

कनल दास, अवर सचिव

पाद टिप्पण :—मूल अधिसूचना का. आ. सं. 76, तारीख 20 दिसम्बर, 1973 द्वारा भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 1 में प्रकाशित की गई थी उसके और तत्पश्चात् उसमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किए गए :—

का.आ. 3496	दिनांक 11-10-1977
का.आ. 325	दिनांक 4-11-1978
का.आ. 1517	दिनांक 26-2-1983
का.स.आ. 1481	दिनांक 12-3-1983
का.आ. 3099	दिनांक 21-6-1985
का.आ. 2048	दिनांक 24-3-1986
का.आ. 2270	दिनांक 24-5-1976
का.आ. 2449	दिनांक 4-7-1990
का.आ. 2501	दिनांक 1-8-1990
का.आ. 2503	दिनांक 21-8-1990
का.आ. 710	दिनांक 20-2-1992
का.आ. 891	दिनांक 5-3-1992
का.आ. 1210	दिनांक 23-4-1992
का.आ. 2669	दिनांक 24-9-1992
का.आ. 978	दिनांक 28-4-1992
का.आ. 1325	दिनांक 17-5-1994
का.आ. 2363	दिनांक 24-10-1994

New Delhi, the 3rd October, 1997

S.O. 2727.—In exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of section 13 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (59 of 1973) the Central Government, after consulting the Central Council of Homoeopathy, hereby makes the following amendment in the Second Schedule to the said Act., namely :—

In the said Schedule, under the heading “BIHAR”, after serial number 4A and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

1	2	3	4
“4 Babasaheb Bhim Rao Ambedkar, Bihar University, Muzaffarpur	(i) Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery. (ii) Bachelor of Homoeopathic Medicine and surgery	BHMS BHMS (Graded Degree)	From 1989 to Nov. 1993 From 1986—1993”

[No. V. 27021/5/87-Homoco (HPC)]

KANWAL DASS, Under Secy.

FOOT NOTE :—The Principal Notification was published in the Gazette of India Part II, Section 1, vide S.O. No. 76 dated 20th December, 1973 and subsequently amended vide :

S.O. 3496 dated 11-10-1977
S.O. 325 dated 4-11-1978
S.O. 1517 dated 26-2-1983
S.O. 1481 dated 12-3-1983
S.O. 3099 dated 21-6-1985
S.O. 2048 dated 24-3-1986
S.O. 2270 dated 24-5-1986
S.O. 2449 dated 4-8-1990
S.O. 2501 dated 1-8-1990
S.O. 2503 dated 21-8-1990
S.O. 710 dated 20-2-1992
S.O. 891 dated 5-3-1992
S.O. 1210 dated 23-4-1992
S.O. 2669 dated 24-9-1992
S.O. 978 dated 28-4-1992
S.O. 1325 dated 17-5-1994
S.O. 2363 dated 24-10-1994

रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2728 :—राजभाषा नियम, 1976 (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) के नियम 10 के उप-नियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) उत्तर रेल, पूर्वोत्तर रेल, पूर्व रेल एवं रेल विद्युतीकरण संगठन, इलाहाबाद के निम्नलिखित कार्यालयों को जहाँ कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करता है :—

उत्तर रेल (जोधपुर मंडल)

1. रेल स्टेशन, डेगाना जं.
2. रेल स्टेशन, खाटू
3. रेल स्टेशन, किरोदा
4. रेल स्टेशन, छोटी खाटू
5. रेल स्टेशन, पीडवा
6. रेल स्टेशन, मारवाड़ बलिया
7. रेल स्टेशन, खुनुवुना
8. रेल स्टेशन, डीडवाना
9. रेल स्टेशन, सावराद
10. रेल स्टेशन, लाडनू
11. रेल स्टेशन, जसवंतगढ़
12. रेल स्टेशन, सूजानगढ़
13. रेल स्टेशन, तालछापर
14. रेल स्टेशन, पड़िहारा
15. रेल स्टेशन, मेड़ता रोड़ जं.
16. रेल स्टेशन, खेडुली
17. रेल स्टेशन, जालसू
18. रेल स्टेशन, गच्छी पुरा
19. रेल स्टेशन, रैन
20. रेल स्टेशन, बैसरोली
21. रेल स्टेशन, बीरावर
22. रेल स्टेशन, मकराना जं.
23. रेल स्टेशन, कुचामन सिटी
24. रेल स्टेशन, ठठाना मिठरी
25. रेल स्टेशन, नया खारड़िया
26. रेल स्टेशन, नया शहर
27. रेल स्टेशन, गोबिन्दी मारवाड़
28. रेल स्टेशन, गुघा
29. रेल स्टेशन, साम्भर लेक
30. रेल स्टेशन, मेड़ता सिटी

पूर्वोत्तर रेल (सोनपुर मंडल)

31. सहायक इंजी. कार्यालय, सोनपुर
32. मंडल इंजी. कार्यालय, मुजफ्फरपुर
33. मंडल चिकित्सा अधिकारी, मुजफ्फरपुर
34. क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, मुजफ्फरपुर
35. बरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, सोनपुर
36. चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय, गड़रा
37. सहायक विद्युत इंजीनियर कार्यालय, बरौनी जं.
38. रेल स्टेशन, बरौनी जं.
39. सहायक इंजीनियर कार्यालय (पूर्व), बरौनी जं.
40. सहायक इंजीनियर कार्यालय (पश्चिम), बरौनी
41. सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, बरौनी
42. सहायक इंजीनियर कार्यालय, धानाबीहपुर जं.
43. रेल स्टेशन, सेमापुर
44. रेल स्टेशन, काढ़ागोल रोड़
45. रेल स्टेशन, बाबरी
46. रेल स्टेशन, कुर्सेला
47. रेल स्टेशन, कटरिया
48. रेल स्टेशन, नौगछिया
49. रेल स्टेशन, बरीक
50. रेल स्टेशन, धानाबीहपुर जं.
51. रेल स्टेशन, पसराहा
52. रेल स्टेशन, नारायणपुर
53. रेल स्टेशन, महेश खूंट
54. रेल स्टेशन, मानसी जं.
55. रेल स्टेशन, खगरिया
56. रेल स्टेशन, उमेश नगर
57. रेल स्टेशन, साहेबपुर कमाल
58. रेल स्टेशन, लखमिनिया
59. रेल स्टेशन, लाखो
60. रेल स्टेशन, बेगू सराय
61. रेल स्टेशन, तिलरथ
62. रेल स्टेशन, लेहरा
63. रेल स्टेशन, बछवारा
64. रेल स्टेशन, साठा जगत
65. रेल स्टेशन, बल सिंह सराय
66. रेल स्टेशन, नाजिर गंज
67. रेल स्टेशन, उजियारपुर
68. रेल स्टेशन, कुर्थपोथाम
69. रेल स्टेशन, पूसा रोड़
70. रेल स्टेशन, बुबहा
71. रेल स्टेशन, शौवी

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 7th October, 1997

S.O. 2728.—In pursuance of sub-rules (2) and (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the official purposes of the Union) Rules, 1976, the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the following offices of Northern Railway, N.E. Railway, Eastern Railway and Central Organisation, Railway Electrification, Allahabad, where the staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

Northern Railway (Jodhpur Division)

1. Railway Station, Degana Jn.
2. Rail Station, Khatu
3. Rail Station, Kiroda
4. Rail Station, Chhoti Khatu
5. Rail Station, Pirwa
6. Rail Station, Marwar Balia
7. Rail Station, Khun Khuna
8. Rail Station, Didwana
9. Rail Station, Sanvrad
10. Rail Station, Ladnun
11. Rail Station, Jaswantgarh
12. Rail Station, Sujangarh
13. Rail Station, Talchhapur
14. Rail Station, Parbihara
15. Rail Station, Merta Road Jn.
16. Rail Station, Kheduli
17. Rail Station, Jalsu
18. Rail Station, Gachhipura
19. Rail Station, Ren
20. Rail Station, Besroli
21. Rail Station, Barawar
22. Rail Station, Makrana Jn.
23. Rail Station, Kuchaman City
24. Rail Station, Thathana Mithri
25. Rail Station, Naya Khardia
26. Rail Station, Nawa City
27. Rail Station, Govindi Marwar
28. Rail Station, Gudha
29. Rail Station, Sambhar Lake
30. Rail Station, Merta City.

North-Eastern Railway (Sonapur Division)

31. Asstt. Engineer Office, Sonapur
32. Divisional Engineer Office, Muzaffarpur
33. Divisional Medical Officer, Muzaffarpur
34. Zonal Training Centre, Muzaffarpur
35. Sr. Medical Supdt. Office, Sonapur
36. Medical Supdt. Office, Gadra
37. Asstt. Electrical Engineer, Barauni Jn.
38. Rail Station, Barauni Jn.
39. Asstt. Engineer Office (E), Barauni Jn.
40. Asstt. Engineer Office (W), Barauni
41. Asstt. Signal & Telecommunication Engineer, Barauni
42. Asstt. Engineer Office, Thana Bihpur Jn.
43. Rail Station, Semapur
44. Rail Station, Kadagol Road
45. Rail Station, Babri
46. Rail Station, Kursela
47. Rail Station, Katria
48. Rail Station, Naugachia
49. Rail Station, Barik
50. Rail Station, Thanabihpur Jn.
51. Rail Station, Pasraha
52. Rail Station, Narayanpur
53. Rail Station, Maheshkhunt

72. रेल स्टेशन, सीहो
73. रेल स्टेशन, सिलौत
74. रेल स्टेशन, नारायनत
75. रेल स्टेशन, मुजफ्फरपुर
76. रेल स्टेशन, रामदयालु नगर
77. रेल स्टेशन, तुर्की
78. रेल स्टेशन, बुधनी
79. रेल स्टेशन, बेरौल
80. रेल स्टेशन, भगवानपुर
81. रेल स्टेशन, सराय
82. रेल स्टेशन, हाथीपुर
83. रेल स्टेशन, सोनपुर
84. रेल स्टेशन, परमानंदपुर
85. रेल स्टेशन, नया गांव
86. रेल स्टेशन, सीतल पुर
87. रेल स्टेशन, दिवारा
88. रेल स्टेशन, अकतार नगर
89. रेल स्टेशन, बड़ा रोपाल
90. रेल स्टेशन, खोलेन गंज
91. रेल स्टेशन, बिदुपुर
92. रेल स्टेशन, चक सिकंदर
93. रेल स्टेशन, देसरी
94. रेल स्टेशन, सहदई बुधनी
95. रेल स्टेशन, महानार रोड
96. रेल स्टेशन, शाहपुर पटोरी
97. रेल स्टेशन, मोहिउद्दीन नगर
98. रेल स्टेशन, विद्यापति नगर

पूर्व रेल (धनबाद मंडल)

99. सहायक अभियंता-2/बोमो

100. सहायक अभियंता--1/बोमो

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (इलाहाबाद)

101. मुख्य परियोजना प्रबंधक कार्यालय,
रेल विद्युतीकरण, अवाला102. मुख्य परियोजना प्रबंधक, कार्यालय
रेल विद्युतीकरण, रांची

[सं. हिरी-97/रा. भा. 1/12/1]

डी. पी. त्रिपाठी, सचिव
रेलवे बोर्ड एवं पदेन अपर सचिव

54. Rail Station, Mansi Jn.
55. Rail Station, Khagaria
56. Rail Station, Umesh Nagar
57. Rail Station, Sahabpur Kamal
58. Rail Station, Lakhminia
59. Rail Station, Lakho
60. Rail Station, Bagusarai
61. Rail Station, Tilrath
62. Rail Station, Lehra
63. Rail Station, Bachwara
64. Rail Station, Satha Jagat
65. Rail Station, Dalsingh Sarai
66. Rail Station, Nazirganj
67. Rail Station, Ujairpur
68. Rail Station, Kurthrogram
69. Rail Station, Pusa Road
70. Rail Station, Dubaha
71. Rail Station, Dauli
72. Rail Station, Siho
73. Rail Station, Silout
74. Rail Station, Nara Anant
75. Rail Station, Muzaffarpur
76. Rail Station, Ram Dayalu Nagar
77. Rail Station, Turki
78. Rail Station, Kudni
79. Rail Station, Goraul
80. Rail Station, Bhagwanpur
81. Rail Station, Sarai
82. Rail Station, Hajipur
83. Rail Station, Sonapur
84. Rail Station, Paramanandpur
85. Rail Station, Nayagaon
86. Rail Station, Sitalpur
87. Rail Station, Dighwara
88. Rail Station, Avtar Nagar
89. Rail Station, Bara-Gopal
90. Rail Station, Golden Ganj
91. Rail Station, Vidupur
92. Rail Station, Chak Sikandar
93. Rail Station, Desari
94. Rail Station, Sahadai Buzurg
95. Rail Station, Mahanar Road
96. Rail Station, Shahpur Patori
97. Rail Station, Mohiuddin Nagar
98. Rail Station, Vidyapati Nagar.

Eastern Railway (Dhanbad Division)

99. Asstt. Engineer-2/Gomoh
100. Asstt. Engineer-1/Gomoh.

Central Organisation for Railway Electrification, Allahabad

101. Chief Project Manager, Railway Electrification, Ambala
102. Chief Project Manager, Rly. Electrification, Ranchi.

[No. Hindi-97/O.L.-1/12/11]

D. P. TRIPATHI, Secy. Railway Board
and Ex. Officio Addl. Secy.

दिल्ली विकास प्राधिकरण

(मुख्य योजना अनुभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 20 अक्तूबर, 1997

का. आ. 2729.—केन्द्रीय सरकार का, दिल्ली मुख्य योजना/क्षेत्रीय योजनाओं में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे एनएड द्वारा जनता की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो/कोई सुझाव देना हो तो वह अपनी आपत्ति/सुझाव, इस सूचना के जारी होने की तारीख से 30 दिनों की अवधि के अन्दर आयुक्त एवं सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण विकास सदन, "बी" ब्लॉक, आई. एन. ए., नई दिल्ली को लिखित रूप में भेज सकते हैं। आपत्ति करने/सुझाव देने वाले व्यक्ति अपना नाम और पता भी दें।

संशोधन :

"(1) योजना खंड "एफ" (दक्षिण दिल्ली-1) में पड़ने वाले और उत्तर में आवासीय उपयोग से, पूर्व में मर्स स्कूल से, दक्षिण में सांस्थानिक उपयोग से और पश्चिम में अरविन्द मार्ग (महरीली रोड) से घिरे लगभग 0.4 हेक्टेयर (1.00 एकड़) क्षेत्र के भूमि उपयोग को "सार्वजनिक एवं अर्ध-सार्वजनिक सुविधाओं" (शिक्षा एवं अनुसंधान) से "आवासीय उपयोग" (19आई) में बदलने का प्रस्ताव है।"

(2) "ग्रामीण उपयोग जोन और योजना खंड" "जे" (नई दक्षिण दिल्ली) में पड़ने वाले और उत्तर, पूर्व और पश्चिम में जीनापुर गांव की राजस्व सम्पदा में खसरा नं. 81/21, 22, 23, और 24, 90/5, 6, 15, 16, 25, 107/5, 6, 15, 16, 25, 113/5, 18 और 15 तथा 91/5, 106/4, 5, 8, 13, 18, 23 और 114/13 तथा दक्षिण में डेरा मंडी गांव की सीमा से घिरे लगभग 26.3 हेक्टेयर (63.0 एकड़) क्षेत्र के भूमि उपयोग को "ग्रामीण उपयोग जोन" से "आवासीय" में बदलने का प्रस्ताव है।"

2. प्रस्तावित संशोधनों को दक्षिण वाले तबशे निरीक्षण के लिये संयुक्त निदेशक, मुख्य योजना अनुभाग, विकास मीनार, छठी मंजिल, आई पी एस्टेट, नई दिल्ली के कार्यालय में उक्त अवधि के दौरान सभी कार्य-दिवसों में उपलब्ध होंगे।

[सं. एफ. 3(49)/95-एम. पी.]

विश्व मोहन बंसल, आयुक्त एवं सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(Master Plan Section)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 20th October, 1997

S.O. 2729.—The following modifications which the Central Government proposes to make in the Master Plan/Zonal Plan for Delhi, are hereby published for public information. Any person having any objections/suggestions with respect to the proposed notifications may send the objections/suggestions in writing to the Commissioner-cum-Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, INA, New Delhi, within a period of 30 days from the date of issue of this notice. The person making the objections/suggestions should also give his name and address.

MODIFICATIONS :

- (i) "The land use of an area, measuring about 0.4 ha. (1.00 acre) falling in Planning Division 'F' (South Delhi-1) bounded by Residential use in the North, Mother's School in the East, Institutional use in the South and Aurobindo Marg (Mehrauli Road) in the West, is proposed to be

changed from 'Public & Semi Public facilities' (Education and Research) to 'Residential use' (19 DU's)".

- (ii) "The land use of an area, measuring about 26.3 ha. (63.0 acres) falling in rural use zone and planning division 'J' (New South Delhi) and Bounded by, Khasra Nos. 81|21, 22, 23 and 24, 90|5, 6, 15, 16, 25, 107|5, 6, 15, 16, 25, 113|5, 6 and 15 and 91|5, 106|4, 5, 8, 13, 18, 23 and 114|13 in the revenue estate of village Jaunapur, in the North, East and West and the boundary of village Dera Mandi in the South, is proposed to be changed from 'rural use zone' to 'residential'."

2. The plans indicating the proposed modifications will be available for inspection at the office of Joint Director, Master Plan Section, Vikas Minar, 6th Floor, I P Estate, New Delhi, on all working days within the period referred to above.

[No. F. 3(49)/95-PM]

V. M. BANSAL, Commissioner-cum-Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2730. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में मंडपेटा-7 से मंडपेटा इ. पी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

यद्यपि कि उक्त भूमि में हितरुद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामुंड्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

5. पाइप लाइन : मंडपेटा-7 से मंडपेटा इ पि एस : आन्ध्र प्रदेश : मंडल आलमूरु जिला : पूर्व गोदावरी

गांव	आर.एस. नं.	हेक्टास	एस	सेन्टीएस	एकस	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
कलवचहरा	89/2B	0	01	0	0	02
	90/1B	0	04	0	0	10
	88/3D	0	12	5	0	31
	86/1B	0	02	0	0	05
	86/2B	0	11	5	0	29
	86/2C	0	07	5	0	19
	79/2	0	02	5	0	06
	78/2	0	08	0	0	20
	78/3	0	06	0	0	15
	78/4	0	01	0	0	02
	77/3B	0	13	5	0	33
	76/1A	0	00	5	0	01
	57/1B	0	08	5	0	21
	57/2B	0	05	0	0	12
	57/1C	0	06	5	0	16
	57/1D	0	04	0	0	10
	53/4B	0	00	5	0	01
	53/5B	0	06	5	0	16
	53/6B	0	17	0	0	42
	52/1B	0	01	5	0	04
	52/1C	0	09	0	0	22
	52/2A	0	01	5	0	04
	40/2B	0	06	0	0	16
	40/2C	0	06	0	0	16
	40/4B	0	02	5	0	06
	40/5B	0	05	0	0	12
	40/6B	0	04	0	0	10
	33/3B	0	00	5	0	01
	33/4B	0	04	0	0	10
	33/7B	0	03	0	0	08
	33/4C	0	00	5	0	01
	41/1B	0	09	5	0	24
	41/2B	0	05	5	0	13
	41/2D	0	00	5	0	01
	41/2E	0	01	0	0	02
	45/1B	0	01	0	0	02
	45/2B	0	05	0	0	12
	45/3A	0	00	5	0	01
	45/4B	0	05	5	0	14
	45/5B	0	13	0	0	32
	29/2B	0	06	0	0	15
	46/1B	0	20	0	0	49
	46/2C	0	02	0	0	05
Total		2	31	0	5	71

1	2	3	4	5	6	7
मालमूरु	56/2B	0	05	5	0	14
	2C	0	01	0	0	02
	1B	0	02	5	0	06
	1C	0	06	5	0	16
	55/1B	0	04	0	0	10
	1C	0	03	0	0	08
	52/1B	0	01	0	0	03
	2B	0	07	0	0	17
	3B	0	11	0	0	27
	53/1B	0	08	5	0	21
	47/3B	0	07	0	0	17
	3C	0	09	5	0	23
	4B	0	02	0	0	05
	48/2B 2	0	00	5	0	01
	Total	0	69	0	1	70
मैदपल्ला	93/1B	0	10	0	0	25
	93/3B	0	09	0	0	23
	94/2	0	03	0	0	07
	78/1B	0	06	5	0	16
	Total	0	28	5	0	71

[सं. ओ-12016/6(1)/97-ओ एन जी डी-IV]

एम. माटिन, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2730.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mandapeta-7 to Mandapeta EPS in A.P. State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mine-

ral pipeline (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry- (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

ROU Pipe line from Mandapeta 7 to Mandapeti E.P.S.

State : Andhra Pradesh

District : East Godavary

Mandal : Alamuru

Village	Survey No.	Area				
		Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kalavacherla	89/2B	0	01	0	0	02
	90/1B	0	04	0	0	10
	88/3D	0	12	5	0	31
	86/1B	0	02	0	0	05
	86/2B	0	11	5	0	29

1	2	3	4	5	6	7
Kalavacherla	86/2C	0	07	5	0	19
	79/2	0	02	5	0	06
	78/2	0	08	0	0	20
	78/3	0	06	0	0	15
	78/4	0	01	0	0	02
	77/3B	0	13	5	0	33
	76/1A	0	00	5	0	01
	57/1B	0	08	5	0	21
	57/2B	0	05	0	0	12
	57/1C	0	06	5	0	16
	57/1D	0	04	0	0	10
	57/4B	0	00	5	0	01
	53/5B	0	06	5	0	16
	53/6B	0	17	0	0	42
	52/1B	0	01	5	0	04
	52/1C	0	09	0	0	22
	52/2A	0	01	5	0	04
	40/2B	0	06	0	0	16
	40/2C	0	06	0	0	16
	40/4B	0	02	5	0	06
	40/5B	0	05	0	0	12
	40/6B	0	04	0	0	10
	33/3B	0	00	5	0	01
	33/4B	0	04	0	0	10
	33/7B	0	03	0	0	08
	33/4C	0	00	5	0	01
	41/1B	0	09	5	0	24
	41/2B	0	05	5	0	13
	41/2D	0	00	5	0	01
	41/2E	0	01	0	0	02
	45/1B	0	01	0	0	02
	45/2B	0	05	0	0	12
	45/3A	0	00	5	0	01
	45/4B	0	05	5	0	14
	45/5B	0	13	0	0	32
	29/2B	0	06	0	0	15
	46/1B	0	20	0	0	49
	46/2C	0	02	0	0	05
	Total	2	31	0	5	71
Alamuru	56/2B	0	05	5	0	14
	2C	0	01	0	0	02
	1B	0	02	5	0	06
	1C	0	06	5	0	16
	55/1B	0	04	0	0	10
	1C	0	03	0	0	08
	52/1B	0	01	0	0	03
	2B	0	07	0	0	17
	3B	0	11	0	0	27
	53/1B	0	08	5	0	21
	47/3B	0	07	0	0	17
	3C	0	09	5	0	23
	4B	0	02	0	0	05
	48/2B2	0	00	5	0	01
	Total	0	69	0	1	70

1	2	3	4	5	6	7
Pedapalla	93/1B	0	10	0	0	25
	93/3B	0	09	0	0	23
	94/2	0	03	0	0	07
	78/1B	0	06	5	0	16
	Total	0	28	5	0	71

[No. O-12016/6(1)/97-ONG-D IV]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2731.--यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में मोरी-9 से मोरी-2 तक पैट्रोलियम के परिश्रुत के लिए पाइपलाइन तैय तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाक्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष प्राधिकारी, तैल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजमुन्त्री-533103 को अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर. ओ. यु. पाइप लाइन : मोरी-9 से मोरी-2 स्टेट : आंध्र प्रदेश मंडल : सचिनेटिपल्ली जिला : पूरब गोदावरी

गांव	आर. एस. नं	हेक्टार्स	एर्स	सेन्टिएर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
केसवशसुपालेम	276/1P	0	01	0	0	02
	27./P }	0	12	0	0	30
	272/P }	0	06	5	0	16
	272/P	0	08	5	0	21
	272/P	0	03	5	0	09
	272/P	0	07	5	0	18
	272/P	0	07	0	0	17
	268/2P	0	07	0	0	17
	268/-P }	0	07	5	0	19
	266/1BP }	0	03	0	0	08
	266/1BP	0	08	0	0	20
	215/1P	0	01	0	0	03
	155/P	0	01	5	0	04
	155/P	0	11	0	0	27

1	2	3	4	5	6	7
	155/P	0	07	0	0	17
	153/3P	0	03	5	0	09
	155/P	0	01	5	0	04
	157/P	0	06	0	0	15
	214/P	0	01	0	0	02
		1	04	0	2	75

[सं. ओ-12016/6(2)/97-ओ एन जी डी-IV]

एम० मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2731.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Mori-9 to Mori-2 in a A. P. State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Mine-

ral pipelines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, K. G. Project, Rajamundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROU flow line from Mori 9 to Mori-2

State : Andhra Pradesh

Mandal: Sachinetipalli

District : East Godavari

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kesavadasupalam	276/P	0	01	0	0	0
	279/P	0	12	0	0	3
	272/P	0	06	5	0	16
	272/P	0	08	5	0	21
	272/P	0	03	5	0	09
	272/P	0	07	5	0	18
	272/P	0	07	0	0	17
	268/2P	0	07	0	0	17
	268/3P	0	07	5	0	19
	266/1BP	0	03	0	0	08
	266/1BP	0	08	0	0	20
	215/1P	0	01	0	0	03
	155/P	0	01	5	0	04
	155/P	0	11	0	0	27
	155/P	0	07	0	0	17
	155/3P	0	03	5	0	09
	155/P	0	01	5	0	04
	157/P	0	06	0	0	15
	214/P	0	01	0	0	02
		1	04	0	2	75

[No. O-12016/6(2)/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का.आ. स. 2732.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में आई.पी.एस. 3 में जी. सी. एस. नगरम तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए, आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामंड्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत ।

अनुसूची

आर०प्रो०यू० पाइप लाइन आई.पी.एस.-3 से जी.सी.एस. नगरम राज्य आंध्र प्रदेश मंडल: मामिडिगुडु जिता: पूरु गोदावरी

गांव	आर०एस० नं०	हेक्टार्स	एर्स	सेन्टिर्	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
नगरम	169/2	0	03	5	0	09
	169/3	0	06	0	0	15
	169/4	0	11	0	0	27
	169/5	0	13	0	0	32
	181/1B	0	03	0	0	07
	181/1C	0	10	5	0	26
	181/1D	0	07	5	0	19
	181/2B	0	07	5	0	19
	240/2	0	05	5	0	14
	240/3	0	03	5	0	09
	243/1A2	0	03	0	0	07
	243/1B2	0	04	0	0	10
	2B1	0	04	0	0	10
	232/12B	0	01	5	0	04
	15A1	0	00	5	0	01
	13B	0	00	0	0	10
	15A2	0	03	5	0	09
	233/14B	0	02	0	0	05
	15A3	0	03	5	0	09
	242/2A2	0	05	0	0	12
	242/2A3	0	02	0	0	05
	242/2A4	0	02	0	0	05
	242/A5	0	03	0	0	08
	233/2	0	12	0	0	30
	229/1A	0	04	0	0	10
	236/B2	0	28	5	0	70
	236/B3	0	05	0	0	12
	236/B4	0	10	0	0	25
	144/2	0	03	0	0	07
	239/2	0	02	5	0	06
	146/4B	0	02	5	0	06

1	2	3	4	5	6	7
	224/2	0	02	5	0	06
	145/5B	0	13	0	0	32
	145/5O	0	06	5	0	16
	145/1B	0	00	5	0	01
		1	99	0	4	93

[सं ओ-12016/6(3)/97-ओ एन जी-डी-IV]

एम माटिन, डैक अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2732—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from I.P.S.—3 to G.C.S. Nagaram in A. P. State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Mine-

erals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division K. G. Project Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROU flow line from I.P.S.—3 to GCS Nagaram.

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari

Village	S. No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	169/2	0	03	5	0	09
	169/3	0	06	0	0	15
	169/4	0	11	0	0	27
	169/5	0	13	0	0	32
	181/1B	0	03	0	0	07
	181/1C	0	10	5	0	26
	181/1D	0	07	5	0	19
	181/2B	0	07	5	0	19
	240/2	0	05	5	0	14
	240/3	0	03	5	0	09
	243/1A2	0	03	0	0	07
	243/1B2	0	04	0	0	10
	2B1	0	04	0	0	10
	232/12B	0	01	5	0	04
	15A1	0	00	5	0	01
	13B	0	04	0	0	10
	15A2	0	03	5	0	09
	233/14B	0	02	0	0	05
	15A3	0	03	5	0	09
	242/2A2	0	05	0	0	12
	242/2A3	0	02	0	0	05
	242/2A4	0	02	0	0	05
	242/A5	0	03	0	0	08
	233/2	0	12	0	0	30

1	2	3	4	5	6	7
Nagram—Contd.	229/1A	0	04	0	0	10
	236/B2	0	28	5	0	70
	236/B3	0	05	0	0	12
	236/B4	0	10	0	0	25
	144/2	0	03	0	0	07
	239/2	0	02	5	0	06
	146/4B	0	02	5	0	06
	224/2	0	02	5	0	06
	145/5B	0	13	0	0	32
	145/5C	0	06	5	0	16
	145/1B	0	0	5	0	01
		1	99	0	4	93

[No. O-12016/6(3)/97-ONG-D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. घा. 2733.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में मोरी 8 से मोरी—4 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी आइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निमाण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजानंता-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यवितगत रूप से हो या किमी विधि व्यवसायी की सार्फत।

अनुसूची

आर. ओ. यू. पाइप लाइन : मोरी 8 से मोरी 4

राज्य आंध्र प्रदेश : मंडल सद्विवेदिपल्ली

जिला : पूरुब गोड

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टासं	एसं	मेन्टिएसं	एकड़	सेण्ट
1	2	3	4	5	6	7
मोरी	234/5B	0	15	0	0	37
	235/1B	0	07	5	0	16
	234/4B	0	05	0	0	12
	234/7B1	0	03	5	0	09
	234/7B2	0	02	0	0	05
	236/2F	0	04	5	0	11
	236/2E	0	02	5	0	06
	236/2D	p	03	5	0	09

1	2	3	4	5	6	7
मोरी-जारी	236/2B	0	03	0	0	08
	236/2A	0	07	5	0	19
	236/2C	0	06	0	0	15
	284/2	0	02	5	0	06
	283/1A1	0	07	5	0	18
	283/A2	0	01	5	0	04
	248/2B1	0	11	5	0	28
	248/2B3	0	03	0	0	08
	248/1B	0	06	5	0	16½
	248/2B2	0	14	0	0	34
	248/3B	0	09	5	0	23
	249/3B	0	04	5	0	11
	249/10B	0	03	0	0	08
	249/2B	0	00	5	0	005
	249/11B	0	03	0	0	09
	249/12B	0	01	0	0	02½
	249/6A	0	03	0	0	08
	249/7B	0	03	5	0	08
	250/2B	0	02	5	0	06½
	250/3B	0	02	0	0	06
	250/8A	0	00	5	0	00½
	250/4B	0	02	0	0	05½
	250/5B	0	02	5	0	06
	250/6B	0	02	0	0	05
	250/7B	0	02	0	0	04½
	8B	0	00	5	0	00½
	253/1B2	0	14	0	0	35
	253/3B	0	14	0	0	35
	254/1B	0	12	5	0	31
	253/1B1	0	01	0	0	01½
	255/2	0	03	0	0	08
	256/1B	0	08	0	0	19½
	147/4B	0	03	0	0	08
	147/5B	0	05	5	0	14
	147/6B	0	09	5	0	23
	148/1	0	01	0	0	01½
	142/A1	0	29	0	0	72
	138/7B	0	04	0	0	10
	150/2	0	33	0	0	81½
	149/2	0	07	0	0	17
	146/C2	0	01	0	0	02
	144/11B2	0	08	5	0	21
	144/11B1	0	06	0	0	15
	144/8B3	0	01	0	0	02½
	9B	0	01	0	0	02
	10B	0	01	0	0	02
	144/8B1	0	02	5	0	06½
	8B2	0	03	0	0	07½
	144/6B	0	04	0	0	10½
	143/7B	0	05	0	0	12
	140/1B7	0	04	0	0	10
	140/1B2	0	05	5	0	13
	140/1B3	0	05	0	0	12
	140/1B5	0	03	0	0	08
	140/1B4	0	05	5	0	13

	2	3	4	5	6	7
सोरी-जारी	140/1B1	0	08	0	0	20
	140/1B6	0	03	0	0	08
	140/2B	0	03	0	0	08
	138/5B	0	01	0	0	01½
	138/6B6	0	00	5	0	01
	138/6B3	0	00	5	0	01
	138/6B2	0	00	5	0	01
	138/6B4	0	00	5	0	01
	138/6B1	0	01	0	0	6
	138/6B5	0	00	5	0	01
	139/2B1	0	03	0	0	07½
	139/2B2	0	08	5	0	21
	139/2B3	0	07	5	0	18½
	139/2B4	0	02	5	0	06½
	139/2B5	0	01	0	0	02½
	139/2B6	0	08	5	0	21
	139/3B1	0	00	5	0	01
	139/3B2	0	04	5	0	11
		4	04	5	10	06
Kesavadasupala	242/6B1	0	04	5	0	11
	242/6B2	0	01	5	0	03½
	242/5B1	0	01	5	0	03½
	242/5B2	0	02	0	0	04½
	242/7B1	0	04	5	0	11
	242/7B2	0	00	5	0	01
	242/8B	0	04	0	0	10
	242/9B1	0	05	5	0	09½
	242/9B2	0	04	0	0	03
	243/1B	0	01	0	0	30
	243/3B	0	12	5	0	03
	243/4B2	0	06	0	0	15
	243/5B	0	09	0	0	22
	243/4B1	0	12	0	0	30
		0	68	0	1	67

[सं. ओ.-12016/6 (4)/97-ओ एन जी-डी IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2733.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mori-8 to Mori-4 in A. P. State pipe line should be laid by the Oil & Natural Gas.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mine-2573 GI/97-6

als Pipelines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962, the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division K. G. Project Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner

MORI—8 To MORI—4

ROU flow line from Mori— 8 to Mori—4

State : Andhra Pradesh

Mandal : Sakshinetipalli

District : East Godavari

Village	S. No.	Area		Centiares	Acres	Cents
		Hectares	Ares			
1	2	3	4	5	6	7
Mori	234/5B	0	15	0	0	37
	235 1B	0	07	5	0	19
	234/4B	0	05	0	0	12
	234/7B1	0	03	5	0	09
	234/7B2	0	02	0	0	05
	236/2F	0	04	5	0	11
	236/2E	0	02	5	0	06
	236/2D	0	03	5	0	09
	236/2B	0	03	0	0	08
	236/2A	0	07	5	0	19
	236/2C	0	06	0	0	15
	284/2	0	02	5	0	06
	283/1A1	0	07	5	0	18
	283/1A2	0	01	5	0	04
	248/2B1	0	11	5	0	28
	248/2B3	0	03	0	0	08
	248 1B	0	06	5	0	16½
	248/2B2	0	14	0	0	34
	248 3B	0	09	5	0	23
	249 3B	0	04	5	0	11
	249/10B	0	03	0	0	08
	249 2B	0	00	5	0	505
	249/11B	0	03	0	0	09
	249/12B	0	01	0	0	02½
	249/6A	0	03	0	0	08
	249/7B	0	03	5	0	08
	250/28	0	02	5	0	06½
	250/3B	0	02	0	0	06
	250/8A	0	00	0	0	00½
	250/4B	0	02	5	0	05½
	250/5B	0	02	0	0	06
	250/6B	0	02	0	0	05
	250/7B	0	02	0	0	04½
	8B	0	00	5	0	00½
	253/1B2	0	14	0	0	35
	253/3B	0	14	0	0	35
	254/1B	0	12	5	0	31
	253/1B1	0	01	0	0	01½
	255/2	0	03	0	0	08
	256/1B	0	08	0	0	19½
	147/4B	0	03	0	0	08
	147/5B	0	05	5	0	14
	147/6B	0	09	5	0	23
	148/1	0	01	0	0	01½
	142/A1	0	29	0	0	72
	138/7B	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6	7
Mori	150/2	0	33	0	0	81½
	149/2	0	07	0	0	17
	146/C2	0	01	0	0	02
	144/11B2	0	08	5	0	21
	144/11B1	0	06	0	0	15
	144/8B3	0	01	0	0	02½
	9B	0	01	0	0	02
	10B	0	01	0	0	02
	144/8B1	0	02	5	0	06½
	8B2	0	03	0	0	07½
	144/6B	0	04	0	0	10½
	143/7B	0	05	0	0	12
	140/1B7	0	04	0	0	10
	140/1B2	0	05	5	0	13
	140/1B3	0	05	0	0	12
	140/1B5	0	03	0	0	08
	140/1B4	0	05	5	0	13
	140/1B1	0	08	0	0	20
	140/1B6	0	03	0	0	08
	140/2B	0	03	0	0	08
	138/5B	0	01	0	0	01½
	138/6B6	0	00	5	0	01
	138/6B3	0	00	5	0	01
	138/6B2	0	00	5	0	01
	138/5B4	0	00	5	0	01
	138/6B1	0	01	0	0	03
	138/6B5	0	00	5	0	01
	139/2B1	0	03	0	0	07½
	139/2B2	0	08	5	0	21
	139/2B3	0	07	5	0	18½
	139/2B4	0	02	5	0	06½
	139/2B5	0	01	0	0	02½
	139/2B6	0	08	5	0	21
	139/3B1	0	00	5	0	01
	139/3B2	0	04	5	0	11
Kesavadasupalem		4	04	5	10	02½
	242/6B1	0	04	5	0	11
	242/6B2	0	01	5	0	03½
	242/5B1	0	01	5	0	03½
	242/5B2	0	02	0	0	04½
	242/7B1	0	04	5	0	11
	242/7B2	0	00	5	0	01
	242/8B	0	04	0	0	10
	242/9B1	0	05	5	0	13
	242/9B2	0	04	0	0	09½
	243/1B	0	01	0	0	03
	243/3B	0	12	0	0	30
	243/4B2	0	06	0	0	15
	243/5B	0	09	0	0	22
	243/4B1	0	12	0	0	30
		0	68	0	1	67

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. सं. 2734—यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीति होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पासलरपूडि-11 से पासलरपूडि-10 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीति होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनवपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और मिनरल पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामुंद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत:

अनुसूची

आर. आ. यू. पाइप लाइन पासलरपूडि-11 से पासलरपूडि-10 स्टेटे; आंध्र प्रदेश; मंडल: मामिडिकुडुरु जिला: पूर्व गोदावरी

गांव	आर.एस. नं.	हेक्टर	एम्	सेन्टीएम्	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
पासलरपूडि	241/204	0	08	0	0	20
		0	08	0	0	20

[सं. ओ-12016/6(5)/97-ओ.एनजी.डी.-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2734.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi-11 to Pasarlapudi-10 in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division K. G. Project, Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROU flow line from Pasarlapudi 11 to Pasarlapudi-10

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : E. G. Dist.

Village	S. No.	Area	Centiares	Acres	Cents
		Hectares	Ares		
1	2	3	4	5	6
Pasarlapudi	241/204	0	08	0	0
		0	08	0	0

[No. O-12016/6(5)/97-ONG-D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

कां०अ० 2735.—यत्. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकार्हत में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में कैकलूर-10 से कैकलूर-7 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के०जी० प्रोजेक्ट, राजामुन्द्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विश्व व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर०ओ०यू० पाइप लाइन : कैकलूर-10 से कैकलूर-7

स्टेट : आंध्र प्रदेश		मंडल : मुदिनेपल्ली		जिला : कृष्णा		
श्रां	आर०एस०नं०	हेक्टास	एयर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
कांकरवाडी	25/A	0	02	0	0	0
	16/3	0	14	5	0	36
	17/A	0	10	0	0	25
	12/5A	0	14	5	0	36
	15/4B	0	12	0	0	30
	15/4A	0	23	0	0	57
	16/2A	0	20	0	0	49
		0	96	0	2	38
बडोली	251/1A	0	18	0	0	45
	254/1A	0	16	5	0	41
		0	34	5	0	86

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2735.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kaikalur-10 to Kaikalur-7 in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Limited.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3

of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROU flow line from KAIKALUR-10 to -KAIKALUR-7

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mudinepalli

Dist: Krishna

Village	S. No.	Hactares	Ares	Centiares	Acres	Cent
1	2	3	4	5	6	7
Kakaravada	25/A	0	02	0	0	05
	16/3	0	14	5	0	36
	17/A	0	10	0	0	25
	12/5A	0	14	5	0	36
	15/4B	0	12	0	0	30
	15/4A	0	23	0	0	57
	16/2A	0	20	0	0	49
		0	96	0	2	38
Vadali	251/1A	0	18	0	0	45
	254/1A	0	16	5	0	41
		0	34	5	0	86

[No. O-12016/6(6)/97-ONG-D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का०आ० 2736.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में ताटिपाका-11 से ताटिपाका जी०सी०एस० पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जायी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्षों कि उक्त भूमि में हितवाह कोई व्यक्ति, उस भूमि को सीधे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकार तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और दखलाल प्रभाग, के०जी० प्रोजेक्ट, राजामुंद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

शेड्यूल

फ० पाइप लाइन : ताटिपाका-11 से ताटिपाका जि०सि०एस०

आंध्र प्रदेश मंडल : मायिडिकुदुरु जिला पूरब गोदावरी

गांव	आर०एस० नं०	हेक्टास	एर्स			
1	2	3	4	5	6	7
नगरम	352/1B1	0	07	5	0	19
	351/1B	0	09	0	0	22
	351/2B	0	01	5	0	04
	352/1B5	0	06	0	0	15
	352/1B2	0	08	0	0	20
	352/1B4	0	05	5	0	14
	352/1B3	0	05	0	0	12
	327/2	0	05	5	0	13
	310/1B1	0	05	0	0	12
		0	53	0	1	31
	310/1B2	0	06	0	0	15
	310/1B3	0	05	5	0	13
	330/1A2D	0	04	5	0	11
	330/1A2E	0	00	5	0	04
	330/2B1	0	03	0	0	07
	310/1B4	0	15	0	0	37
	310/1E	0	06	0	0	15
	309/1B2	0	05	0	0	12
	309/1B1	0	02	5	0	06
	309/1E	0	10	0	0	25
	309/2B	0	08	0	0	20
	329/2	0	04	0	0	10
	335/22B2	0	00	5	0	04
	335/3B2	0	05	5	0	12
	330/1A/2A	0	08	0	0	20
	330/2B/2E	0	02	5	0	06
	330/1A/2B	0	07	5	0	18
	330/1A/2C	0	07	5	0	18
	335/7B2	0	03	5	0	08
	330/2B3	0	2.0	0	0	49
	335/2A2	0	0.1	5	0	03
	335/3A1	0	02	0	0	04
	336/3D2	0	00	5	0	01
	338/2B	0	01	0	0	03
	117/1B/2C	0	05	0	0	12
	335/3B3	0	06	0	0	15
	335/8B	0	10	5	0	26
		1	84	5		4.39

1	2	3	4	5	6	7
	338/1B1	0	04	0	0	10
	338/1B2	0	02	5	0	06
	337/2	0	02	5	0	06
	117/1B2	0	01	0	0	02
	117/1B2/B	0	03	0	0	07
	117/1B2/D	0	05	0	0	12
	117/1C/2	0	11	5	0	29
	117/2B	0	05	5	0	134
	114/1A/2A	0	15	0	0	37
	112/11B	0	03	0	0	07
	114/1A/2B	0	14	0	0	35
	114/4A/2	0	00	5	0	01
	114/4A1	0	03	0	0	08
		2	55	0	6	124
	151/1B	0	18	0	0	44
	150/1B2	0	04	0	0	10
	150/2A1	0	03	0	0	08
	150/2A2	0	01	0	0	02
	150/42B	0	19	5	0	48
	150/4A2A	0	14	0	0	34
	144/2A	0	13	0	0	32
	144/2B	0	03	0	0	07
		0	75	5	1	85

[प. उ. --12016/6(7)/97-अ पत उी जी-IV]

एम. माटिन, रेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2736.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Tatipaka-11 to Tatipaka G.C.S. in A.P. State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (ac-

ROU Flow Line From Tatipaka-11 to Tatipaka-GCS

quisition of right of user in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari

Village

Sl. No.

Acres

Centiares

Acres

Cents

	2	3	4	5	6	7
		Ares	Hectares			
1						
Nagaram	352/1B1	0	07	5	0	19
	351/1B	0	09	0	0	22
	351/2B	0	01	5	0	04
	352/1B5	0	06	0	0	15
	352/1B2	0	08	0	0	20
	352/1B4	0	05	5	0	14
	352/1B3	0	05	0	0	12
	327/2	0	05	5	0	13
	310/1B1	0	05	0	0	12
		0	53	0	1	31

1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	310/1B2	0	06	0	0	15
	310/1B3	0	05	5	0	13
	330/1A2D	0	04	5	0	11
	330/1A2E	0	00	5	0	02½
	330/2B1	0	03	0	0	07
	310/1B4	0	15	0	0	37
	310/1E	0	06	0	0	15
	309/1B2	0	05	0	0	12
	309/1B1	0	02	5	0	06
	309/1E	0	10	0	0	25
	309/2B	0	08	0	0	20
	329/2	0	04	0	0	10
	335/22B2	0	00	5	0	02½
	335/3B2	0	05	5	0	12½
	330/1A1A	0	08	0	0	20
	330/2B/2E	0	02	5	0	06
	330/1A/2B	0	07	5	0	18
	330/1A/2C	0	07	5	0	18
	335/7B2	0	03	5	0	08½
	330/2B3	0	20	0	0	49
	335/2A2	0	01	5	0	03½
	335/3A1	0	02	0	0	0½
	336/3D2	0	00	5	0	01
	338/2B	0	01	0	0	03
	117/1B/2C	0	05	0	0	12
	335/3B3	0	05	0	0	15
	338 1B1	0	04	0	0	10
	338/1B2	0	04	0	0	06
	337/2	0	02	5	0	06
	117/1B2	0	01	0	0	02
	117/1B2/D	0	03	0	0	07
	117 1B2/D	0	05	0	0	12
	117/1C/2	0	11	5	0	29
	117/2B	0	05	5	0	13½
	114/1A/2A	0	15	0	0	37
	112/11B	0	03	0	0	07
	114/1A/2B	0	14	0	0	35
	114/4A/2	0	00	5	0	01
	114/4A1	0	03	0	0	08
		2	55	0	6	12½

1	2	3	4	5	6	7
Geddada	151/1B	0	18	0	0	44
	150/1B2	0	04	0	0	10
	150/2A1	0	03	0	0	08
	150/2A2	0	01	0	0	02
	150/4 2B	0	19	5	0	48
	150/4A/2A	0	14	0	0	34
	144/2A	0	13	0	0	32
	144/2B	0	03	0	0	07
		0	75	5	1	185

[No. O-12016/6(7)/97-ONG-D-IV]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

क्र.प्र. . 2737 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पोन्नमन्ड ए.पी.एस. से तातिगाका-जी.सी.एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनड्रपावर्ड अनुमूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप नक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजमुन्नी 533103 को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

आर.प्रो. पाइप लाइन : पोन्नमन्ड ए.पी.एस. से तातिगाका जी.सी.एस.

राज्य : आंध्र प्रदेश

जिला : पूरब गोदावरी

मंडल : राजोल

गांव	आर.एस. नं.	हेक्टेर्स	एस	सेन्टियर्स	एर्स	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Kadali	838/1A	0	18	5	0	46
	838/2B	0	13	0	0	33
	837/1B	0	10	5	0	26
	2A	0	00	5	0	01
	822/2	0	04	5	0	11
	821/2	0	04	5	0	11
	820/2	0	18	5	0	46
	818/2B	0	21	0	0	53
	815/2B	0	03	0	0	07
	812/2B3	0	05	5	0	14
	815/1B1	0	03	0	0	08
	810/3A 3B	0	03	0	0	08

1	2	3	4	5	6	7
KADALI	810/5B2	0	03	5	0	09
	815/3B	0	16	5	0	41
	812/2B1	0	02	0	0	05
	812/2B2	0	09	0	0	22
	810/2B 2C	0	03	0	0	08
	810/13B/2A	0	05	5	0	14
	810/3B/2B	0	05	0	0	12
	748/1B2	0	06	0	0	15½
	810/2A2	0	18	0	0	45
	810/2B/2A	0	03	0	0	07
	810/1B	0	00	5	0	00½
	805/2	0	02	0	0	05
	807/2B	0	08	0	0	20½
	806/2	0	02	0	0	05
	800/1B1	0	00	5	0	00½
	807/2B3	0	15	0	0	37
	807/3A	0	00	5	0	00½
	802/1B	0	10	0	0	25
	802/2C	0	00	5	0	01
	802/2B1	0	05	0	0	12
	802/2B2	0	00	5	0	00½
	801/2	0	01	5	0	04
	800/1B2	0	21	0	0	54
	800/2A	0	03	0	0	07½
	799/1B	0	17	5	0	44
	749/2	0	03	0	0	07½
	748/2B	0	17	0	0	42
	748/1B/1	0	07	0	0	17½
	437/1B5	0	01	0	0	03
	748/1B4	0	03	0	0	07½
	745/2	0	01	0	0	03
	748/1B3	0	05	5	0	13½
	747/1B	0	08	0	0	20
	747/3B	0	31	0	0	78
	426/2A	0	07	5	0	19
	745/3B	0	09	5	0	24
	756/3B	0	06	0	0	16
	755/2	0	05	0	0	12
	756/1B1	0	03	8	0	09
	756/1B2	0	09	0	0	23
	454/1B1	0	04	5	0	11
	756/1B3	0	00	5	0	01
	756/2B	0	00	5	0	01½
	759/1B	0	03	0	0	07
	759/2A	0	01	5	0	04
	456/3A	0	01	5	0	04
	455/2B1	0	31	5	0	79
	455/2B2	0	00	5	0	01
	437/2B1	0	04	0	0	10
	437/2B2	0	01	0	0	03
	437/1B4	0	02	0	0	04½
	437/1B3	0	03	5	0	09

1	2	3	4	5	6	7
KADALI—Contd.	437/1B2	0	06	5	0	16
	437/1B1	0	14	5	0	36
	436/3B	0	13	5	0	34
	436/5A	0	00	5	0	01
	436/6A	0	01	5	0	04
	436/7A	0	01	5	0	04
	457/2	0	33	5	0	84
	458/2A	0	23	0	0	57
	458/2B	0	14	5	0	36
	406/2	0	08	5	0	22
	405/2B1	0	00	5	0	01½
	407/2C	0	02	0	0	05½
	407/2D	0	09	5	0	24
	405/2B2	0	04	0	0	10
	407/2A	0	05	0	0	12
	407/2B	0	04	0	0	09½
	411/A	0	01	0	0	03
	439/1A	0	01	0	0	03
	439/1B	0	08	5	0	21
	439/1C	0	04	5	0	11
	438/2	0	04	5	0	11
	433/2	0	09	0	0	23
	427/1B1	0	06	5	0	16
	434/1B	0	12	5	0	32
	434/2B	0	18	0	0	44½
	427/1B2	0	07	5	0	19
	426/2C	0	01	0	0	02½
	426/2B	0	05	0	0	13
	418/1B	0	01	0	0	02½
	418/1C2	0	02	0	0	05
	418/1C1	0	06	0	0	15
	418/2B	0	05	0	0	13
	416/1A1	0	00	5	0	00½
	417/2B2	0	10	5	0	26
	416/1A2	0	01	5	0	04
	416/1A3	0	02	5	0	06
	416/1A4	0	10	5	0	26
	416/3A	0	03	0	0	07½
	417/2B1	0	07	5	0	19
	454/1B2	0	07	5	0	19
	454/2A	0	05	0	0	12
		7	19	5	17	99½
Ponnamanda	262/1C	0	01	0	0	02
	262/1B	0	17	0	0	43
	262/2B2	0	03	5	0	09
	263/2B1	0	07	0	0	18
	263/2	0	02	0	0	05
	264/2	0	10	5	0	27
	468/9A	0	02	0	0	05
	468/10A	0	02	0	0	05
	468/6B	0	01	0	0	02½
	468/7B	0	04	5	0	11

1	2	3	4	5	6	7
Penduram in la—Contd.	468/4B	0	03	5	0	09
	468/8B	0	03	0	0	07
	467/2B	0	01	0	0	02½
	467/5B	0	04	0	0	09½
	467/3D	0	04	0	0	09½
	467/6B	0	03	0	0	07
	469/1A	0	08	5	0	21
	467/1B	0	01	0	0	02
	467/4B	0	11	5	0	29
	465/2	0	03	5	0	09
	471/2A	0	02	0	0	05
	467/2B	0	05	5	0	13½
	464/4A2	0	01	0	0	03
	464/4B2	0	04	5	0	11
	464/4C2	0	03	5	0	09
	463/2B	0	03	0	0	07
	463/1A2	0	02	5	0	06
	462/7B1	0	20	5	0	51
	462/7B2	0	05	0	0	41
	467/8C	0	03	5	0	09
	453/6B1	0	06	0	0	15½
	462/8B	0	01	5	0	03½
	453/6B2	0	04	0	0	10
	453/7B	0	04	5	0	10½
	359/3B	0	00	5	0	01
	359/4B	0	07	0	0	17
	351/2B	0	05	5	0	14
	453/8B	0	05	5	0	14
	453/9A	0	06	0	0	15½
	456/11B	0	01	0	0	02
	456/12B	0	03	5	0	08½
	456/8B	0	07	0	0	17½
	456/13B	0	07	0	0	17½
	363/2B	0	04	5	0	11½
	453/4B	0	06	0	0	15½
	461/5A2	0	14	5	0	36
	455/2B	0	05	5	0	13½
	365/1B	0	07	0	0	18
	454/2	0	02	5	0	06
	455/3A	0	03	5	0	08½
	364/2	0	03	0	0	08
	365/3A1	0	08	0	0	20
	365/3A2	0	07	5	0	19
	365/3A3	0	07	5	0	19
	360/2	0	02	5	0	06
	359/6B	0	07	5	0	19
	359/8B	0	09	5	0	24
	358/2	0	09	5	0	23
	358/4	0	21	5	0	54
	348/2B	0	03	0	0	07
	352/1	0	05	0	0	12
	351/1B	0	09	5	0	24
	351/1D	0	10	0	0	25
	353/2	0	05	5	0	14
		3	56	5	8	91

1	2	3	4	5	6	7
Geddada	129/2	0	03	0	0	07
	130/2A	0	05	0	0	12
	130/2C	0	01	0	0	06
	130/2B	0	03	5	0	09
	130/2C	0	04	5	0	11
	130/2D	0	13	0	0	32
	130/2F	0	17	0	0	42
	131/A2	0	01	0	0	03
	131/B2A	0	17	0	0	43
	131/B2B	0	04	5	0	11
	132/2	0	03	5	0	09
	135/2B	0	10	5	0	26
	134/1B	0	02	5	0	06
	134/3B 2A	0	12	0	0	30
	134/3B 2B	0	03	0	0	07
	134/4B1	0	00	5	0	00½
	134/4B2	0	09	5	0	24
	134/4B3	0	02	0	0	05
	136/1B	0	04	0	0	10
	136/2B1	0	08	0	0	20
	137/1B	0	09	5	0	24
	137/2B	0	10	0	0	26
	136/2B2	0	13	5	0	34
	141/1B2	0	06	0	0	15
	141/2B2	0	06	0	0	15
	141/3B2	0	05	0	0	13
	141/4B2	0	03	0	0	08
	141/5B	0	04	0	0	11
	15/1A1	0	00	5	0	01
	15/1B2	0	11	5	0	29
	15/2B2	0	08	5	0	21
	14/1A2	0	02	0	0	05
	14/2A 2A	0	04	0	0	10
Nagoram		2	08	5	5	21/1½
	92/1B1	0	25	0	0	62
	92/ B2	0	15	0	0	40
	92/1B3	0	05	0	0	12
	92/ B	0	01	0	0	03
	95/2B	0	11	0	0	27½
	95/3B	0	11	0	0	27½
	96/2B	0	21	0	0	52
	98/2	0	04	0	0	10
	103/1B	0	05	0	0	13
	102 5A2	0	15	0	0	37
	101/3B2	0	07	0	0	18
	101/3A2	0	02	5	0	06
	101/3D2	0	00	5	0	01½
	101/4B	0	00	5	0	01½
	101/5A1	0	05	0	0	13
	101/5B1	0	06	0	0	15
	101/5C2	0	13	5	0	34
	103/2	0	02	0	0	06
	110/2B	0	11	0	0	27

1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	111/3A 3B	0	00	5	0	00½
	111/3A6B	0	07	0	0	18
	111/4A 2A	0	13	0	0	32
	111/4A 2B	0	02	0	0	05
	112/1A2	0	05	0	0	12
	112/1B 1A	0	03	0	0	07
	159/2B	0	03	5	0	09
	158/3B	0	05	5	0	14
	158/9A2	0	15	0	0	38
	158/9B1	0	03	5	0	09
	163/2	0	07	0	0	17½
	164/1A2	0	13	0	0	32
	164/1B2	0	03	5	0	09
	164/1E2	0	04	0	0	09½
	164/1F2	0	04	0	0	09½
	164/1G2	0	04	5	0	11
	165/7A2	0	03	0	0	08
	32 3B	0	03	0	0	08
	165/7B1	0	07	5	0	18½
	165/5B	0	04	0	0	10
	6B	0	11	5	0	28½
	6C	0	10	0	0	24½
	32/4B	0	03	5	0	08½
	167/1A1	0	03	0	0	07
	32/5B	0	03	5	0	08½
	32/8B	0	01	0	0	02½
	92/1B1	0	08	0	0	21
		3	14	0	7	84½

[सं. प्रो-12016/6(8)/97-प्रो.एन.जी.-डी-IV]

एम. मार्टिन, डीस्क अधिपति

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2737.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Lonnamanda-EPS to Tatipaka-GCS in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the

Petroleum and Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry- (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

1	2	3	4	5	6	7
Kadali	838/1B	0	18	5	0	46
	838/2B	0	13	0	0	33
	837/1B	0	10	5	0	26
	2A	0	00	5	0	01
	822/2	0	04	5	0	11
	821/2	0	04	5	0	11
	820/2	0	18	8	0	46
	818/2B	0	21	0	6	53
	815/1B2	0	03	0	0	07
	812/2B3	0	05	5	0	14
	815/1B1	0	03	0	0	08
	810/3A, 2B	0	03	0	0	08
	5B2	0	03	5	0	09
	815/2B	0	16	5	0	41
	812/2B1	0	02	0	0	05
	812/2B2	0	09	0	0	22
	810/2B2C	0	03	0	0	08
	3B/2A	0	05	5	0	14
	810/2B/2B	0	05	0	0	12
	748/1B2	0	06	0	0	15½
	810/2A3	0	18	0	0	43
	810/2E/2A	0	03	0	0	07
	810 1B	0	00	5	0	00½
	808/2	0	02	0	0	05
	807/2B	0	08	0	0	20½
	806/2	0	02	0	0	05
	800/1B1	0	00	5	0	00½
	802/2B3	0	15	0	0	37
	802 3A	0	00	5	0	00½
	802/1B	0	10	0	0	25
	802/2B	0	00	5	0	01
	802/2B1	0	05	0	0	12
	802/2B2	0	00	5	0	00½
	801/2	0	01	5	0	04
	800 1B2	0	21	0	0	54
	800/2A	0	03	0	0	07½
	799/1B	0	17	5	0	44
	749/2	0	03	0	0	07½
	748/2B	0	17	0	0	42
	748 1B/1	0	07	0	0	07½
	437/1B5	0	01	0	0	03
	748/1B4	0	03	0	0	07½
	745/2	0	01	0	0	03
	748/1B3	0	05	5	0	13½
	747/1B	0	08	0	0	20
	747/3B	0	31	0	0	78
	426/2A	0	07	5	0	19
	745 3B	0	09	5	0	24
	756 3B	0	06	0	0	16
	755/2	0	05	0	0	12
	756/1B1	0	03	8	0	09
	756/1B2	0	09	0	0	23
	454/1B1	0	04	5	0	11
	756/1B3	0	00	5	0	01
	756/2B	0	00	5	0	01½

1	2	3	4	5	6	7
KADALI	759/1B	0	03	0	0	07
	759/2A	0	01	5	0	04
	456/3A	0	01	5	0	04
	455/2B1	0	31	5	0	79
	455/2B2	0	00	5	0	01
	437/2B1	0	04	0	0	10
	437/2B2	0	01	0	0	03
	437/1B4	0	02	0	0	04½
	437/1B3	0	03	5	0	09
	437/1B2	0	06	5	0	16
	437/1B1	0	14	5	0	36
	436/3B	0	13	5	0	34
	436/5A	0	00	5	0	0
	436/6A	0	01	5	0	04
	436/7A	0	01	5	0	04
	457/2	0	33	5	0	84
	458/2A	0	23	0	0	57
	458/2B	0	14	5	0	36
	406/2	0	08	5	0	22
	405/2B1	0	00	5	0	01½
	407/2C	0	02	0	0	05½
	407/2D	0	09	5	0	24
	405/2B2	0	04	0	0	10
	407/2A	0	05	0	0	12
	407/2B	0	04	0	0	09½
	411/A	0	01	0	0	03
	439/1A	0	01	0	0	03
	439/1B	0	08	5	0	21
	439/1C	0	04	5	0	11
	438/2	0	04	5	0	11
	433/2	0	09	0	0	23
	427 1B1	0	06	5	0	16
	434/1B	0	12	5	0	32
	434/2B	0	18	0	0	44½
	427/1B2	0	07	5	0	19
	426/2C	0	01	0	0	2½
	426/2B	0	05	0	0	13
	418/1B	0	01	0	0	02½
	418/1C2	0	02	0	0	05
	418/1C1	0	06	0	0	15
	418/2B	0	05	0	0	13
	416/1A1	0	00	5	0	00½
	417/2B2	0	10	5	0	26
	416/1A2	0	01	5	0	04
	416/1A3	0	02	5	0	06
	416/1A4	0	10	5	0	26
	416/3A	0	03	0	0	07½
	417/2B1	0	07	5	0	19
	454/1B2	0	07	5	0	19
	454/2A	0	05	0	0	12
		7	19	5	17	99 1/4

1	2	3	4	5	6	7
Ponnamanda	262/1C	0	01	0	0	02
	262/1B	0	17	0	0	43
	262/2B2	0	03	5	0	09
	262/2B1	0	07	0	0	18
	263/2	0	02	0	0	05
	264/2	0	10	5	0	27
	468/9A	0	02	0	0	05
	468/10A	0	02	0	0	05
	468/6B	0	01	0	0	02½
	468/7B	0	04	5	0	11
	468/4B	0	03	5	0	09
	468/8B	0	03	0	0	07
	467/3B	0	01	0	0	02½
	467/5B	0	04	0	0	09½
	467/3D	0	04	0	0	09½
	467/6B	0	03	0	0	07
	469/1A	0	08	5	0	21
	467/1B	0	01	0	0	02
	467/4B	0	11	5	0	29
	465/2	0	03	5	0	09
	471/B1	0	02	0	0	05
	467/2B	0	05	5	0	13½
	464/4A2	0	01	0	0	03
	464/4B2	0	04	5	0	11
	464/4C1	0	03	5	0	09
	463/2B	0	03	0	0	07
	463/1A2	0	02	5	0	06
	462/7B1	0	20	5	0	51
	462/7B2	0	05	0	0	14
	462/8C	0	03	5	0	09
	453/6B1	0	06	0	0	15½
	462/3B	0	01	5	0	03½
	453/6B2	0	04	0	0	10
	453/7B	0	04	5	0	10½
	359/3B	0	00	5	0	01
	359/4B	0	07	0	0	17
	351/2B	0	05	5	0	14
	453/8B	0	05	5	0	14
	453/9A	0	06	0	0	15½
	456/11B	0	01	0	0	02
	456/12B	0	03	5	0	08½
	456/8B	0	07	0	0	17½
	456/13B	0	07	0	0	17½
	363/2B	0	04	5	0	11½
	453/4B	0	06	0	0	15½
	461/5A2	0	14	5	0	36
	455/2B	0	05	5	0	13½
	365/1B	0	07	0	0	18
	454/2	0	02	5	0	06
	455/3A	0	03	5	0	08½
	364/2	0	03	0	0	08
	365/3A1	0	08	0	0	20
	365/3A2	0	07	5	0	19
	365/3A3	0	07	5	0	19

1	2	3	4	5	6	7
Ponnamanda—Conid.	360/2	0	02	5	0	06
	359/6B	0	07	5	0	19
	359/8B	0	09	5	0	24
	358/2	0	09	5	0	23
	358/4	0	21	5	0	54
	348/2B	0	03	0	0	07
	352/1	0	05	0	0	12
	351/1B	0	09	5	0	24
	351/1D	0	10	0	0	25
	353/2	0	05	5	0	14
		3	56	5	8	91
Geddada	129/2	0	03	0	0	07
	130/2A	0	05	0	0	12
	130/2C	0	01	0	0	02
	130/2B	0	03	5	0	09
	130/2C	0	04	5	0	11
	130/2D	0	13	0	0	32
	130/2F	0	17	0	0	42
	131/A2	0	01	0	0	03
	131/B2A	0	17	0	0	43
	131/B2B	0	04	5	0	11
	132/2	0	03	5	0	09
	135/2B	0	10	5	0	26
	134/1B	0	02	5	0	06
	134/3B 2A	0	12	0	0	30
	134/3B 2B	0	03	0	0	07
	134/4B1	0	00	5	0	00½
	134/4B2	0	09	5	0	24
	134/4B3	0	02	0	0	05
	136/1B	0	04	0	0	10
	136/2B1	0	08	0	0	20
	137/1B	0	09	5	0	24
	137/2B	0	10	0	0	26
	136/2B2	0	13	5	0	34
	141/1B2	0	06	0	0	15
	141/2B2	0	06	0	0	15
	141/3B2	0	05	0	0	13
	141/4B2	0	03	0	0	08
	141/5B	0	04	0	0	11
	15/1A1	0	00	5	0	01
	15/1B2	0	11	5	0	29
	15/2B2	0	08	5	0	21
	14/1A2	0	02	0	0	05
	14/2A 2A	0	04	0	0	10
		2	08	5	5	21½

1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	92/1B1	0	25	0	0	62
	92/1B2	0	16	0	0	40
	92/1B3	0	05	0	0	12
	92/2B	0	01	0	0	03
	95/2B	0	11	0	0	27½
	95/3B	0	11	0	0	27½
	96/2B	0	21	0	0	52
	98/2	0	04	0	0	10
	103/1B	0	05	0	0	13
	102/5A2	0	15	0	0	37
	101/3B2	0	07	0	0	18
	101/3A2	0	02	5	0	06
	101/3D2	0	00	5	0	01½
	101/4B	0	00	5	0	01½
	101/5A1	0	05	0	0	13
	101/5B1	0	06	0	0	15
	101/5C2	0	13	5	0	34
	109/2	0	02	0	0	06
	110/2B	0	11	0	0	27
	111/3A 5B	0	00	5	0	00½
	111/3A6B	0	07	0	0	18½
	111/4A 2A	0	13	0	0	32
	111/4A 2B	0	02	0	0	05
	112/1A2	0	05	0	0	12
	112/1B 1A	0	03	0	0	07
	159/2B	0	03	5	0	09
	158/8B	0	05	5	0	14
	158/9A2	0	15	0	0	38
	158/9B1	0	03	5	0	09
	163/2	0	07	0	0	17½
	164/1A2	0	13	0	0	32
	164/1B2	0	03	5	0	09
	164/1E2	0	04	0	0	09½
	164/1P2	0	04	0	0	09½
	164/1G2	0	04	5	0	11
	165/7A2	0	03	0	0	08
	32/3B	0	03	0	0	08
	165/7B1	0	07	5	0	18½
	165/5B	0	04	0	0	10
	165/6B	0	11	5	0	28½
	165/6C	0	10	0	0	24½
	32/4B	0	03	5	0	08½
	167/1A1	0	03	0	0	07
	32/5B	0	03	5	0	08½
	32/8B	0	01	0	0	02½
	92/1B1	0	08	0	0	21½
		3	14	0	7	84½

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1997

का. आ. 2738.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोजहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पासलैण्ड 15 से पासलैण्ड 1 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाचक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंतर) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

कथन कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सहित प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्यात और देशभार प्रभाग, के.जी. प्रोजेक्ट, राजामुन्द्री, 533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर. ओ. डू. पाइप लाइन पासलैण्ड-15 से पासलैण्ड 1

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : पामिडिबुटुरु

जिला : पूरब गोदावरी

गांव	आर. एम. नं.	हैक्टर्स	एर्स	सेन्टिएर्स	एकर्स	सेन्ट्स
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
पासलैण्ड लंका	9/3A2	0	06	5	0	16
	9/3B2	0	04	0	0	10
	9/3B3	0	02	5	0	06
	10/1B	0	18	5	0	46
	7/7B }	0	25	5	0	63
	6B }					
	4B }					
	3B }	0	21	0	0	52
	5/4B					
	3/PT	0	08	0	0	20
		0	86	0	2	—13
	143/1B2	0	18	0	0	45
	143/2B	0	14	0	0	34
	142/1B1	0	06	0	0	15
	142/1B1, 1B5	0	10	0	0	25
	142/1B3	0	05	5	0	13
	142/1B4	0	08	5	0	21
	142/1B5	0	05	5	0	13
	142/1B6	0	08	5	0	21
		0	76	0	1	87

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2738.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi 15 to Pasarlapudi-1 in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the

Petroleum and Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

R.O.U. flow line from Pasarlapudi—15 to Pasarlapudi—1
State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru
District : East Godavari

Village	S.No.	Hectares	Acres	centiares	Acres	Cents.
1	2	3	4	5	6	7
Pasarlapudi Lanka.	9/3A2	0	06	5	0	—16
	9/3B2	0	04	0	0	10
	9/3B3	0	02	5	0	06
	10/1B	0	18	5	0	46
	7/7B7	0	25	5	0	63
	6B }					
	4B }					
	3B					
	5/B	0	21	0	0	52
	3/Pt	0	08	0	0	—20
		0	86	0	2	13
	143/1B2	0	18	0	0	45
	143/2B	0	14	0	0	34
	142/1B1	0	06	0	0	16
	142/1B1 1B5	0	10	0	0	25
	142/1B3	0	05	5	0	13
	142/1B4	0	08	5	0	21
	142/1B5	0	05	5	0	18
	142/1B6	0	08	5	0	21
		0	76	0	1	87

[No. O-12016/6(9)/97-ONG-D-IV]
M. MARTIN. Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

क्र.आ. 2739.—यसः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतिज्ञा होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में मंडपेडा-3 से मंडपेडा-इ पी एस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आवाहक द्वारा बिछाई जाती चाहिए।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी भादनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पदार्थ लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 30) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

नमते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्यात और देखभाल प्रभार, के.जी. प्रोजेक्ट, राजामुंद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन संडपेटा-3 से संडपेटा ३.पी.एम.

राज्य : आंध्र प्रदेश	मंडल : आलमूर	जिला : पूर्व बोंदावरी				
गांव	आर.एम.नं.	हेक्टाई	एंस	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
बेदपल्ला						
	125/1C1	0	02	0	0	05
	119/1A2	0	01	5	0	04
	1/A3	0	01	0	0	02
	119/1 B2	0	07	5	0	18
	1B3	0	03	5	0	09
	1B4	0	04	0	0	10
	120/1A2	0	05	5	0	14
	1B1	0	01	0	0	03
	1C2	0	08	6	0	20
	104/3B	0	13	0	0	32
	103/3B	0	14	0	0	35
	102/3A2	0	00	5	0	11
	3B2	0	02	0	0	05
	4A2	0	03	0	0	07
	4C1	0	02	5	0	06
	4B2	0	03	5	0	09
	100/2	0	23	5	0	59
	77/2A2	0	05	5	0	13
	2B2	0	07	0	0	17
	79/1A2	0	07	5	0	19
	1B2	0	11	5	5	29
	2B	0	05	5	0	14
	3A1	0	00	5	0	01
	80/2B	0	07	0	0	17
	9B	0	09	5	0	24
	3A1	0	01	5	0	04
	8B	0	05	5	0	13
	10B	0	00	5	0	01
	84/4C2	0	00	0	0	01
	4D2	0	18	0	0	45
	83/1B	0	08	5	0	21

1	2	3	4	5	6	7
	1C	0	05	0	0	12
	1D	0	02	0	0	05
	2B	0	12	5	0	31
	27/2A1	0	05	0	0	12
	2A2	0	06	5	0	16
	3A3A	0	01	0	0	02
	1B	0	05	5	0	14
	30/2A2	0	09	5	0	23
	2B2	0	08	0	0	20
	2C2	0	07	5	0	18
	1B	0	03	5	0	09
	125/1B1	0	01	0	0	03
	1B2	0	01	5	0	04
	Total	2	57	0	6	35

[सं. डी-12016/6(10) 97-डी एन जी डी-IV]

एम. माहिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2739.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mandapata-3 to Mandapata EPS in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the Section 3 of the

Petroleum and Minerals pipelines acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. Pipeline from Mandapeta 3-D.S. to Mandapeta—E.P.S.

State : Andhra Pradesh District : East Godavary Mandal : Alampur.

Village	Survey No.	Area				
		Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Pedapalla	125/1C1	0	02	0	0	05
	119/1A2	0	01	5	0	04
	1/A3	0	01	0	0	02
	119/1 B2	0	07	5	0	18
	1B3	0	03	5	0	09
	1B4	0	04	0	0	10
	120/1A2	0	05	5	0	14
	1B1	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	6	7
Peda Palla	1C2	0	08	0	0	20
	104/3B	0	13	0	0	32
	103/3B	0	14	0	0	35
	102/3A2	0	04	5	0	11
	3B2	0	02	0	0	05
	4A2	0	03	0	0	07
	4C1	0	02	5	0	06
	4B2	0	03	5	0	09
	100/2	0	23	5	0	59
	77/2A2	0	05	5	0	13
	2B2	0	07	0	0	17
	79/1A2	0	07	5	0	19
	1B2	0	11	5	0	29
	2B	0	05	5	0	14
	3A1	0	00	5	0	01
	80/2B	0	07	0	0	17
	9B	0	09	5	0	24
	3A1	0	01	5	0	04
	8B	0	05	5	0	13
	10B	0	00	5	0	01
	84/4C2	0	03	5	0	01
	4D2	0	18	0	0	45
	83/1B	0	08	5	0	21
	1C	0	05	0	0	12
	1D	0	02	0	0	05
	2B	0	12	5	0	31
	27/2A1	0	05	0	0	12
	2A2	0	06	5	0	16
	3A3A	0	01	0	0	02
	1B	0	05	5	0	14
	30/2A2	0	09	5	0	23
	2B2	0	08	0	0	20
	2C2	0	07	5	0	18
	1B	0	03	5	0	09
	125/1B1	0	01	0	0	03
	1B2	0	01	5	0	04
Total		2	57	0	6	35

[No. O-12016/6 (10)/97/ONG.-DIV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2740.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में ए.टि.पि.-1 से जि.सि.एस. नगर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जन करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के०जी०प्रोजेक्ट, राजामंली-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर ओ यू पाइप लाइन: ए०टि०पि०-I से जि०सि०एस० नगरम

स्टेट: आंध्र प्रदेश

मंडल: मासिडिकदस जिला: पूरब गोदावरी

गांव	आर०एम०नं	हेक्टर्स	एस	सेन्टीएस	एकर्स	सेन्टुस
1	2	3	4	5	6	7
नगरम						
Nagaram	379/1A2	0	03	0	0	08
	379/2A1	0	01	5	0	04
	379/1B2	0	00	5	0	01
	379/1E2	0	01	0	0	02
	379/1C1	0	01	0	0	03
	379/3A	0	00	5	0	01
	302/1B	0	02	5	0	06
	304/1B2	0	09	0	0	22
	303/2	0	02	5	0	06
	312/1A,1B	0	15	0	0	37
	310/1B	0	02	5	0	06
	309/1C	0	18	5	0	46
	312/1A,1C	0	08	5	0	21
	312/1A,1E	0	37	5	0	92
	307/5B	0	04	5	0	11
	312/1A,1F	0	08	0	0	20
	312/1A,1G	0	05	0	0	12
	335/1A2	0	08	0	0	20
	336/1B	0	03	5	0	09
	310/1C	0	03	0	0	07
	310/1D	0	06	0	0	15
	309/1B	0	05	5	0	13
	329/Pt.	0	02	5	0	06
	330/2B	0	10	0	0	26
	341/1B	0	15	0	0	40
	341/2B	0	16	0	0	39
	340/1A2	0	00	5	0	01
	335/1B2	0	02	0	0	05
	335/2C1	0	01	0	0	02
	335/6B	0	01	0	0	02
	335/7A2	0	02	0	0	05
	335/8B	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6	7
	335/8D	0	01	0	0	03
	335/9B	0	05	0	0	12
	339/2B	0	05	0	0	12
	106/4B	0	01	0	0	02
	108/7A	0	01	0	0	02
	106/5B	0	04	0	0	10
	108/6B	0	05	0	0	12
	108/6D	0	01	0	0	03
	339/2C	0	01	0	0	02
	107/4B	0	10	0	0	25
	107/5A	0	01	0	0	02
		2	44	0	5	78
	114/3B2	0	04	0	0	10
	114/2A2	0	04	0	0	10
	116/2	0	01	5	0	04
	115/1B	0	05	5	0	14
	114/1A1	0	03	0	0	08
	114/1B2	0	12	0	0	32
	112/10B	0	09	5	0	25
	155/1B	0	01	0	0	02
	155/2B	0	02	5	0	06
		2	79	0	6	89

[सं० ओ०-12016/6/(11)/97-ओ एन जी. डी.-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2740.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from I.T.P.-I to GCS-Nagaram in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals pipe lines (acquisition of

right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division K.G Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

ROW flow line from I.T.P.—I to G.C.S. Nagaram

State : Andhera Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centi-Ares	Acres	Cents
Nagaram	379/1A2	0	03	0	0	03
	379/2A1	0	01	5	0	04
	379/1B2	0	00	5	0	01
	379/1E2	0	01	0	0	02
	379/1C1	0	01	0	0	03
	379/3A	0	00	5	0	01

1	2	3	4	5	6	7
Nagaram—Contd.	302/1B	0	02	5	0	06
	304/1B2	0	09	0	0	22
	303/2	0	02	5	0	06
	312/1A 1B	0	15	0	0	37
	310/1B	0	02	5	0	06
	309/1C	0	18	5	0	46
	312/1A 1C	0	08	5	0	21
	312/1A 1E	0	37	5	0	92
	307/5B	0	04	5	0	11
	312/1A 1F	0	08	0	0	20
	312/1A 1G	0	05	0	0	12
	335/1A2	0	08	0	0	20
	336/1B	0	03	5	0	09
	310/1C	0	03	0	0	07
	310/1D	0	06	0	0	15
		1	41	5	3	49
	309/1B	0	05	5	0	13
	329/Pt.	0	02	5	0	06
	330/2B	0	10	0	0	26
	341/1B	0	15	0	0	40
	341/2B	0	16	0	0	39
	340/1A2	0	00	5	0	01
	335/1B2	0	02	0	0	05
	335/2C1	0	01	0	0	02
	335/6B	0	01	0	0	02
	335/7A2	0	02	0	0	05
	335/8B	0	02	02	0	05
	335/8D	0	01	0	0	03
	335/9B	0	05	0	0	12
	339/2B	0	05	0	0	12
	106/4B	0	01	0	0	02
	108/7A	0	01	0	0	02
	106/5B	0	04	0	0	10
	108/6B	0	05	0	0	12
	108/6D	0	01	0	0	03
	339/2C	0	01	0	0	02
	107/4B	0	10	0	0	25
	107/5A	0	01	0	0	02
		2	44	0	5	78
	114/3B2	0	04	0	0	10
	114/2A2	0	04	0	0	10
	116/2	0	01	5	0	04
	115/1B	0	05	5	0	14
	114/1A1	0	03	0	0	08
	114/1B2	0	12	0	0	32
	112/10B	0	09	5	0	25
	155/1B	0	01	0	0	02
	155/2B	0	02	5	0	06
		2	79	0	6	89

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1997

का. आ. सं. 2741 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में मंडपेटा-6 से मंडपेटा ई सी एस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनर्वाबल अनुभूति में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50 की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उसयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्त कि उक्त भूमि में हितवर्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देखभाल प्रणाली के 00जी० प्रोजेक्ट, राजामुद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसको पुनर्वादी व्यक्ति रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर ओ यू पाइप लाइन: मंडपेटा-6 से मंडपेटा ई वि एस आंध्र प्रदेश मंडल आलमूरु जिला तुर्फ गोदावरी

स्टेट: आंध्र प्रदेश:		मंडल : मासिडिकुतुरु		जिला: पूरब गोदावरी				
गांव	आर एस न	हेक्टास	एस	सेन्टीएस	एकस	सेन्टीमीडस		
1			2	3	4	5		
						6		
						7		
पेवपल्ला		4/1B	0	02	0	0	05	
		4/2B	0	09	0	0	22	
		16/2	0	03	5	0	09	
		17/3B	0	09	5	0	23	
		17/4B2	0	03	0	0	07	
		18	0	06	5	0	17	
		20/3B	0	14	5	0	36	
		20/4B	0	04	5	0	11	
		21/5B	0	13	5	0	33	
		21/5C	0	06	5	0	16	
		23/1A2	0	12	0	0	30	
		23/1B2	0	02	5	0	06	
		23/2A	0	01	0	0	02	
		23/3K	0	04	5	0	11	
		23/3D	0	23	0	0	57	
		24/1B	0	10	5	0	26	
		24/3B	0	20	5	0	51	
		22	0	14	5	0	36	
		Total		1	61	0	3	98
	Modukuru		165/1C2	0	03	5	0	09
		166/2	0	04	0	0	09	
		Total		0	07	5	0	18

[सं. ओ-12016/6(14)/97-ओ एन जी-डी IV]

एम० माटिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2741.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mandapeta-6 to Mandapeta EPS in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described is the schedule annexed hereto ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the

Petroleum and Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of the notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance Division K.G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practicionery.

SCHEDULE

Rou Pipeline from Mandapeta 6 to Mandapeta E.P.S.

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Mandal : Alamuru

Village	Survey No.	Hectors	Ares	Conty ares	Acres	Cents
Pedapalla	4/1B	0	02	0	0	05
	4/2B	0	09	0	0	22
	16/2	0	03	5	0	09
	17/3B	0	09	5	0	23
	17/4B2	0	03	0	0	07
	18	0	06	5	0	17
	20/3B	0	14	5	0	36
	20/4B	0	04	5	0	11
	21/5B	0	13	5	0	33
	21/5C	0	06	5	0	16
	23/1A2	0	12	0	0	30
	23/1B2	0	02	5	0	06
	23/2A	0	01	0	0	02
	23/3B	0	04	5	0	11
	23/3D	0	23	0	0	57
	24/1B	0	10	5	0	26
	24/3B	0	20	5	0	51
	22	0	14	5	0	36
	Total	1	61	0	3	98
Modukuru	165/1C2	0	03	5	0	09
	166/2	0	04	0	0	09
	Total	0	07	5	0	18

[No. O-12016/6(14)/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. सं. 2742:—यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में मंडपेटा---II से ई. पी. एस. मंडपेटा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावत्र अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज, पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आणख एतद्द्वारा घोषित किया है।

बतर्त कि उक्त भूमि में हितवत् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामुद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कबन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की माफत।

अनुसूची

पाइप लाइन मंडपेटा---II से ई. पी. एस. मंडपेटा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : कपिलेश्वरपुरम

जिला : पूर्व शोवावरी

गाँव	आर. एस. नं.	हेक्टेयर	ए.रु.	सेन्टिएस	ए.क.र.	सेन्टिएस	
1		2	3	4	5	6	7
अंगरा							
		184/1बी	0	28	0	0	69
		175/2	0	27	5	0	68
		174/12बी	0	12	0	0	30
		174/6बी	0	05	0	0	12
		158/1बी	0	04	5	0	11
		158/2बी	0	12	0	0	30
		158/3ए	0	01	0	0	02
		158/7बी	0	01	0	0	02
		158/8बी	0	04	0	0	10
		159/3बी	0	07	0	0	17
		159/4बी	0	04	5	0	11
		159/5ए	0	03	5	0	09
		159/6ए	0	00	5	0	01
		137/2बी	0	06	5	0	16
		137/3बी	0	08	0	0	20
		138/3बी	0	03	5	0	09
		138/4ए	0	00	5	0	01
		138/5ए	0	01	5	0	04
		6बी	0	06	5	0	16
		7बी	0	01	0	0	02
		8बी	0	02	0	0	05
		110/3	0	04	0	0	10
		2	0	02	5	0	06
		4	0	06	0	0	1

1	2	3	4	5	6	7
अंगरा	109/2	0	21	5	0	53
	108/2	0	04	0	0	10
	118/2	0	08	0	0	20
	101/2बी	0	16	5	0	41
	70/3बी2	0	01	0	0	03
	70/3सी2	0	00	5	0	01
	70/3डी2	0	00	5	0	01
	70/3ए2	0	00	5	0	01
	70/3एफ2	0	00	5	0	01
	68/2	0	02	0	0	05
	74/1बी	0	06	5	0	16
	74/1सी	0	05	5	0	14
	74/3ए	0	04	0	0	10
	74/4बी	0	18	0	0	44
	79/9बी	0	01	0	0	03
	79/10बी2	0	03	5	0	09
	99/2	0	03	5	0	09
	69/10	0	02	5	0	06
	100/1बी	0	11	5	0	29
	100/3बी	0	12	5	0	31
	99/3	0	03	5	0	09
	99/4	0	06	5	0	16
	69/2	0	06	0	0	15
	69/8	0	04	0	0	10
	69/3	0	03	0	0	08
	69/5	0	02	5	0	06
	69/6	0	01	0	0	03
	70/3ए2	0	02	0	0	05
	69/7	0	01	0	0	03
	70/ए2	0	02	0	0	05
	70/13ए	0	01	0	0	02
	79/11बी	0	04	5	0	11
	79/12बी	0	04	0	0	10
	17बी	0	00	5	0	01
	80/7ए	0	00	5	0	01
	80/7बी	0	02	5	0	06
	80/7डी	0	09	0	0	22
	47/2बी	0	05	0	0	13
	47/3बी	0	02	0	0	05
	47/5ए	0	01	5	0	04
	47/6बी	0	05	0	0	12
	47/7बी	0	00	5	0	01
	78/4बी	0	05	5	0	13
	78/5बी	0	01	0	0	02
	83/1बी	0	05	0	0	12
	83/6बी	0	06	0	0	15
	83/7बी	0	04	0	0	10
	47/2बी	0	03	0	0	07
	83/8बी	0	09	0	0	22
		3	77	0	9	32
पिनपल्ला	168/7ए2	0	04	0	0	1
	168/6बी	0	03	5	0	0
	168/7बी2	0	01	0	0	0
	167/2	0	03	0	0	0

1	2	3	4	5	6	7
विन पल्ला	163/1ब2	0	04	0	0	10
	163/5बो	0	04	5	0	11
	163/2बो	0	11	5	0	29
	162/1बो	0	03	5	0	09
	162/1सो	0	04	0	0	10
	162/1बो	0	03	5	0	09
	161/2	0	02	0	0	05
	159/2द	0	02	5	0	06
	161/3	0	10	5	0	26
	160/2	0	03	0	0	07
	97/2बो	0	07	5	0	18
	161/4	0	04	5	0	11
	161/5	0	04	5	0	11
	159/2बो	0	05	0	0	12
	159/2सो	0	00	5	0	01
	159/2बो	0	04	0	0	10
	141/2बो	0	07	0	0	17
	141/2बो	0	04	0	0	10
	141/5बो	0	12	0	0	30
		2	36	0	5	84
	142/3बो	0	09	0	0	22
	94/3ए2	0	06	0	0	15
	143/2	0	08	0	0	20
	143/3	0	16	0	0	40
	144/3बो	0	00	5	0	16
	144/4बो	0	02	0	0	15
	107/1बो	0	05	0	0	12
	106/1बो	0	04	5	0	11
	97/4बो2	0	08	0	0	20
	107/1सी	0	12	0	0	30
	107/2बो	0	03	0	0	08
	94/1बो	0	03	0	0	08
	94/3बो2	0	02	5	0	06
	94/8बो	0	03	0	0	07
	94/9बो2	0	03	0	0	07
	94/10बो1	0	03	0	0	07
	97/3ए	0	00	5	0	01
	97/2बो	0	10	0	0	25
	97/2द	0	03	0	0	08
	93/2	0	03	5	0	09
	99/1बो	0	09	5	0	23
	99/1सो	0	01	5	0	04
	96/2बो	0	04	0	0	10
		2	36	0	5	84
देव पल्ला	69/11बो	0	00	5	0	01
	69/3बो2	0	03	0	0	07
	69/2ए2	0	01	0	0	03
	69/2बो2	0	02	0	0	05
	0/1बो	0	06	0	0	15
	702/6ए2	0	07	0	0	17
	70/2ए2	0	06	0	0	15
	70/3बो1	0	01	0	0	03
	70/3सी2	0	07	0	0	171
	72/4ए	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
पेबल्ला	66/3को	0	04	5	0	11
	66/1को	0	05	0	0	12
	66/2को	0	04	5	0	11
	66/4वा	0	03	0	0	07
	66/9को	0	08	0	0	20
	63/2को	0	06	0	0	16
	57/3को	0	09	0	0	22
	58/3ए 2	0	16	0	0	39
	58/8को2	0	03	5	0	09
	60/1	0	01	5	0	04
	59/1ए	0	00	5	0	10
	59/1वा	0	04	0	0	10
	59/1 ग	0	06	0	0	6
	59/3को	0	07	0	0	17
	28/4को	0	04	0	0	10
	28/4को	0	01	0	0	03
	28/5को	0	05	5	0	14
	27/2A1को2	0	04	0	0	10
	27/2A2वा2	0	08	5	0	21
	27/4ए2	0	03	0	0	07
	27/4को1	0	02	5	0	06
		1	44	0	3	56

[ब. को.-12016/6 (15)/97-को एन को-डी IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2742.—Whereas it appears in the General Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mandapeta-II to EPS Mandapeta in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and

Minerals Pipelines (acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Oil & Natural, Gas Commission, Construction & Maintenance division K. G. Project, Rajahmundry-533103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

Mandapeta-II to E.P.S. Mandapeta

State : Andhra Pradesh Mandal : Kapileswarapuram District : East Godavari

Village	Survey No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
Angara	184/1को	0	28	0	0	69
	175/2	0	27	5	0	68
	174/12को	0	12	0	0	30
	174/6को	0	05	0	0	12
	158/1को	0	04	5	0	11
	158/2को	0	12	0	0	30
	158/3ए	0	01	0	0	02
	158/7को	0	01	0	0	02
	158/8को	0	04	0	0	10
	159/3वा	0	07	0	0	17

1	2	3	4	5	6	7
Angara—Contd.	159/4B	0	04	5	0	11
	159/5A	0	03	5	0	09
	159/6A	0	00	5	0	01
	137/2B	0	06	5	0	16
	137/3B	0	08	0	0	20
	138/3B	0	03	5	0	09
	138/4A	0	00	5	0	01
	138/5A	0	01	5	0	04
	6B	0	06	5	0	16
	7B	0	01	0	0	02
	8B	0	02	0	0	05
	110/3	0	04	0	0	10
	2	0	02	5	0	06
	4	0	06	0	0	15
	109/2	0	21	5	0	53
	108/2	0	04	0	0	10
	118/2	0	08	0	0	20
	101/2B	0	16	5	0	41
	70/3B2	0	01	0	0	03
	70/3C2	0	00	5	0	01
	70/3D2	0	00	5	0	01
	70/3E2	0	00	5	0	01
	70/3F2	0	00	5	0	01
	68/2	0	02	0	0	05
	74/1B	0	06	5	0	16
	74/1C	0	05	5	0	14
	74/3A	0	04	0	0	10
	74/4B	0	18	0	0	44
	79/9B	0	01	0	0	03
	79/10B2	0	03	5	0	09
	99/2	0	03	5	0	09
	69/10	0	02	5	0	06
	100/1B	0	11	5	0	29
	100/3B	0	12	5	0	31
	99/3	0	03	5	0	09
	99/4	0	06	5	0	16
	69/2	0	06	0	0	15
	69/8	0	04	0	0	10
	69/3	0	03	0	0	08
	69/5	0	02	5	0	06
	69/6	0	01	0	0	03
	70/3A2	0	02	0	0	05
	69/7	0	01	0	0	03
	70/1A2	0	02	0	0	05
	70/1A3	0	01	0	0	02
	79/11B	0	04	5	0	11
	79/12B	0	04	0	0	10
	17B	0	00	5	0	01
	80/7A	0	00	5	0	01
	80/7B	0	02	5	0	06
	80/7D	0	09	0	0	22
	47/2B	0	05	0	0	13
	47/3B	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6	7
Angara—Concld.	47/5A	0	01	5	0	04
	47/6B	0	05	0	0	12
	47/7B	0	00	5	0	01
	78/4B	0	05	5	0	13
	78/5B	0	01	0	0	02
	83/1B	0	05	0	0	12
	83/6B	0	06	0	0	15
	83/7B	0	04	0	0	10
	47/2B	0	03	0	0	07
	83/8B	0	09	0	0	22
		3	77	0	9	32
Pinapalla	168/7A2	0	04	0	0	10
	168/6B	0	03	5	0	09
	168/7B2	0	01	0	0	02
	167/2	0	03	0	0	07
	163/1A2	0	04	0	0	10
	163/5B	0	04	5	0	11
	163/2B	0	11	5	0	29
	162/1B	0	03	5	0	09
	162/1C	0	04	0	0	10
	162/1D	0	03	5	0	09
	161/2	0	02	0	0	05
	159/2E	0	02	5	0	06
	161/3	0	10	5	0	26
	160/2	0	03	0	9	07
	97/2D	0	07	5	0	18
	161/4	0	04	5	0	11
	161/5	0	04	5	0	11
	159/2B	0	05	0	0	12
	159/2C	0	00	5	0	01
	159/2D	0	04	0	0	10
	141/2B	0	07	0	0	17
	141/3B	0	04	0	0	10
	141/5B	0	12	0	0	30
	142/3B	0	09	0	0	22
	94/3A2	0	06	0	0	15
	143/2	0	08	0	0	20
	143/3	0	16	0	0	40
	144/3B	0	06	5	0	16
	144/4B	0	02	0	0	05
	107/1B	0	05	0	0	12
	106/1B	0	04	5	0	11
	97/4B2	0	08	0	0	20
	107/1C	0	12	0	0	30
	107/2B	0	03	p	0	08
	94/1B	0	03	0	0	08
	94/3B2	0	02	5	0	06
	94/8B	0	03	0	0	07
	94/9C2	0	03	0	0	07
	94/10B1	0	03	0	0	07
	95/3A	0	00	5	0	01
	97/2B	0	10	0	0	25
	97/2E	0	03	0	0	08

[illegible]

[No. O-12016/6(15)/97-ONG.-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1897

का. मा. 2743:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र-प्रदेश राज्य में शिवतालपक्षितो पाइंट के 14 एन बी. पाप लाइन इन्वेज पाप लाइन मोरि से तटीयका स्पास हि पेद्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक रैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी स्थातों को विधान के प्रयोजन के लिए, एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अनः अत्र पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

यह कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निम्न और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामुन्ट्री-533103 को इस अधि-सूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिविष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मापदंड।

अनुसूची

आर. ओ. यू. पाइपलाइन चिन्तलपल्ली-“टि पॉइंट के 14” एन. बि. पाइपलाइन से 3 इन्च पाइपलाइन के मोरि से ताटीपका गैस तक की जी.सी.एस. गैस पाइपलाइन

राज्य : आंध्र प्रदेश

मंडल : राजोल

जिला : पूर्व गोदावरी

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टेयर	एअर	सेन्टियर्स	एकड़	सेन्ट
1	2	3	4	5	6	7
शिवकोट्ट	531/1पीटी	0	03	0	0	07½
	531/2 पीटी	0	93	0	0	07½
	531/3पीटी	0	03	5	0	09
	531/4पीटी	0	03	5	0	09
	531/5पीटी	0	04	0	0	10
	530/पीटी	0	10	0	p	25
	527पीटी	0	05	5	0	14
		0	32	5	0	8

[सं. ओ.-12016/6 (12)/97-ओ एन पी बी-IV]

एम. माटिन, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2743.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chintalapalli-T Point of 14" N. B. Pipeline to 3 inches pipeline of Mori to Tatipaka Gas Pipeline in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, construction & Maintenance division K. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in reason or by legal practitioner.

SCHEDULE

R O.U. flow line from Chintalapalli 'T' Point of 14" N.B. Pipeline to
3 inches Pipeline of Mori to Tatipaka Gas Pipeline

State : Andhra Pradesh

District : East Godavari

Village	Survey No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents.
Sivakodu	531/1pt.	0	03	0	0	07½
	531/. pt.	0	03	0	0	07½
	531/3pt.	0	03	5	0	09
	5314pt.	0	03	5	0	09
	531/5pt.	0	04	0	0	10
	530 pt.	0	10	0	0	25
	527/pt.	0	05	5	0	14
		0	32	5	0..	82

[No. O-12016/6 (12)/97--O.N.G.-D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2744--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि निबन्धन में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में लिगाला--6 से लिगाला--3 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपायबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार वा अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बतर्क कि उक्त भूमि में निवस्य कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाप लाइन बिछाने के लिए, आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. पी. प्रोजेक्ट, राजामुट्टी--533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी बताने करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर. पी. यू. पाप लाइन लिगाला--6 से लिगाला--3 सारीनेपल्ली
राज्य : आन्ध्र प्रदेश संज्ञा : मुद्दीनेपल्ली जिला : अक्का

गांव	सं. नं.	हेक्टेयर	आर	सेन्टियर्स	ए.क.ए.	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
लिगाला	260/4A2 4B2, 5A2 5C2, 6/2, 7/2, 8/2 259	0	40	0	0	99
		0	02	5	0	06
		0	42	5	1	05

1	2	3	4	5	6	7
चिमकामनापूडी	7/1D2	0	20	0	0	49
	7/1D2, } 1C2, 2B2 } 3A2, 3B2 }	0	31	0	0	77
	7 3B2	0	08	5	0	21
	10	0	01	5	0	04
	12-2B	0	17	5	0	43
	12-2B2 }	0	34	5	0	85
	24-2B }					
		1	13	0	2	79

[सं. ओ-12016/8(13)/97-ओ एम जी-ओ IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2744.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lingala 6 to Lingala 3 in A.P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of right of user in the Land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the said land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance division K. G. Project Rajahmundry (533 103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. flow line from LINGALA—6 TO LINGALA—3

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mudinepalli

District : Krishna

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centi-Are	Acres	Cents
Lingala	260/4A2	0	40	0	0	99
	4B2, 5A2 } 5C2, 6/2, } 72/, 8/2 }	0	02	5	0	06
	259	0	42	5	1	05
Chinakamanapudi	7/1D2	0	20	0	0	49
	7/1D2, } 1C2, 2B2 } 3A2, 3B2 }	0	31	0	0	77
	7 3B2	0	08	5	0	21
	10	0	01	5	0	04
	12-2B	0	17	5	0	43
	12-2B2	0	34	5	0	85
	24-2B					
		1	13	0	2	79

[No. O-12016/6(13)/97-ONG-D-IV]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2745 :-यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोअरहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में मुल्कपहल-1 से पोषमंडाई. पि. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विद्यार्थी जानी चाहिये।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विद्यार्थी के प्रयोजन के लिए, एतत्पाव्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवद् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए, शक्ति सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और खेजाल प्रभाग, के. जी. प्रोबुट, राजामंडी--533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति किनिस्ट्रटः यह भी बताना करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी पुनर्वाही व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मापत।

अनुसूची

आर. ओ. यू. पाइपलाइन : मुल्कपहल-1 से पोषमंडाई ई. पी. एस.

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

जिला : पूरब गोदावरी

मंडल : राजोल

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टर	एर्स	सेन्टि एर्स	एवर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
पोन्तभन्डा						
	262/1C	0	01	0	0	02
	262/1B	0	17	5	0	43
	262/2B1	0	03	5	0	09
	262/2B2	0	07	5	0	18
	363/2	0	02	0	0	05
	264/2	0	11	0	0	27
	468/9A	0	02	0	0	05
	468/10A	0	02	0	0	05
	468/6B	0	01	0	0	02½
	468/7B	0	04	5	0	11
	468/4B	0	03	5	0	09
	468/8B	0	03	0	0	07
	467/3B	0	01	0	0	02½
	467/5B	0	04	0	0	09½
	467/3D	0	04	0	0	09½
	467/6B	0	03	0	0	07
	469/1A	0	08	5	0	21
	467/1B	0	01	0	0	02
	467/4B	0	11	5	0	29
	465/2	0	03	5	0	09
	471/Part	0	02	0	0	05
	467/2B	0	05	5	0	13½
	464/4A2	0	01	0	0	03
	464/4B2	0	04	5	0	11
	464/4C1	0	03	5	0	09
	463/2B	0	03	0	0	07

1	2	3	4	5	6	7
योगमंडा—समाप्त	463 1A2	0	02	5	0	05
	463/7B1	0	20	5	0	51
	462/7B2	0	05	5	0	14
	462/8C	0	03	5	0	09
	453/6B1	0	06	0	0	15
	462/8B	0	01	5	0	03½
	453/6B1	1	54	0	3	80½
	453 6B2	0	04	0	0	10
	453/7B	0	04	0	0	10½
	453/8B	0	05	5	0	14
	453 9A	0	06	0	0	15½
	456/11B	0	01	0	0	02
	456/12B	0	03	5	0	08½
	456/8B	0	07	0	0	17½
	456/13A	0	07	0	0	17½
	453/4B	0	06	0	0	15½
	461/5A2	0	14	5	0	36
	455/2B	0	05	5	0	13½
	454/2	0	02	5	0	06
	455/3A	0	03	5	0	08½
	364/2	0	03	0	0	08
	365/1C	0	02	5	0	6½
	365/2B	0	09	5	0	23
	365 4A	0	01	0	0	02
	368/2	0	24	0	0	60
	359/9B	0	00	5	0	01½
	359/10B	0	09	0	0	23
	365/3C1	0	06	0	0	15
	365/3C2	0	01	5	0	04
	360/4	0	02	0	0	05½
		2	82	0	7	04

[अ. प्रो. 12016/6 (16)/97-ओ एन गी-वी IV]

ए. ए. मॉडिन, डायरेक्टर

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2745.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Mulkipalli-I to Ponnamanda E.P.S. in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the petroleum and

Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, construction & Maintenance division K. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

R.O.U. Flow Line From MULKIPALLI—1 TO PONNAMANDA—E.P.S.

District : East Godavari Min. No. :— Rajale State : Andhra Pradesh

Village	S. No.	Hectars	Ares	Centi-ares	Acres	Cents
Ponnamanda	262/1C	0	01	0	0	02
	262/1B	0	17	5	0	43
	262/2B1	0	03	5	0	09
	262/2B2	0	07	5	0	18
	363/2	0	02	0	0	05
	264/2	0	11	0	0	27
	468/9A	0	02	0	0	05
	468/10A	0	02	0	0	05
	468/6B	0	02	0	0	02½
	468/7B	0	04	5	0	11
	468/4B	0	03	5	0	09
	468/8B	0	03	0	0	07
	467/3B	0	05	0	0	02½
	467/6B	0	04	0	0	09½
	467/3D	0	04	0	0	09½
	467/6B	0	03	0	0	07
	469/1A	0	08	5	0	21
	467/1E	0	01	0	0	02
	467/4B	0	11	5	0	29
	465/2	0	03	5	0	09
	471/1A1	0	02	0	0	05
	467/2B	0	05	5	0	13½
	464/4A2	0	01	0	0	03
	464/4B2	0	04	5	0	11
	464/4C1	0	03	5	0	09
	463/2B	0	03	0	0	07
	463/1A2	0	02	5	0	06
	463/7B1	0	20	5	5	51
	462/7B2	0	05	5	0	14
	462/8C	0	03	5	0	09
	453/6B1	0	06	0	0	15½
	462/8B	0	01	5	0	03½
		0	54	0	3	80½
	453/6B2	0	04	0	0	10
	453/7B	0	04	0	0	10
	453/8B	0	05	5	0	11
	053/9A	0	06	0	0	15½
	456/11B	0	01	0	0	02
	456/12B	0	03	5	0	08½
	456/8B	0	07	0	0	17½
	456/13A	0	07	0	0	17½
	453/4B	0	06	0	0	15
	461/5A2	0	14	5	0	36
	455/ B	0	05	5	0	13
	454/2	0	02	5	0	06
	455/3A	0	03	5	0	08½
	364/2	0	03	0	0	08
	365/1C	0	02	5	0	06½

1	2	3	4	5	6	7
	365/2B	0	09	5	0	23
	365/4A	0	01	0	0	02
	368/2	0	24	0	0	60
	350/9B	0	00	5	0	01½
	359/10B	0	09	0	0	23
	305/3C1	0	06	0	0	15
	365/3C2	0	01	5	0	04
	360/4	0	02	0	0	05½
		2	82	0	7	04

[No. O-12016/6(16)/97-ONG-D-IV]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2746 .—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि अन्ध प्रदेश राज्य में पासलरपूडि—8 से—पासलरपूडि—9 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तैयार तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वाक्य अनुसूची में दर्जित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1982 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजभंजरी—533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

घार. प्रो. यु. पाइप लाइन पासलरपूडि—8 से पासलरपूडि—9

राज्य : आंध्र प्रदेश

मंडल : अन्नवरम

जिला : पूरब गोंदावरी

गांव	घार. एस. नं.	हेक्टास	एर्स	सेन्टियस	एकड़	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
बोडसकुरु	188	0	04	5	0	11
	165/1B2	0	10	5	0	26
	165/1B3	0	01	0	0	02
	165/1C/1B	0	11	0	0	27
	165/1E	0	02	5	0	06
	164/3H Part	0	07	5	0	18
	164/3G2	0	01	5	0	04
	149/1F2	0	02	0	0	05

1	2	3	4	5	6	7
	140/1C1	0	02	0	0	05
	158/3 Part	0	09	0	0	22
	155/2	0	06	0	0	15
	156/3 Part	0	02	5	0	06
	155/1B	0	25	5	0	63
	155/4B	0	12	5	0	31
	149/1A	0	05	0	0	12
	5B2	0	05	5	0	13
	4A2	0	04	5	0	11
	189/5B	0	03	0	0	08
	287/1C	0	10	5	0	26
	189/7A2	0	08	0	0	20
	7B2	0	11	5	0	28
	173/1B	0	12	5	0	31
	189/8A2	0	01	0	0	03
	271/1B	0	08	0	0	20
	271/2B	0	09	5	0	23
	173/2B	0	06	0	0	15
	272/2 Part	0	19	5	0	48
	282/2B	0	03	0	0	08
	282/3A2	0	04	0	0	10
	282/3B2	0	05	5	0	14
	289/2	0	14	0	0	35
	288/1A2	0	05	0	0	12
	2B	0	08	5	0	21
	287/1B	0	04	0	0	10
	286/2D2	0	03	5	0	09
	119/2B	0	05	5	0	13
	286/2B2	0	02	5	0	06
	120/1B	0	04	5	0	11
	3B	0	03	0	0	08
	120/2	0	04	0	0	10
	119/1B	0	02	0	0	05
	119/3B	0	03	0	0	07
	119/1C	0	05	5	0	13
	117/9B2	0	01	5	0	04
	302/1A	0	02	5	0	06
	296/5B	0	05	5	0	13
	296/8B	0	03	0	0	08
	296/9B	0	03	0	0	08
	186/1A2	0	06	0	0	15
	186/2B2	0	02	5	0	06
	118/8B2	0	08	5	0	21
	9B	0	08	5	0	21
	281	0	01	5	0	04
	148	0	01	0	0	02
	301	0	01	0	0	02
	154	0	01	0	0	03
		0	29	0	8	13

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2746.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlupudi-8 to Pasarlupudi-9 in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and

Minerals pipelines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROU Row line from Pasarlupudi-8 to Pasarlupudi 9.

State : Andhra Pradesh

Mandal : Allavaram

District : East Godavari

Village	Survey No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Centiares
1	2	3	4	5	6	7
Bodaskurru	188	0	04	5	0	11
	165/1B2	0	10	5	0	26
	165/1B3	0	01	0	0	02
	165/1C/1B	0	11	0	0	27
	165/1E	0	02	5	0	06
	164/3H Part	0	07	5	0	18
	164/3G2	0	01	5	0	04
	149/1F2	0	02	0	0	05
	149/1C1	0	02	0	0	05
	158/3 Part	0	09	0	0	22
	156/2	0	06	0	0	15
	156/3 Part	0	02	5	0	06
	155/1B	0	25	5	0	63
	155/4B	0	12	5	0	31
	149/1A	0	05	0	0	12
	5B2	0	05	5	0	13
	4A2	0	04	5	0	11
	189/5B	0	03	0	0	08
	287/1C	0	10	5	0	26
	189/7A2	0	03	0	0	20
	7B2	0	11	5	0	28
	173/1B	0	12	5	0	31
	189/8A2	0	01	0	0	03
	271/1B	0	08	0	0	20
	271/2B	0	09	5	0	23
	173/2B	0	06	0	0	15
	272/2 Part	0	19	5	0	48
	282/2B	0	03	0	0	06
	282/3A2	0	04	0	0	10
	282/3B2	0	05	5	0	14
	289/2	0	14	0	0	35
	288/1A2	0	05	0	0	12
	2B	0	08	5	0	21
	287/1B	0	04	0	0	10
	286/2D2	0	03	5	0	09
	119/2B	0	05	5	0	13
	286/2B	0	03	5	0	09
	286/2B2	0	02	5	0	06
	120/1B	0	04	5	0	11
	3B	0	03	0	0	08
	120/2	0	04	0	0	10

1	2	3	4	5	6	7
	119/1B	0	02	0	0	05
	119/3B	0	03	0	0	07
	119/1C	0	05	5	0	13
	117/9B2	0	01	5	0	04
	392/1A	0	02	5	0	06
	296/5B	0	05	5	0	13
	296/8B	0	03	0	0	08
	296/9B	0	03	0	0	08
	186/1A2	0	06	0	0	15
	186/2D2	0	02	5	0	06
	118/8B2	0	08	5	0	21
	9B	0	08	5	0	21
	281	0	01	5	0	04
	148	0	01	0	0	02
	301	0	01	0	0	02
	154	0	01	0	0	03
		3	29	0	8	13

[No. O-12016/6(17)/97-ONG-D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2747.— अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पार्सलपूडि—12 से पार्सलपूडि—10 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन नेट तथा प्राकृतिक गैस आयोजना द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लक्ष्यों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्भावद्व अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्द्वारा घोषित किया है।

बताने कि उक्त भूमि में हितयुक्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, नेट तथा प्राकृतिक गैस आयोजना, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामंदी—533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर.ओ.यू. पाइप लाइन पार्सलपूडि—12 से पार्सलपूडि—10

स्टेट : आन्ध्र प्रदेश

मंडल : मामिडिकूरु

जिला : पूरबि गोदावरी

गांव	आर. ओ. सं.	हेक्टास	एंस	सेन्टियर्स	एकस	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
पार्सलपूडि	322/2	0	18	0	0	44
	327/2	0	37	5	0	94
	331/2	0	11	0	0	27
	332/1B	0	04	5	0	11
	332/2B	0	06	0	0	15
	333/1B	0	09	5	0	23
	334/1A2	0	05	5	0	13
	334/2A	0	04	0	0	10
	334/2B/2	0	08	0	0	20
	329	0	02	0	0	05
	330	0	01	0	0	02
		1	07	0	2	64

[सं. ओ.-12016/6 (18)/ 97—ओ एन जी-डी—IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2747.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi-12 to Pasarlapudi-10 in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipelines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, K. G. Project, Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

EOU Rlow line from Pasarlapudi-12 to Pasarlapudi-10

State : Andhra Pradesh

Mandal : Manidikuduru

District : East Godavari

Village	Survey No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
	322/2	0	18	0	0	44
	327/2	0	37	5	0	94
	331/2	0	11	0	0	27
	332/1B	0	04	5	0	11
	332/2B	0	06	0	0	15
	333/1B	0	09	5	0	23
	334/1A2	0	05	5	0	13
	334/2A2	0	04	0	0	10
	334/2B/2	0	08	0	0	20
	329	0	02	0	0	05
	330	0	01	0	0	02
		1	07	0	2	64

[No. O-12016/6 (18)/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2748:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में साटिपाक-14 से साटिपाक-13 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और बेखर्चाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामंदी—533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐमा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनियमित, यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

गांव	आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टस	
1	2	3	4	5	6	7	
कडलि		510/1B	0	05	0	0	12
		508/1B	0	07	5	0	18½
		340/2	0	23	0	0	57
		341/2	0	05	0	0	12½
		342/9B	0	02	0	0	05
		342/1051	0	03	0	0	07
		342/1062	0	06	5	0	16½
		342/10B3	0	02	5	0	06
		342/11B	0	05	0	0	12
		343/1B	0	14	5	0	36
		343/2B	0	07	0	0	17½
		345/14B	0	03	0	0	07½
		345/14B	0	04	5	0	11
		347/2A2	0	00	5	0	01
		347/2E2	0	01	0	0	02
		348/2	0	09	0	0	23
		349/1A2	0	05	0	0	13
		349/2B1A	0	03	0	0	07
		349/1C2	0	01	0	0	02
		349/2B1B	0	06	0	0	16
		349/4A	0	03	5	0	01
		349/5A26C2	0	01	0	0	02
		349/1C1	0	01	0	0	03
		349/6A2	0	01	0	0	03
		349/7A2	0	10	0	0	25
		349/5B2	0	01	0	0	03
		349/9A	0	01	0	0	02
		350/1B	0	04	0	0	10
		350/2A2	0	07	5	0	19
		350/2B2/A	0	05	0	0	13
		350/2B2/B	0	01	0	0	03
		350/2B3	0	02	0	0	05
		350/3C2	0	12	5	0	31
		350/4D/1A	0	04	5	0	11½
		350/4D/1B	0	04	0	0	10
			1	70	0	4	24
गेदाड		80/2A	0	02	0	0	05
		80/2B	0	04	0	0	10
		79/1B1	0	09	0	0	22
		78/1B1	0	02	5	0	06
		78/1B3	0	04	0	0	10½
		79/1B2	0	01	0	0	03
		79/1B3	0	02	5	0	06
		79/1B4	0	08	0	0	20
		79/1B5	0	03	0	0	08

1	2	3	4	5	6	7
	78/1B2	0	05	5	0	13
	78/2A	0	00	5	0	01
	77/1B	0	25	0	0	63
	74/9B1	0	02	5	0	06
	74/8B2	0	05	5	0	13½
	74/10A	0	06	0	0	15½
		0	81	0	2	02½

[सं. प्रो. 12016/6 (19)/97-प्रो एन जी/डी -IV]

एम. माटिम, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2748.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tatipaka-14 to Tatipaka-13 in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the petroleum and

Minerals Pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division K. G. Project Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

ROU Flow Line from Tatipaka 14 to Tatipaka 13

District : East Godavari

Mandal : Rajole

State : Andhra Pradesh

Village	Survey No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6	7
Kadali	510/1B	0	05	0	0	12
	508/1B	0	07	5	0	18½
	340/2	0	23	0	0	57
	341/2	0	05	0	0	12½
	342/9B	0	02	0	0	05
	342/10B1	0	03	0	0	07
	342/10B2	0	06	5	0	16½
	342/10B3	0	02	5	0	06
	342/11B	0	05	0	0	12
	343/1B	0	14	5	0	36
	343/2B	0	07	0	0	17½
	345/14B	0	03	0	0	07½
	345/14B	0	04	5	0	11
	347/2A2	0	00	5	0	01
	347/2E2	0	01	0	0	02
	348/2	0	09	0	0	23
	349/1A2	0	05	0	0	13
	349/2B1A	0	03	0	0	07
	349/1C2	0	01	0	0	02
	349/2B1B	0	06	0	0	16
	349/4A	0	00	5	0	01
	349/5A26C2	0	01	0	0	02
	349/1C1	0	01	0	0	03
	349/6A2	0	01	0	0	03
	349/7A2	0	10	0	0	25
	349/5B2	0	01	0	0	03

1	2	3	4	5	6	7
Kadali—(contd.)	349/9A	0	01	0	0	02
	350/1B	0	04	0	0	10
	350/2A2	0	07	5	0	19
	350/2B2/A	0	05	0	0	13
	350/2B2/B	0	01	0	0	03
	350/2B3	0	02	0	0	05
	350/3C2	0	12	5	0	31
	350/4D/A	0	04	5	0	11½
	350/4D/1B	0	04	0	0	10
		1	70	0	4	24
Geddada	80/2A	0	02	0	0	05
	80/2B	0	04	0	0	10
	79/1B1	0	09	0	0	22
	78/1B1	0	02	5	0	06
	78/1B3	0	04	0	0	10½
	79/1B2	0	01	0	0	03
	79/1B3	0	02	5	0	06
	79/1B4	0	08	0	0	20
	79/1B5	0	03	0	0	08
	78/1B2	0	05	5	0	13
	78/2A	0	00	5	0	01
	77/1B	0	25	0	0	63
	74/9B1	0	02	5	0	06
	74/9B2	0	05	5	0	13½
	74/10A	0	06	0	0	15
		0	81	0	2	02½

[No. O-12016/6(19)/97-ONGDD-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

कां.अं० 2748—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आंध्र प्रदेश राज्य में पासहरापूर्विक-13 से पासहरापूर्विक 10 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों की बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाषाण अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग के० जी० प्रोजेक्ट, राजगुंजी 533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी बताने करेगा है कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी मुनबाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

ठाइबूल

आर. आ. यू. पाइप लाइन : पासलरापूडि-13 से पासलरापूडि-10

राज्य : आंध्र प्रदेश	मंडल : मामिडिकुदुरु	जिला : पूरब गोदावरी				
गांव	आर. एस. नं.	हेक्टेयर्स	ए.सं	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
पासलरापूडि	310/1B1	0	01	0	0	02
	315/B5	0	01	0	0	02
	310/1C/2	0	04	0	0	10
	315/4B	0	04	0	0	10
	317/2B	0	14	0	0	35
	318/1B	0	02	5	0	06
	327/2	0	05	0	0	12
	317/1B	0	03	0	0	07
	309/2	0	01	5	0	04
	320/2	0	01	0	0	03
		0	37	0	0	91

[सं. ओ. --12016/6 (20)/97--ओ एन जीडी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2749.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Rasarlapudi-13 to Pasarlapudi-10 in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the petroleum and Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land)

Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, construction & Maintenance division K. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practioner.

ROU Flow line from Pasarlapudi 13 to Pasarlapudi 10

State : Andhra Pradesh	Mandal : Mamidikuduru	District : Esst Godawari				
Village	S.No.	Hectates	Ares	Centiares	Acres	Cents
	310/1B1	0	01	0	0	02
	315/5B	0	01	0	0	2
	3101/C2	0	04	0	0	10
	315/4B	0	04	0	0	10
	317/2B	0	14	0	0	35
	318/1B	0	02	5	0	06
	327/2	0	05	0	0	12
	317/1B	0	03	0	0	07
	309/2	0	01	5	0	04
	320/2	0	01	0	0	03
		0	37	0	0	91

[No. O-12016/6(20)/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर, 1997

का. आ. 2750. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में पार्लमण्ड्री-17 में ताटिपाका जि. सी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामंद्री-533103 को दृग अधिसूचना की तारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति बिनिधिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

आर.ओ.यू. पाइप लाइन : पार्लमण्ड्री-17 से ताटिपाका जि.सी.एस. स्टेट : आंध्र प्रदेश मंडल : मामिडिकुडुरु
जिला : पूरब गोदावरी

गांव	आर. एस. नं.	हक्केयर्स	एर्स	मेन्टियर्स	एकर्स	सेन्ट्स
1	2	3	4	5	6	7
पार्लमण्ड्री		285/1A2	0	06	0	15
		285/4A2	0	06	0	15
		279/4B2	0	12	0	30
		279/4C				
		243/6B	0	26	0	64
		243/4B,5B				
		279/4B,2B	0	20	5	51
		242/1	0	06	0	15
		242/2	0	10	5	26
		242/3	0	03	0	09
		242/4	0	18	0	44
		241/3B	0	04	5	11
		241/3C	0	08	5	21
		234/4B	0	06	5	16
		233/6B	0	05	5	14
		233/4B	0	10	0	25
		233/4C	0	09	5	23
		233/3B	0	07	0	17
		233/2B	0	12	0	30
		165pt.	0	03	0	07
		164/18pt.	0	04	0	10
		166/2B	0	05	0	12
		172/1B	0	29	5	73
		171/2B	0	03	0	08
		171/2C, 1B	0	14	5	36

1	2	3	4	5	6	7
	170/2A2	0	08	0	0	20
	169/1B	0	06	5	0	16
	226/3B, 2B	0	16	0	0	40
	226/1B	0	10	0	0	25
	184/3B	0	08	0	0	20
	183/1B	0	07	5	0	19
	185/2B	0	02	0	0	05
	185/2C	0	02	0	0	05
	185/2D	0	12	0	0	30
	185/1B2	0	03	0	0	07
		3	06	0	7	59

[सं. अं. —12016/6(21)/97—ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2750.—Whereas it appear to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Pasarlapudi-17 to Tatipaka-G.C.S. in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the petroleum and

Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, construction & Maintenance division E. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be hear in person or by legal practitioner.

ROU flow line from Pasarlapudi -17 to Tatipaka GCS

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : E.G. District

Village	S.No.	Hectares	Ares	Centiares	Acres	Cents
PASARLAPUDI	285/1A2	0	06	0	0	15
	284/4B2	0	06	0	0	15
	279/4B2	0	12	0	0	30
	279/2C					
	243/6B	0	26	0	0	64
	243/4B,5B					
	279/4B,2B	0	20	5	0	51
	242/1	0	06	0	0	15
	242/2	0	10	5	0	26
	242/3	0	03	0	0	09
	242/4	0	18	0	0	44
	241/3B	0	04	5	0	11
	241/3C	0	08	5	0	21
	234/4B	0	06	5	0	16
	233/6B	0	05	5	0	14
	233/4B	0	10	0	0	25
	233/4C	0	09	5	0	23
	233/3A	9	07	0	0	17
	233/2B	0	12	0	0	30
	165pt.	9	03	0	0	07
	164/18pt.	0	04	0	0	10
		1	79	0	4	43

1	2	3	4	5	6	7
	166/2B	0	05	0	0	12
	172/1B	0	29	5	0	73
	171/2B	0	03	0	0	08
	171/2C, 1B	0	14	5	0	36
	170/2A2	0	08	0	0	20
	169/1B	0	06	5	0	16
	226/3B, 2B	0	16	0	0	40
	226/1B	0	10	0	0	25
	184/3B	0	08	0	0	20
	183/1B	0	07	5	0	19
	185/2B	0	02	0	0	05
	185/2C	0	02	0	0	30
	185/2D	0	12	0	0	05
	185/1B2	0	03	0	0	07
		3	06	0	7	59

[No. O-12016/6(21)/97-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का०आ० 2751:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में ताटिपाका-9 से ताटिपाका जि सी एस तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के.जी. प्रोजेक्ट राजामंद्री-533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

आर ओ यू पाइप लाइन: ताटिपाका-9 से ताटिपाका जि सी एस

स्टेट : आंध्र प्रदेश

मंडल : राजोल

जिला : पूरब गोदावरी

गांव	आर एस नं	हैक्टास	एस	सेन्टीएस	एकस	सेन्टस
1	2	3	4	5	6	7
नगरम	92/1A	0	04	0	0	10
	92/2	0	16	0	0	40
	92/3	0	32	5	0	80

1	2	3	4	5	6	7
नगरम	92/4	0	07	5	0	18
	92/5	0	10	0	0	25
	92/6	0	02	0	0	05
	95/3B	0	05	5	0	13
	95-3C	0	10	5	0	26
	95/3D }	0	20	0	0	49
	1B2 }					
	1A2 }					
	104/Pt.	0	03	0	0	07
	103/3A2 }	0	17	0	0	42
	3B }					
	102/5B	0	15	0	0	37
	102/3B }	0	05	5	0	13
	2B }					
	102/1B	0	05	5	0	13
	102/1C	0	06	0	0	15
	102/1B	0	09	5	0	23
	109/Pt.	0	01	5	0	04
	110/2B	0	11	5	0	28
	110/2C	0	02	0	0	05
	110/2D }	0	11	0	0	27
	111/3B }					
	111/4C2	0	08	5	0	21
	112/3A }					
	3B }	0	13	0	0	32
	3C }					
	159/Pt.	0	04	0	0	10
	62/11B	0	16	0	0	40
	62/11C	0	06	0	0	15
	61/Pt.	0	04	5	0	11
	164/2	0	04	0	0	10
	164/3	0	04	0	0	10
	164/4	0	03	5	0	09
	164/5	0	04	0	0	10
	164/6	0	12	0	0	30
	165/7B	0	10	0	0	25
	165/6B	0	07	5	0	19
	165/6C }	0	12	5	0	31
	6D }					
	165/6E	0	04	0	0	10
	Total	3	07	0	7	63
सेवा	20/4B	0	06	5	0	16
	16/3B	0	19	0	0	47
	16/2B	0	10	0	0	25
	15/1B2	0	10	5	0	26
	14/3A3	0	20	0	0	49
	14/3A4	0	03	0	0	07
	14/1A2	0	01	0	0	03
	92/1	0	01	0	0	03
		0	71	0	1	76

[सं. श्रो.-12016/6(22)/97-श्रो एन जी-डी-IV]

एम० मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2751.--Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tatipaka-9 to Tatipaka-G.C.S. in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of section 3 of the petroleum and

Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, construction & Maintenance division K. G. Project Rajahmundry (533103).

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

ROW Flow line from Tatipaka-9 to Tatipaka-GCS

State : Andhra Pradesh	Mandal : Razole	District : EG District				
Village	S.No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Nagaram	92/1A	0	04	0	0	10
	92/2	0	16	0	0	40
	92/3	0	32	5	0	80
	92/4	0	07	5	0	18
	92/5	0	10	0	0	25
	92/6	0	02	0	0	05
	95/3B	0	05	5	0	13
	95-3C	0	10	5	0	26
	95/3D	0	20	0	0	49
	1B2	}	0	03	0	07
	1A2					
	104/Pt	}	0	17	0	42
	103/3A2					
	3B	}	0	15	0	37
	102/5B					
	102/3B	}	0	05	5	13
	2B					
	102/1B	0	05	5	0	13
	102/1C	0	06	0	0	15
	102/1B	0	09	5	0	23
	109/Pt	0	01	5	0	04
	110/2B	0	11	5	0	23
	110/2C	0	02	0	0	05
	110/2D	}	0	11	0	27
	111/3B					
	111/4C2	0	08	5	0	21
	112/3A	}	0	13	0	32
	3B					
	3C					
	159/Pt	0	04	0	0	10
	62/11B	0	16	0	0	40
	62/11C	0	06	0	0	15
	61/Pt	0	04	5	0	11
	164/2	0	04	0	0	10
	163/3	0	04	0	0	10
	164/4	0	03	5	0	09
	164/5	0	04	0	0	10
	164/6	0	12	0	0	30
	165/7B	0	10	0	0	25
	165/6B	0	07	5	0	19
	165/6C	}	0	12	5	31
	6D					
	165/6E	0	04	0	0	10
Total		3	07	0	7	63

1	2	3	4	5	6	7
Geddada	20/4B	0	06	5	0	16
	16/3B	0	19	0	0	47
	16/2B } 15/1B2 }	0	10	0	0	25
	14/3A3	0	10	5	0	26
	14/3A4	0	20	0	0	49
	14/1A2	0	03	0	0	07
	92/1	0	01	0	0	03
		0	71	0	1	76

[No. O-12016/6 (22)/97-ONG-D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 1997

का. आ. 2752.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि आन्ध्र प्रदेश राज्य में ताटिपाका—13 से जि. सि. एस. ताटिपाका तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि एसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, के. जी. प्रोजेक्ट, राजामुंद्री—533103 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

गांव	आ. एस. नं.	हेक्टेयर्स	एर्स	सेन्टियर्स	एकर्स	सेन्टर
1	2	3	4	5	6	7
गेदाड						
	74/8B	0	00	5	0	00½
	74/9B	0	12	0	0	30
	77/1	0	12	0	0	30
	77/2B	0	06	0	0	15
	76/2	0	03	0	0	08
	83/1B	0	18	0	0	45
	84/4B2	0	14	0	0	33½
	84/8B1	0	03	0	0	07
	106/1B1	0	08	0	0	20
	84/2B	0	09	5	0	24
	85/2	0	01	5	0	04
	113/5B1	0	07	5	0	19
	113/5B2	0	07	0	0	17½
	20/3B2	0	01	0	0	01½
	114/4B1	0	14	5	0	36
	114/4B2	0	14	0	0	35
	120/1B	0	17	0	0	43
Total		1	48	5	3	68-3/4

1	2	3	4	5	6	7
Geddada	120/2B	0	11	5	0	29
	121/2B1	0	02	0	0	05
	122/5A1	0	04	5	0	11
	121/2B2	0	02	0	0	05
	122/5A2	0	01	0	0	02½
	122/6A	0	05	0	0	13
	121/3B1	0	01	0	0	03½
	121/3B2	0	01	0	0	03½
	122/1B	0	03	5	0	09
	122/2A	0	00	5	0	00½
	122/3B	0	11	0	0	27
	106/1B2	0	11	0	0	28
	109/2	0	01	5	0	04
	108/1B	0	00	5	0	01½
	108/2A	0	00	5	0	01½
	107/2	0	03	0	0	08
Total		2	08	0	5	20½
	106/2B	0	02	0	0	06
	106/4A	0	02	0	0	04½
	106/3A1	0	01	0	0	02½
	106/3A2	0	02	0	0	04½
	103/2A	0	08	5	0	20½
	103/2B	3	24	0	0	60
	138/2B	0	02	0	0	05
	138/2A	0	09	5	0	22½
	104/1	0	01	5	0	04
	139/2	0	02	0	0	06
	140/8B	0	03	0	0	08
	17/2A	0	09	0	0	22
	17/2B	0	00	5	0	01½
	17/2C	0	09	0	0	22
	17/2D	0	10	5	0	26½
	19/6A	0	02	5	0	06½
Total		2	97	0	7	42½
	20/2B	0	14	0	0	34
	20/3B1	0	04	5	0	11½
	20/4B	0	05	5	0	14
	11/2B	0	04	0	0	10
	11/2B2	0	16	5	0	41
	11/2B3	0	17	0	0	43
	12/1B1	0	04	0	0	10
	12/1B2	0	12	0	0	30½
	12/2B	0	03	0	0	07
	13/1A2	0	01	0	0	03
	13/1B2	0	00	5	0	01½
	13/2B/1A	0	07	0	0	17
	13/2B/1B	0	08	5	0	21
	13/2B/1C	0	10	0	0	25
Total		4	04	5	10	11½

1	2	3	4	5	6	7
Geddada	92/1B1	0	08	5	0	21
	32/5B	0	03	0	0	08½
	32/8B	0	01	0	0	2½
	92/1B	0	10	0	0	25
	92/1B/3	0	10	5	0	26
	92/2B	0	01	0	0	02½
	95/2A	0	04	0	0	10
	97/4B	0	01	0	0	02
	96/1B	0	23	5	0	58½
	96/2A	0	01	0	0	02½
	98/2	0	03	0	0	08
	103/1B	0	05	0	0	13
	102/5A/2	0	15	0	0	37
	101/3B/2	0	07	0	0	18
	101,3A/2	0	02	5	0	06
	Total	0	96	0	2	40½
	101/3D/2	0	01	0	0	01½
	101/4B	0	01	0	0	01½
	101/5A1	0	05	0	0	13
	101/5B1	0	06	0	0	15
	101/5C2	0	14	0	0	34
	109/2	0	02	0	0	06
	110/2B	0	11	0	0	27
	111/3A,5B	0	00	5	0	00½
	111/3A,6B	0	07	5	0	18½
	111/4A/2A	0	13	0	0	32
	111/4A/2B	0	02	0	0	05
	112/1A/1	0	05	0	0	12
	112/1B/1A	0	03	0	0	07
	159/2B	0	03	0	0	09
	158/8B	0	05	5	0	14
	158/9A/2	0	15	0	0	38
	158/9B/1	0	03	0	0	09
	163/2	0	07	0	0	17½
	Total	2	00	5	5	01

1	2	3	4	5	6	7
	164/1A/2	0	13	0	0	32
	164/1B/2	0	03	5	0	09
	164/1E/2	0	04	0	0	09½
	164/1F/2	0	04	0	0	09½
	164/1G/2	0	04	5	0	11
	165/7A	0	03	0	0	08
	32/3B	0	03	0	0	08
	165/7B/1	0	07	5	0	18½
	165/5B	0	04	0	0	10
	165/6B	0	11	5	0	28½
	165/6C	0	10	0	0	24½
	32/4B	0	03	0	0	08½
	167/1A/1	0	03	0	0	07
	Total	2	74	5	6	85

[सं. आ. - 12016/6 (23)/97-ओ एन जी-डी IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 14th October, 1997

S.O. 2752.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Tatipaka-13 to Tatipaka-G.C.S. in A. P. State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas, it appear that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of the section 3 of the Petroleum and

SCHEDULE

EOU Flow line from Tatipaka-13 to Tatipaka G.C.S.

State : Andhra Pradesh

Mandal : Mamidikuduru

District : East Godavari

Village	S.No.	Hectars	Ares	Centiares	Acres	Cents
Geddada	74/8B	0	00	5	0	00½
	74/9B	0	12	0	0	30
	77/1	0	12	0	0	30
	77/2B	0	06	0	0	15
	76/2	0	03	0	0	08
	83/1B	0	18	0	0	45
	84/4B2	0	14	0	0	33½
	84/8B1	0	03	0	0	07
	106/1B1	0	08	0	0	20
	84/2B	0	09	5	0	24
	85/2	0	01	5	0	04

Minerals pipe lines (acquisition of right of user in the land) Act, 1962 the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipe line under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, construction & Maintenance division K. G. Project Rajahmundry-533 103.

And every person making such an objection shall also state specifically where he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

1	2	3	4	5	6	
Geddada	113/5B1	0	07	5	0	19
	113/5B2	0	07	0	0	17½
	20/3B2	0	01	0	0	01½
	114/4B1	0	14	5	0	36
	114/4B2	0	14	0	0	35
	120/1B	0	17	0	0	43
	Total	1	48	5	3	68½
	120/2B	0	11	5	0	29
	121/2B1	0	02	0	0	05
	122/5A1	0	04	5	0	11
	121/2B2	0	02	0	0	05
	122/5A2	0	01	0	0	02½
	122/6A	0	05	0	0	13
	121/3B1	0	01	0	0	03½
	121/3B2	0	01	0	0	03½
	122/1B	0	03	5	0	09
	122/2A	0	00	5	0	00½
	122/3B	0	11	0	0	27
	106/1B2	0	11	0	0	28
	109/2	0	01	5	0	04
	108/1B	0	00	5	0	01½
	108/2A	0	00	5	0	01½
	107/2	0	03	0	0	08
	Total	2	08	0	5	20½
	106/2B	0	02	0	0	06
	106/4A	0	02	0	0	04½
	106/3A1	0	01	0	0	02½
	106/3A2	0	02	0	0	04½
	103/2A	0	08	5	0	20½
	103/2B	0	24	0	0	60
	138/2B	0	02	0	0	05
	138/2A	0	09	5	0	22½
	104/1	0	01	5	0	04
	139/2	0	02	0	0	06

1	2	3	4	5	6	7
Geddada	140/8B	0	03	0	0	08
	17/2A	0	09	0	0	22
	17/2B	0	00	5	0	01½
	17/2C	0	09	0	0	22
	17/2D	0	10	5	0	26½
	19/6A	0	02	5	0	06½
	Total	2	97	0	7	42½
	20/2B	0	14	0	0	34
	20/3B1	0	04	5	0	11½
	20/4B	0	05	5	0	14
	11/2B	0	04	0	0	10
	11/2B2	0	16	5	0	41
	11/2B3	0	17	0	0	43
	12/1B1	0	04	0	0	10
	12/1B2	0	12	0	0	30½
	12/2B	0	03	0	0	07
	13/1A2	0	01	0	0	03
	13/1B2	0	00	5	0	01½
	13/2B/1A	0	07	0	0	17
	13/2B/1B	0	08	5	0	21
	13/2B/1C	0	10	0	0	25
	Total	4	04	5	10	11½
Nagaram	92/1B1	0	08	5	0	21
	32/5B	0	03	0	0	08½
	32/8B	0	01	0	0	02½
	92/1B/2	0	10	0	0	25
	92/1B/3	0	10	5	0	26
	92/2B	0	01	0	0	02½
	95/2A	0	04	0	0	10
	97/4B	0	01	0	0	02
	96/1B	0	23	5	0	58½
	96/2A	0	01	0	0	02½
	98/2	0	03	0	0	08
	103/1B	0	05	0	0	13
	102/5A/2	0	15	0	0	37
	101/3B/2	0	07	0	0	18
	101/3A/2	0	02	5	0	06
	Total	0	96	0	2	40½

1	2	3	4	5	6	7
Nagaram	101/3D/2	0	01	0	0	01½
	101/4B	0	01	0	0	01½
	101/5A1	0	05	0	0	13
	101/5B1	0	06	0	0	15
	101/5C2	0	14	0	0	34
	109/2	0	02	0	0	06
	110/2B	0	11	0	0	27
	111/3A,5B	0	00	5	0	00½
	111/3A,6B	0	07	5	0	18½
	111/4A/2A	0	13	0	0	32
	111/4A/2B	0	02	0	0	05
	112/1A/1	0	05	0	0	12
	112/1B/1A	0	03	0	0	07
	159/2B	0	03	0	0	09
	158/8B	0	05	5	0	14
	158/9A/2	0	15	0	0	38
	158/9B/1	0	03	0	0	09
	163/2	0	07	0	0	17½
	Total	2	00	5	5	01
	164/1A/2	0	13	0	0	32
	164/1B2	0	03	5	0	09
	164/1E/2	0	04	0	0	09½
	164/1F/2	0	04	0	0	09½
	164/1G/2	0	04	5	0	11
	165/7A	0	03	0	0	08
	32/3B	0	03	0	0	08
	165/7B/1	0	07	5	0	18½
	165/5B	0	04	0	0	10
	165/6B	0	11	5	0	28½
	165/6C	0	10	0	0	24½
	32/4B	0	03	0	0	08½
	167/1A/1	0	03	0	0	07
	Total	2	74	5	6	85

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1997

क्र. आ. 2753.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में वाडीनार से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये " भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड " द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिये ;

और कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का आशय घोषित करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियों साधारण जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 (इक्कीस दिन) के भीतर, उनमें उपयोग के अधिकार के अर्जन या भूमि में पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में आक्षेप लिखित रूप से श्री दीपक देशपांडे, सक्षम प्राधिकारी, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड, 31 वार्ड, जैन तख्तमल कॉलोनी, सिविल लाईन, मेन रोड, विदिशा-464001 म. प्र. को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : राजगढ़	बिस्वा : राजगढ़	राज्य : मध्य प्रदेश
गाँव का नाम	सर्वे क्रमांक	क्षेत्रफल हैक्टेयर/आरे
(1)	(2)	(3)
रसूलपुरा	7 / 3 / 1	0.280
	7 / 3 / 2	0.280
	9	0.306
	10	0.080
	12 / 1	0.010
	13	0.408
	15 / 1	0.408
	15 / 2	0.120
	17	0.294
	18	0.255
	19	0.070
	33	0.100

कल्पोनि

(1)	(2)	(3)
	34	0.557
	35	0.037
	36	0.010
	39 / 1	0.020
	39 / 2	0.010
	40	0.350
	41	0.036
	42 / 1	0.528
	94	0.200
	96 / 1	0.150
	175 / 1	0.030
	175 / 2	0.010
	177	0.310
	178 / 1	0.230
	178 / 2	0.020
	179 / 1	0.160
	179 / 2	0.040
	181	0.010
	192	0.112
	224	0.260
	227	0.051
	228	0.120
	229	0.180
	230	0.230
	231	0.300
	248	0.140
	251	0.160
	254	0.054
	256	0.140
	257	0.250
	374 / 1	0.180
	374 / 2	0.060
	374 / 4	0.060
	375	0.180
	376	0.010
	377	0.110
	378	0.150
	379	0.460
	380	0.160
	385	0.220
	390	0.100
	391	0.030
	392	0.110
	399	0.030
	402	0.450
	403 / 1	0.190
	403 / 2	0.010
	404	0.025
	405	0.052
	407	0.246
	408	0.010
	413	0.020

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	438	0.340		809	0.083
	439	0.330		810	0.235
	567	0.061		811	0.040
	568	0.013		875	0.360
	573	0.100		876	0.010
	694	0.310		877	0.320
	695 / 1	0.150		880	0.021
	695 / 2			881	0.115
	695 / 3			882	0.115
	695 / 4			884	0.120
	697	0.068		1019	0.010
	698	0.180		1020	0.030
	707 / 1	0.010		1021	0.021
	708	0.245		1023	0.030
	709 / 1	0.073		1038	0.010
	740	0.030		1039	0.094
	743	0.170		1040 / 1	0.088
	747 / 1	0.370		1041	0.010
	747 / 2	0.320		1049	0.020
	748	0.010		1051	0.030
पादित्यालेदी	18	0.060		1052	0.236
	20	0.084		1053	0.136
	21	0.067		1054	0.044
	38	0.010		1062	0.030
	39	0.170		1069	0.010
	47 / 2	0.121		1070	0.060
	48 / 1	0.050		1071	0.060
	48 / 2			1072	0.060
	48 / 3			1073	0.060
	48 / 4			1074	0.060
	49	0.540		1075	0.145
	50	0.010		1078 / 1	0.070
	51	0.127		1079	0.060
	52	0.336		1080	0.060
	58 / 1	0.010		1081 / 1	0.020
	59 / 1	0.050		1081 / 2	0.020
	59 / 2	0.430		1081 / 3	0.020
	62 / 2	0.030		1081 / 4	0.020
	370	0.010		1098	0.031
	373 / 1	0.110		1099 / 1	0.040
	796	0.067		1099 / 2	0.035
	797 / 1	0.100		1100	0.010
	797 / 2	0.060		1101 / 2	0.140
चौसत्ता	798	0.010		1101 / 3	0.080
	493	0.010		1101 / 4	0.080
	774	0.440		1103	0.057
	776	0.162		1104	0.010
	776 / 1204	0.110		1129 / 4	0.114
	781	0.250		1130	0.020
	782	0.152		1131	0.091
	783	0.280		1132	0.120
	784	0.250		1133	0.100
	786	0.272			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	1134	0.070		706	0.200
	1135	0.010		731	0.040
	1138	0.130		732 / 2	0.020
	1140	0.110		732 / 3	0.050
	1141	0.180		734 / 2	0.256
	1142	0.021		736 / 1	0.160
	1149	0.200		736 / 3	0.280
	1150	0.010		736 / 4	0.030
तुमडियाखेड़ी	6	0.290		755	0.030
	12	0.020		758	0.030
	13	0.120		762	0.140
	14	0.088		763 / 1	0.095
	15 / 1	0.420		763 / 2	0.050
	15 / 2	0.085		764	0.042
	16	0.078		765 / 1	0.026
	20	0.220		765 / 2	0.034
	22	0.110		767 / 1	0.040
	23	0.040		768	0.130
	34	0.030		769	0.020
	35	0.194		771	0.013
	37	0.160		772 / 1	0.010
	38	0.330		778	0.082
	39 / 1	0.200		800	0.010
	40	0.035		801 / 1	0.200
	50 / 1	0.160		801 / 2	0.270
	50 / 2	0.300		824	0.170
	53	0.450		825	0.310
	54	0.210	गोरसपुरा	65	0.024
	56	0.030		67	0.062
सजरी	161	0.430		68	0.165
	162 / 3	0.040		69	0.150
	361 / 860	0.190		70	0.075
	361	0.060		86	0.062
	340	0.051		87	0.320
	342 / 1	0.380		88	0.020
	344	0.390		89	0.201
	345	0.145		90	0.040
	347 / 1	0.110		91	0.024
	348	0.310		92 / 1	0.010
	349	0.160		107	0.160
	351 / 1	0.030		108	0.010
	351 / 2	0.320		111	0.230
	360	0.100		112	0.250
	384	0.070		113	0.030
	385	0.300		116	0.060
	389	0.030		181	0.010
	390	0.400		182	0.320
	392	0.052		183	0.060
	697	0.372		185	0.690
	698	0.147		186	0.105
	699	0.225		187	0.023
	705	0.430		190 / 2	0.040

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	201	0.360		492	0.030
	202	0.010		494	0.588
	224	0.011		495	0.275
	225	0.378		496	0.070
	226	0.010		498	0.011
	232	0.267		577 / 1	0.042
	233 / 1	0.282	किसनपुरिया	29 / 2	0.010
	233 / 2	0.010		31	0.400
	235	0.032		32 / 1 / 2	0.051
	236	0.129		33	0.210
	237	0.087		34	0.013
	238	0.100		36 / 1	0.030
	289	0.045		36 / 2	0.160
	307	0.320		37 / 1	0.030
	322	0.010		37 / 2	0.280
	326	0.304		38	0.010
	327	0.040		67 / 1	0.169
	329	0.030		67 / 2	0.030
	340	0.010		68 / 1	0.113
	342	0.373		76	0.025
	349	0.031		77	0.253
	361	0.100		80	0.010
	362 / 1	0.020		124 / 2	0.020
	362 / 2	0.020		124 / 3	0.150
	363	0.025		126	0.041
	364	0.030		127 / 1	0.100
	367	0.064		127 / 2	0.130
	368	0.017		134	0.087
	369	0.031		135	0.151
	372	0.010		136	0.064
	373	0.010		137	0.099
	374	0.060		138 / 1	0.340
	375	0.060		138 / 2	0.200
	376	0.080		146	0.157
	377	0.030		147	0.051
	379	0.010		148	0.112
	396	0.030		149	0.087
	397 / 1	0.120		150	0.013
	469	0.188		151	0.038
	470	0.115		152	0.025
	471	0.210		153	0.099
	472	0.137		160 / 1	0.253
	473	0.160		160 / 2	0.253
	475	0.241		194 / 2	0.440
	476 / 1	0.395		194 / 3	0.150
	476 / 2	0.110	कुडिबे	522 / 1	0.620
	478	0.200		522 / 2	0.290
	481	0.066		523 / 1	0.060
	482 / 944	0.240		523 / 2	0.180
	482 / 964	0.480		523 / 3	0.230
	490	0.010		523 / 4	0.210
	491	0.240		525 / 2	0.630

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	525 / 3	0.025		92	0.199
	525 / 4	0.240		94	0.280
	526 / 1	0.380		96	0.140
	526 / 3	0.038		97	0.099
सासपुरा	8 / 3	0.460		99	0.010
मोहकमपुरा	4 / 2	0.500	सोंगी	5	0.038
	9 / 1 / 1	0.010		7 / 1	0.060
	9 / 1 / 1	0.260		7 / 2	0.060
	10 / 2	0.370		9	0.051
	13 / 2	0.038		10	0.350
	14 / 2	0.330		53	0.051
	17 / 1	0.200		56 / 1	0.220
	17 / 2	0.180		56 / 2	0.060
	19 / 3	0.051		59 / 1	0.135
रानीपुरा	4 / 2	0.130		59 / 2	0.135
	6 / 3	0.580		63	0.340
	7 / 2	0.360		64 / 1	0.210
	9	0.070		64 / 2	0.025
	11	0.330	सामनखेड़ा	15 / 1 / 2	0.040
	13	0.038		21	0.210
	14	0.200		20	0.140
	19	0.070		24	0.240
	21	0.105		25	0.460
	24	0.080		36	1.020
	25	0.038		37	0.087
चैनपुरिया	14 / 1	0.051		39	0.038
	16	0.130	जैतपुरा	1 / 1 / 2	0.200
	17	0.310		1 / 1 / 3	0.230
	90	0.010		1 / 4	0.330
	91	0.170		2 / 1	0.030
	92	0.099		2 / 2	0.010
	93	0.110		2 / 3	0.240
	94	0.140		2 / 4	0.100
	95 / 2	0.010		2 / 5	0.280
	96	0.310		3 / 3	0.038
	97	0.070	पिपल्याखुर्द	254 / 3	0.230
सासपुरा	13	0.110		255 / 1	0.100
	14	0.180		255 / 2	0.310
	16	0.120		255 / 4	0.410
	20	0.110	किशनपुरिया खुर्द	49	0.025
	21	0.150		50	0.320
	22	0.140		51	0.076
	24	0.025		52	0.110
	28	0.038		54 / 1 / 3	0.050
	50	0.035		54 / 1 / 4	0.290
	51	0.160		54 / 1 / 7	0.700
	53	0.010		54 / 2	0.450
	54	0.170		54 / 3	0.290
	87	0.070		54 / 4	0.350
	88	0.051		54 / 5	0.140
	89	0.210		54 / 6	0.480
	91	0.076		54 / 11 / 1	0.100

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
उम्पुरिया	48 / 1 / 3	0.310		649	0.067
	48 / 2	0.260		657	0.270
	48 / 3	0.280		659 / 1 / 1	0.490
	48 / 4	0.270		673 / 2	0.140
	48 / 5	0.380	भोभरिया कर्ल	49	0.178
	62 / 1	0.240		51	0.010
	62 / 1 / 2	0.390		52	0.345
	62 / 1 / 3	0.250		53 / 1 / 2	0.380
	62 / 3	0.390		53 / 3 क	0.460
पिपलबें	62 / 4	0.240		54 / 1	0.322
	398	0.190		76	0.010
	399	0.080		77	0.080
	433 / 2	0.160		79 / 3	0.200
	437 / 1	1.000		81 / 1	0.310
	437 / 2	0.420		82 / 1	0.150
	450	0.087		89	0.240
	453	0.070		90	0.020
	454	0.099		91	0.220
	455	0.230		97	0.140
	458	0.072		105	0.100
	473	0.025		116 / 1 / 2	0.290
	474	0.300		118 / 1 / 1	0.250
	477	0.038		118 / 1 / 2	0.360
	478	0.025		118 / 1 / 3	0.219
	479	0.150		118 / 1 / 4	0.312
दिरमखेड़ी	480	0.120		118 / 1 / 5	0.156
	477	0.025		118 / 1 / 6	0.147
	483	0.680		118 / 1 / 7	0.110
	484	0.050		118 / 1 / 8	0.132
	491	0.200	गोलियांबे	219	0.880
	492	0.010		220	0.360
	494	0.025	बाजतलाई	6 / 6	0.200
	495	0.190	भोजपुरिया	1 / 1	0.060
	497	0.038		1 / 2	0.290
	501 / 3	0.240		4	0.240
	501 / 4	0.040		21	0.010
	502 / 2	0.140		26 / 1	0.150
	506	0.120		26 / 2	0.080
	508	0.110		26 / 3	0.075
	516 / 2 / 2	0.240		26 / 4	0.075
	516 / 2 / 3	0.172		26 / 5	0.100
	520	0.150		27	0.160
	527	0.099		28	0.340
	528	0.060		29	0.240
	531	0.102		30	0.010
	532	0.150		70	0.420
	607	0.038		74 / 2	0.250
	622	0.350		75 / 1 / 2	0.220
	644 / 2	0.210		75 / 1 / 1	0.160
	644 / 3	0.070			
	645	0.360			
	646	0.200			

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	98	0.010		358 / 2	
	100	0.340		358 / 3	0.140
	102	0.360		359	0.020
	103	0.051		362	0.010
	104	0.041		369 / 3	0.300
	105	0.200		369 / 4	0.240
देबसीकलौ	29	0.010		370	0.275
	40	0.040		371 / 2	0.030
	134 / 3	0.070		376	0.375
	134 / 4	0.100		377	0.380
	137	0.030	खेड़ी	320	0.090
	138	0.085		324	0.300
	142	0.150		325	0.210
	143	0.260		326	0.030
	145	0.050		327	0.080
	150	0.140		328	0.230
	151	0.450		328 / 470	0.120
	158	0.200		328 / 471	0.107
	159 / 2	0.220		330 / 1	0.315
	162	0.050		330 / 2	0.270
	170 / 1	0.190		339	0.155
	170 / 2	0.190		350	0.120
	171 / 1	0.020		351	0.190
	171 / 2	0.130		352	0.070
	172	0.170		353	0.040
	173 / 1	0.340		354	0.020
	173 / 2	0.210		367	0.020
	253	0.140		368	0.076
	254	0.170		369	0.145
	259	0.060		370	0.075
	260	0.130		371	0.080
	261 / 1			373	0.045
	261 / 2			374	0.045
	261 / 3	0.040		378	0.135
	300	0.110		379 / 1	
	301	0.100		379 / 2	0.110
	318	0.090		404	0.185
	319	0.070	अंश	267	0.060
	319 / 516	0.080		299 / 1	0.080
	320	0.050		300	0.070
	324	0.080		301	0.060
	325	0.120		303 / 1	0.070
	352 / 2	0.020		305 / 2	0.140
	353 / 1	0.065		311	0.160
	355 / 3	0.100		312	0.035
	356	0.020		313	0.030
	357 / 1	0.045		314	0.210
	357 / 2	0.010		315	0.010
				331	0.060

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	333	0.135		295 / 1	0.230
	334 / 1	}		296	0.160
	334 / 2			341 / 3	0.060
	338	0.020		342	0.300
	339 / 2	0.200		343 / 2	0.135
	342 / 1	0.210		343 / 3	0.085
	342 / 2	0.050		344 / 1	0.180
	343	0.130		344 / 2	0.180
	347	0.070	नैपुनिया	57 / 2	0.510
	349	0.260		126	0.350
	350 / 2	0.160		197	0.030
	356	0.390		198	0.450
	357 / 1	0.165		199 / 2	0.210
	357 / 2	0.165		207	0.210
नारायण भाट	288 / 2	0.115		214	0.150
	336	0.470		215	0.100
	337	0.020		216 / 1	0.100
	341	0.090		216 / 2	0.165
	342	0.380		247	0.095
	343	0.140		252	0.200
	361	0.170		253 / 1	0.130
	364	0.180		253 / 2	0.100
	365	0.110		261	0.360
सिन्धुरिया	366	0.240		262 / 1	0.230
	12	0.030		262 / 2	0.330
	16 / 2	0.030		263 / 1	0.100
	20	0.140		263 / 2	0.155
	21	0.260		264 / 1	0.088
	22	0.215		264 / 2	0.087
	23	0.300		264 / 3	0.087
	29	0.030		264 / 4	0.088
	30	0.160		295	0.010
	31	0.060		296	0.050
	32	0.010		297	0.070
	33	0.160		298	0.310
	35	0.180		299	0.130
	54	0.030	काचरी	487 / 2 / 1	0.110
	135	0.970		487 / 3 / 1	0.190
	244 / 3	0.060		487 / 4	0.370
	245	0.100		499 / 2 / 1	0.270
	257 / 1	0.470		499 / 2 / 2	0.250
	258	0.460		499 / 2 / 3	0.050
	259	0.170		499 / 4	0.750
	286	0.050			
	287	0.730			
	288	0.080			
	289 / 1	0.240			
	290	0.620			

[सं. आर-31015/28/97-ओआर. II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 16th October, 1997

S.O. 2753.— Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh, pipelines should be laid by the Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the lands described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of the Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Deepak Deshpande, the competent authority Bharat Oman Refineries Limited, 31 Ward, Jain Takhtmal Colony, Civil Line, Main Road, Vidisha 464-001, Madhya Pradesh.

Schedule

Tehsil : Rajgarh District : Rajgarh State : Madhya Pradesh

Name of Village	Survey Nos.	Area Hectare / Are
(1)	(2)	(3)
Rasulpura	7 / 3 / 1	0.280
	7 / 3 / 2	0.280
	9	0.306
	10	0.080

(1)	(2)	(3)
	12 / 1	0.010
	13	0.408
	15 / 1	0.408
	15 / 2	0.120
	17	0.294
	18	0.255
	19	0.070
	33	0.100
	34	0.557
	35	0.037
	36	0.010
	39 / 1	0.020
	39 / 2	0.010
	40	0.350
	41	0.036
	42 / 1	0.528
	94	0.200
	96 / 1	0.180
	175 / 1	0.080
	175 / 2	0.010
	177	0.310
	178 / 1	0.230
	178 / 2	0.020
	179 / 1	0.160
	179 / 2	0.040
	181	0.010
	192	0.112
	224	0.260
	227	0.051
	228	0.120
	229	0.180
	230	0.230
	231	0.300
	248	0.140
	251	0.160
	254	0.054
	256	0.140
	257	0.250
	374 / 1	0.180
	374 / 2	0.060
	374 / 4	0.060
	375	0.180
	376	0.010
	377	0.110
	378	0.150
	379	0.460
	380	0.160
Kalponi	385	0.220
	390	0.100

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	391	0.038		62 / 2	0.030
	392	0.110		370	0.010
	399	0.030		373 / 1	0.110
	402	0.450		796	0.067
	403 / 1	0.190		797 / 1	0.100
	403 / 2	0.010		797 / 2	0.060
	404	0.025		793	0.010
	405	0.052	Chaunsala	493	0.010
	407	0.246		774	0.440
	408	0.010		776	0.162
	413	0.020		776 / 1204	0.110
	438	0.340		781	0.250
	439	0.330		782	0.152
	567	0.061		783	0.280
	568	0.013		784	0.250
	573	0.100		786	0.272
	694	0.310		809	0.083
	695 / 1	0.150		810	0.235
	695 / 2			811	0.040
	695 / 3			875	0.360
	695 / 4			876	0.010
	697	0.068		877	0.320
	698	0.180		880	0.021
	707 / 1	0.010		881	0.115
	708	0.245		882	0.115
	709 / 1	0.073		884	0.120
	740	0.030		1019	0.010
	743	0.170		1020	0.030
	747 / 1	0.370		1021	0.021
	747 / 2	0.320		1023	0.030
	748	0.010		1038	0.010
Padliya khedi	18	0.060		1039	0.094
	20	0.084		1040 / 1	0.088
	21	0.067		1041	0.010
	38	0.010		1049	0.020
	39	0.170		1051	0.030
	47 / 2	0.121		1052	0.236
	48 / 1	0.050		1053	0.136
	48 / 2			1054	0.044
	48 / 3	0.130		1062	0.030
	48 / 4	0.103		1069	0.010
	49	0.540		1070	0.060
	50	0.010		1071	0.060
	51	0.127		1072	0.060
	52	0.336		1073	0.060
	58 / 1	0.010		1074	0.060
	59 / 1	0.050		1075	0.145
	59 / 2	0.430		1078 / 1	0.070
				1079	0.060

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	1080	0.060		340	0.051
	1081 / 1	0.020		342 / 1	0.380
	1081 / 2	0.020		344	0.390
	1081 / 3	0.020		345	0.145
	1081 / 4	0.020		347 / 1	0.110
	1098	0.031		348	0.310
	1099 / 1	0.040		349	0.160
	1099 / 2	0.035		351 / 1	0.030
	1100	0.010		351 / 2	0.320
	1101 / 2	0.140		360	0.100
	1101 / 3	0.080		384	0.070
	1101 / 4	0.080		385	0.300
	1103	0.057		389	0.030
	1104	0.010		390	0.400
	1129 / 4	0.114		392	0.052
	1130	0.020		697	0.372
	1131	0.091		698	0.147
	1132	0.120		699	0.225
	1133	0.100		705	0.430
	1134	0.070		706	0.200
	1135	0.010		731	0.040
	1138	0.130		732 / 2	0.020
	1140	0.110		732 / 3	0.050
	1141	0.180		734 / 2	0.256
	1142	0.021		736 / 1	0.160
	1149	0.200		736 / 3	0.280
	1150	0.010		736 / 4	0.030
Tumadiya khedi	6	0.290		755	0.030
	12	0.020		758	0.030
	13	0.120		762	0.140
	14	0.088		763 / 1	0.095
	15 / 1	0.420		763 / 2	0.050
	15 / 2	0.085		764	0.042
	16	0.078		765 / 1	0.026
	20	0.220		765 / 2	0.034
	22	0.110		767 / 1	0.040
	23	0.040		768	0.130
	34	0.030		769	0.020
	35	0.194		771	0.013
	37	0.160		772 / 1	0.010
	38	0.330		778	0.082
	39 / 1	0.200		800	0.010
	40	0.035		801 / 1	0.200
	50 / 1	0.160		801 / 2	0.270
	50 / 2	0.300		824	0.170
	53	0.450		825	0.310
	54	0.210	Gorakh pura	65	0.024
	56	0.030		67	0.062
Khajuri	161	0.430		68	0.165
	162 / 3	0.040		69	0.150
	361 / 860	0.190		70	0.075
	361	0.060		86	0.062

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	87	0.320		376	0.080
	88	0.020		377	0.030
	89	0.201		379	0.010
	90	0.040		396	0.030
	91	0.024		397 / 1	0.120
	92 / 1	0.010		469	0.188
	107	0.160		470	0.115
	108	0.010		471	0.210
	111	0.230		472	0.137
	112	0.250		473	0.160
	113	0.030		475	0.241
	116	0.060		476 / 1	0.395
	181	0.010		476 / 2	0.110
	182	0.320		478	0.200
	183	0.060		481	0.066
	185	0.690		482 / 944	0.240
	186	0.105		482 / 964	0.480
	187	0.023		490	0.010
	190 / 2	0.040		491	0.240
	201	0.360		492	0.030
	202	0.010		494	0.588
	224	0.011		495	0.275
	225	0.378		496	0.070
	226	0.010		498	0.011
	232	0.267		577 / 1	0.042
	233 / 1	0.282	Kisan Puriya	29 / 2	0.010
	233 / 2	0.010		31	0.400
	235	0.032		32 / 1 / 2	0.051
	236	0.129		33	0.210
	237	0.087		34	0.013
	238	0.100		36 / 1	0.030
	289	0.045		36 / 2	0.160
	307	0.320		37 / 1	0.030
	322	0.010		37 / 2	0.280
	326	0.304		38	0.010
	327	0.040		67 / 1	0.169
	329	0.030		67 / 2	0.030
	340	0.010		68 / 1	0.113
	342	0.373		76	0.025
	349	0.031		77	0.253
	361	0.100		80	0.010
	362 / 1	0.020		124 / 2	0.020
	362 / 2	0.020		124 / 3	0.150
	363	0.025		126	0.041
	364	0.030		127 / 1	0.100
	367	0.064		127 / 2	0.130
	368	0.017		134	0.087
	369	0.031		135	0.151
	373	0.010		136	0.064
	372	0.010		137	0.099
	374	0.060		138 / 1	0.340
	375	0.060		138 / 2	0.200

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	146	0.157		95 / 2	0.010
	147	0.051		96	0.310
	148	0.112		97	0.070
	149	0.087	Sal pura	13	0.110
	150	0.013		14	0.180
	151	0.038		16	0.120
	152	0.025		20	0.110
	153	0.099		21	0.150
	160 / 1	0.253		22	0.140
	160 / 2	0.253		24	0.025
	194 / 2	0.440		28	0.038
	194 / 3	0.150		50	0.035
Kundibe	522 / 1	0.620		51	0.160
	522 / 2	0.290		53	0.010
	523 / 1	0.060		54	0.170
	523 / 2	0.180		87	0.070
	523 / 3	0.230		88	0.051
	523 / 4	0.210		89	0.210
	525 / 2	0.630		91	0.076
	525 / 3	0.025		92	0.199
	525 / 4	0.240		94	0.280
	526 / 1	0.380		96	0.140
	526 / 3	0.038		97	0.099
Lalpura	8 / 3	0.460		99	0.010
Mohakam pur	4 / 2	0.500	Sangi	5	0.038
	9 / 1 / 1	0.010		7 / 1	0.060
	9 / 1 / 1	0.260		7 / 2	0.060
	10 / 2	0.370		9	0.051
	13 / 2	0.038		10	0.350
	14 / 2	0.330		53	0.051
	17 / 1	0.200		56 / 1	0.220
	17 / 2	0.180		56 / 2	0.060
	19 / 3	0.051		59 / 1	0.135
Rani pura	4 / 2	0.130		59 / 2	0.135
	6 / 3	0.580		63	0.340
	7 / 2	0.360		64 / 1	0.210
	9	0.070		64 / 2	0.025
	11	0.330	Savan kheda	15 / 1 / 2	0.040
	13	0.038		21	0.210
	14	0.200		20	0.140
	19	0.070		24	0.240
	21	0.105		25	0.460
	24	0.080		36	1.020
	25	0.038		37	0.087
Chain puriya	14 / 1	0.051		39	0.038
	16	0.130	Jait pura	1 / 1 / 2	0.200
	17	0.310		1 / 1 / 3	0.230
	90	0.010		1 / 4	0.330
	91	0.170		2 / 1	0.030
	92	0.099		2 / 2	0.010
	93	0.110		2 / 3	0.240
	94	0.140		2 / 4	0.100

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	2 / 5	0.280		497	0.038
	3 / 3	0.038		501 / 3	0.240
Piplya Khurd	254 / 3	0.230		501 / 4	0.040
	255 / 1	0.100		502 / 2	0.140
	255 / 2	0.310		506	0.120
	255 / 4	0.410		508	0.110
(Kisan puriya- Khurd)	49	0.025		516 / 2 / 3	0.172
	50	0.320		516 / 2 / 2	0.240
	51	0.076		520	0.150
	52	0.110		527	0.099
	54 / 1 / 3	0.050		528	0.060
	54 / 1 / 4	0.290		531	0.102
	54 / 1 / 7	0.700		532	0.150
	54 / 2	0.450		607	0.038
	54 / 3	0.290		622	0.350
	54 / 4	0.350		644 / 2	0.210
	54 / 5	0.140		644 / 3	0.070
	54 / 6	0.480		645	0.360
	54 / 11 / 1	0.100		646	0.200
Ram puriya	48 / 1 / 3	0.310		649	0.067
	48 / 2	0.260		657	0.270
	48 / 3	0.280		659 / 1 / 1	0.490
	48 / 4	0.270	(Ghoghadiya- kalan)	673 / 2	0.140
	48 / 5	0.380		49	0.178
	62 / 1	0.240		51	0.010
	62 / 1 / 2	0.390		52	0.345
	62 / 1 / 3	0.250		53 / 1 / 2	0.380
	62 / 3	0.390		53 / 3 A	0.460
	62 / 4	0.240		54 / 1	0.322
Piplabe	398	0.190		76	0.010
	399	0.080		77	0.080
	433 / 2	0.160		79 / 3	0.200
	437 / 1	1.000		81 / 1	0.310
	437 / 2	0.420		82 / 1	0.150
	450	0.087		89	0.240
	453	0.070		90	0.020
	454	0.099		91	0.220
	455	0.230		97	0.140
	458	0.072		105	0.100
	473	0.025		116 / 1 / 2	0.290
	474	0.300		118 / 1 / 1	0.250
	477	0.038		118 / 1 / 2	0.360
	478	0.025		118 / 1 / 3	0.219
	479	0.150		118 / 1 / 4	0.312
	480	0.120		118 / 1 / 5	0.156
Hiran Khedi	477	0.025		118 / 1 / 6	0.147
	483	0.680		118 / 1 / 7	0.110
	484	0.050		118 / 1 / 8	0.132
	491	0.200	Goliabe	219	0.880
	492	0.010		220	0.360
	494	0.025	Bajtalai	6 / 6	0.200
	495	0.190	Bhojpuriya	1 / 1	0.060
				1 / 2	0.290
				4	0.240
				21	0.010

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	26 / 1	0.150		319 / 516	0.080
	26 / 2	0.080		320	0.050
	26 / 3	0.075		324	0.080
	26 / 4	0.075		325	0.120
	26 / 5	0.100		352 / 2	0.020
	27	0.160		353 / 1	0.065
	28	0.340		355 / 3	0.100
	29	0.240		356	0.020
	30	0.010		357 / 1	0.045
	70	0.420		357 / 2	0.010
	74 / 2	0.250		358 / 2	}
	75 / 1 / 2	0.220		358 / 3	
	75 / 1 / 1	0.160			0.140
	98	0.010		359	0.020
	100	0.340		362	0.010
	102	0.360		369 / 3	0.300
	103	0.051		369 / 4	0.240
	104	0.041		370	0.275
	105	0.200		371 / 2	0.030.
Dewali kalan	29	0.010		376	0.375
	40	0.040		377	0.380
	134 / 3	0.070	Kheri	320	0.090
	134 / 4	0.100		324	0.300
	137	0.030		325	0.210
	138	0.085		326	0.030
	142	0.150		327	0.080
	143	0.260		328	0.230
	145	0.050		328 / 470	0.120
	150	0.140		328 / 471	0.107
	151	0.450		330 / 1	0.315
	158	0.200		330 / 2	0.270
	159 / 2	0.220		339	0.155
	162	0.050		350	0.120
	170 / 1	0.190		351	0.190
	170 / 2	0.190		352	0.070
	171 / 1	0.020		353	0.040
	171 / 2	0.130		354	0.020
	172	0.170		367	0.020
	173 / 1	0.340		368	0.076
	173 / 2	0.210		369	0.145
	253	0.140		370	0.075
	254	0.170		371	0.080
	259	0.060		373	0.045
	260	0.130		374	0.045
	261 / 1	}		378	0.135
	261 / 2			379 / 1	}
	261 / 3			379 / 2	
	300	0.110			0.110
	301	0.100	Amba	404	0.185
	318	0.090		267	0.060
	319	0.070		299 / 1	0.080
				300	0.070

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
	301	0.060		286	0.050
	303 / 1	0.070		287	0.730
	305 / 2	0.140		288	0.080
	311	0.160		289 / 1	0.240
	312	0.035		290	0.620
	313	0.030		295 / 1	0.230
	314	0.210		296	0.160
	315	0.010		341 / 3	0.060
	331	0.060		342	0.300
	333	0.135		343 / 2	0.135
	334 / 1	}		343 / 3	0.085
	334 / 2			344 / 1	0.180
	338	0.020		344 / 2	0.180
	339 / 2	0.200	Naipuriya	57 / 2	0.510
	342 / 1	0.210		126	0.350
	342 / 2	0.050		197	0.030
	343	0.130		198	0.450
	347	0.070		199 / 2	0.210
	349	0.260		207	0.210
	350 / 2	0.160		214	0.150
	356	0.390		215	0.100
	357 / 1	0.165		216 / 1	0.100
	357 / 2	0.165		216 / 2	0.165
Narayan ghata	288 / 2	0.115		247	0.095
	336	0.470		252	0.200
	337	0.020		253 / 1	0.130
	341	0.090		253 / 2	0.100
	342	0.380		261	0.360
	343	0.140		262 / 1	0.230
	361	0.170		262 / 2	0.330
	364	0.180		263 / 1	0.100
	365	0.110		263 / 2	0.155
	366	0.240		264 / 1	0.088
Sinduriya	12	0.030		264 / 2	0.087
	16 / 2	0.030		264 / 3	0.087
	20	0.140		264 / 4	0.088
	21	0.260		295	0.010
	22	0.215		296	0.050
	23	0.300		297	0.070
	29	0.030		298	0.310
	30	0.160		299	0.130
	31	0.060	Kachari	487 / 2 / 1	0.110
	32	0.010		487 / 3 / 1	0.190
	33	0.160		487 / 4	0.370
	35	0.180		499 / 2 / 1	0.270
	54	0.030		499 / 2 / 2	0.250
	135	0.970		499 / 2 / 3	0.050
	244 / 3	0.060		499 / 4	0.750
	245	0.100			
	257 / 1	0.470			
	258	0.460			
	259	0.170			

[No. R-31015/28/97-OR. II]

K. C. Katoch, Under Secy

श्रम न्यायालय

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1997

का.आ. 2754—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण-I, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/107/95-आई.आर. /बी-II]

सनातन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 26th September, 1997

S.O. 2754.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workman, which was received by the Central Government on 25-09-97.

[No. L-12012/107/95-IR(B-II)]
SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Hyderabad, 16th day of August, 1997

Industrial Dispute No. 75 of 1995

BETWEEN

Sri K. Venkataswamy S/o Sri K. Gopaiah,
16-20-6, Kondavari St., Old Guntur,
Guntur-522010. ... Petitioner.

AND

The Divisional Manager, Syndicate Bank,
Vijayawada. ... Respondent.

APPEARANCES:

Sri P. A. V. Balaprasad, Advocate for Petitioner.

M/s. K. Srinivasa Murthy and G. Sudha, Advocates for Respondent.

AWARD

1. The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-12012/107/95-IR(B.II) dated 25-8-95 referred the following dispute under Sections 10(1)(d) and 2A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication:

"Whether the action of the management of Syndicate Bank, Vijayawada in terminating the services of Sri K. Venkateswami, temporary Attender w.e.f 3-8-93 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?"

Both parties filed their pleadings after receiving the notice from this Tribunal.

2573 GI/97—16

2. The workman K. Venkataswamy, hereinafter called the 'petitioner' filed a Claim Statement contending as follows:

The petitioner joined the services of the Bank on 23-2-1985 and put up service of nearly 1500 days without any remark. He was terminated orally on 24-4-93 and the Bank gave termination notice in writing on 3-8-93. The petitioner and others filed Writ Petition No. 4966/89 and the Hon'ble High Court directed the respondent to continue the petitioners therein as temporary staff in the permanent vacancies as and when available. In the said Writ Petition, the present petitioner is the first petitioner. The Bank authorities bore grudge against the petitioner and so terminated his services for no fault of him. The Bank authorities did not issue any notice to the Despatch Clerk K. Pullalah for accounting who is responsible for accounting the money and regular despatch clerk Mr. R. S. R. Prasad took charge on 25-7-92 at 12.00 P.M. They were not called for a detailed enquiry. There is no credit slip for Rs. 450 as alleged by the Bank. Mr. Pullalah himself has drawn 50, 100 and 300. On 16-9-92 at about 12.00 noon the Manager asked the petitioner to write a credit slip for Rs. 120. He has given such amount as there was shortage in stamp account. They have thrown the blame upon the petitioner. Mr. Pullalah asked the petitioner to write a credit slip on 25-7-1992 stating that he is handing over the charge to the regular despatch clerk Mr. R. S. R. Prasad and this was also a hatched up a plan at the instance of the Manager. A letter was taken from the petitioner with a threat that services will be stopped the otherwise. Mr. Prasad incurred postal expenses Rs. 554.75 Ps. on 25-7-92 and a debit slip was also prepared. Sri I. Krishna Murthy, Special Assistant requested the cashier to deduct Rs. 450 out of Rs. 554.75 debit slip. There was no complaint either from I. Krishna Murthy, Spl. Asst. or from Mr. Prasad, Despatch Clerk Raghavendra Rao, Sub-Manager and M. Venkateswara Rao, Scroll Officer, about the misappropriation till the inspection on 16-9-92. The oral confession given by the petitioner on 16-9-92 was obtained by undue influence and force. The Cashier by name T. Sambasiva Rao and P. Panduranga Rao cheated the petitioner. The petitioner has given confession letter at their instance. The petitioner did not misappropriate any amount. Hence the petitioner is entitled for reinstatement with all back wages.

3. The respondent filed a counter contending as follows: The petitioner was empanelled by the Bank in the panel of temporary attenders for entrustment of work in the leave vacancies of the permanent attenders. The petitioner and 13 others filed a Writ Petition in the Hon'ble High Court and the Hon'ble High Court directed the Bank to continue them on daily wage basis during the leave vacancies till the final disposal of the writ petition. So many others filed writ petitions earlier to the petitioner. The contention of the petitioner that the Bank authorities bore grudge against him does not arise at all. The writ petitions also were already disposed off by the Hon'ble High Court. The petitioner substituted a credit slip for Rs. 330 written in his own handwriting in the place of a credit slip for Rs. 450 prepared by the Despatch Department and thereby misappropriated an amount of Rs. 120 on 25-7-1992. The petitioner confessed the misappropriation and gave a statement in Telugu in his own handwriting and also reimbursed the amount on 16-9-92. The petitioner sought for excuse stating that it was his first mistake. It is the attenders in the Bank who carry the slips from one Department to another Department and the slips are not kept under lock and key when they are in transit from one department to another department. The petitioner was issued termination order removing from service as per provisions of para 522(4) of Staff Rules Award by paying one month's wages. Hence the petitioner is not entitled to any relief.

4. The petitioner examined himself as W.W. 1 and filed Exs. W1 to W13. The then Manager of the Guntur Branch is examined as M.W. 1 and he filed Exs. M1 to M5.

5. The point for consideration is whether the petitioner is entitled to reinstatement with back wages and other benefits?

6. Point.—The respondent-Syndicate Bank called for the names from the Employment Exchange and prepared a panel of temporary attenders for being engaged on daily wages as and when the permanent attenders go on leave. The petitioner was empanelled in the Guntur Main Branch and he has been working as substitute attender as and when

regular attenders were on leave. He claims to have worked for the number o fdays shown in Ex. W2 statement from 23-2-85 to 31-3-92. The petitioner and 13 others filed Writ Petition No. 4966/89 in the Hon'ble High Court for regularisation of their services and also filed WPMP No. 6591/89 for interim order. The Hon'ble High Court by Ex. W1 order dated 7-4-89 directed the Bank to engage the petitioner and others on daily wage basis, if there are vacancies pending further order in the above petition.

7. While so, the petitioner was charged with misappropriation of Rs. 120 said to have been committed by him on 25-7-1992. The petitioner was attached to the Postal section on that day. The duty of the petitioner is to carry the credit and debit slips and all other documents from one sent to another seat. He also is being given letters to post the letters in the box. The Clerk Incharge of the postal section will be in possession of the cash to purchase the postal stamps for despatching the letters. Whenever the cash available with him is spent away, he draws cash again from the Cash Department by submitting a debit slip. On 25-7-92 Mr. R. S. Prasad was the Clerk who prepared Ex. M2 slip for Rs. 554.70 Ps. to recoup the expenditure on 20-7-92 and 25-7-92. He was also said to have prepared a Credit Slip for Rs. 450 and enclosed the same to Ex. M2 Debit Slip, with the intention that the amount of Rs. 450 should be deducted towards non-judicial stamps which were already purchased. He also noted deduct Rs. 450 on Ex. M2. The allegation is that the petitioner suppressed the said credit slip, prepared Ex. M3 Credit Slip for Rs. 330 in his own handwriting and gave them to the Cash Department. The petitioner was paid Rs. 224.75 after deducting Rs. 330. The petitioner paid Rs. 104.75 Ps. to Mr. Prasad and withheld the balance of Rs. 120.

8. There was inspection on 16-9-92 and on verification of the Accounts, the shortage was detected. M.W. 1 questioned the petitioner and two other clerks by name M. Pullaiah and Prasad who dealt with the Postal Service Stamp account. The petitioner confessed to have misappropriated amount of Rs. 120 and he gave Ex. M1 apology letter. He also remitted the amount of Rs. 120 into the Bank by Ex. M4 credit slip. The petitioner was served with Ex. W3 Notice dated 18-11-92 seeking for explanation. He submitted the explanation, denying the allegation. He stated therein that he was threatened and misled to give confession letter. He was served with Ex. W5 Notice of termination mentioning all the above facts and the petitioner asked for document and he was permitted to see the document by Ex. W7. He gave Ex. W8 reply. His reply was considered and he was terminated as per Ex. W9 order. No enquiry was taken as he was temporary employee coming within the paras 522(2) and 522(4) of Sastry Award.

9. The petitioner admits that Ex. M3 credit slip dated 25-7-92 which is in his own handwriting. He admits that he gave Ex. M1 confession statement and also prepared Ex. M4 remittance slip for Rs. 120 dated 16-9-92 which is in his own handwriting.

10. The petitioner states in Ex. W4 reply dated 23-11-92 he gave confession letter due to misrepresentation and threats. He denied to have tampered with the record. When Ex. W5 notice giving all the details was given to him, he admits in his reply Ex. W6 which is as follows:

"It is true that I was attending to the Postal Outward Department at our Guntur Main Branch on the fateful day of 25-7-92. It is also true that on the said date one Sri Pullaiah who is discharging his duties as a Clerk of our Guntur Branch has prepared a Credit Slip for Rs. 450 (Rupees four hundred fifty only) to be credited towards the stamp-in-stock from the proceeds of the General Charges (Postal) Expenditure Account and attached the same to the Debit Slip pertaining to the postal expenditure account."

In the Claims statement he pleaded that there was no credit slip for Rs. 450. When the accounts copy and the documents were shown to him, he came forward with the version as if he wrote Ex. M3 Credit Slip for Rs. 330 on 17-6-92 at the instance of Mr. Pullaiah, Clerk and again returned it to him and does not know what happened thereafter. Further he pleads that he was forced to give confession letter and

remit the amount into Bank. His belated version cannot be believed. The petitioner confessed the misappropriation by giving statement in writing and remitted the amount into bank. I hold that the charge against the petitioner is proved.

11. The petitioner who is a temporary attender misappropriated the funds of the Bank. He cannot be shown any mercy under Section 11-A of I.D. Act as the Bank deals with the funds of the Public, which has to trustworthy employees.

12. In the result, an Award is passed holding that the action of the respondent in terminating the services of the petitioner is legal and justified.

Dictated to the Steno-typist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 16th day of August, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witness examined for Petitioner	Witness examined for Respondent
------------------------------------	------------------------------------

WW1 : K. Venkata Swamy	MW1 : B. V. Ramanujam
Documents marked for the Petitioner	

Ex. W-1 : Order dated 7-4-89 in WPMP No. 6591/89.

Ex. W-2 : Temporary service particulars of K. Venkata-swamy.

Ex. W-3 : Letter dated 18-11-92 issued to K. V. Swamy calling for explanation.

Ex. W-4 : Explanation dated 23-11-92 of K. Venkata-swamy.

Ex. W-5 : Notice for termination of the petitioner dated 12-4-93.

Ex. W-6 : Reply dated 18-5-93 of petitioner to Ex. W5.

Ex. W-7 : Letter dated 3-6-93 giving another chance to the petitioner.

Ex. W-8 : Reply dated 17-6-93 to Ex. W7.

Ex. W-9 : Termination Order dated 3-8-93.

Ex. W-10 : Application dated 11-10-91 of K. Venkata-swamy to the Asstt. Commissioner of Labour Central, Vijaywada.

Ex. W-11 : Written comments of the Bank dated 24-8-94 to Asstt. Commissioner of Labour.

Ex. W-12 : Reply of the petitioner to Ex. W11.

Ex. W-13 : Minutes of Conciliation held on 2-11-94.

Documents marked for the Respondent

Ex. M-1 : Apology letter dated 16-9-92 submitted by the petitioner.

Ex. M-2 : Debit Slip dated 25-7-92, for Rs. 554.75

Ex. M-3 : Credit Slip dated 25-7-92 for Rs. 330.

Ex. M-4 : Credit Slip dated 16-9-92 for Rs. 120.

Ex. M-5 : Extract of Sastry Award.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2755—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्यो-

गिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोल्लम के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/235-237/92-आई.आर. (बी-II)]

सनानन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1997

S.O. 2755.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 30-09-97.

[No. L-12012/235-237/92-IR(B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLLAM

Dated, this the 19th day of September, 1997

Present :

Sri C. N. Sasidharan, Industrial Tribunal

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 30/97

BETWEEN

The Regional Manager, Central Bank of India, Regional Office, Rajdhani Building, P.B. No. 5091, Fort, Trivandrum.

(By N. Sarath Chandra Menon, Advocate, Kollam).

AND

Sri P. A. Hamza, C/o. H. B. Shenoy, General Secretary, Cochin Labour Union, Vatsal. Krishnaswamy Road, Ernakulam. Kochi.

AWARD

This industrial dispute has been referred for adjudication by the Government of India as per order No. L-12012/235-237/92-IR(B-II) dated 22-7-1997.

The issue for adjudication is the following :—

"Whether the action of the management of Central Bank of India in terminating the services of Sri P. A. Hamza w.e.f. 2-12-1991 and refusing to consider him for re-employment is legal and justified ? If not, to what relief the said workman is entitled and from which date ?"

2. On 29-8-1997 when the case was posted for appearance of parties after issuing notice from this Tribunal, the management alone entered appearance through counsel. On behalf of the workman it was submitted that vakalath was being filed on that day by Advocate Sri H. B. Shenoi from Ernakulam which shows that the workman was in receipt of notice from this Tribunal. The case was accordingly posted to today for claim statement of the workman. But today when the case was called it is seen that no vakalath has been filed on behalf of the workman. Further the workman remained absent without any reason whatsoever. No adjournment was also sought on behalf of the union. Hence the workman was set ex-parte. The management was represented by counsel.

3. Since the workman inspite of receipt of notice from this Tribunal failed to come forward and prosecute the matter no relief can be granted. It is also not necessary to proceed further in this matter.

4. In view of what is stated above an award is passed holding that the workman is not entitled to get any relief in this dispute.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2756.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार यूको बैंक के प्रबंधन के संयुक्त नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अतुल्य में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/401/91-आई.आर. (बी-II)]

सनानन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1997

S.O. 2756.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of UCO Bank and their workman, which was received by the Central Government on 26-09-97.

[No. L-12012/401/91-IR(B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 13 of 1992

PARTIES:

Employers in relation to the management of UCO Bank.

AND

Their Workmen

PRESENT:

— Mr. Justice A. K. Chakravarty, Presiding officer.

APPEARANCE :

On behalf of Management—Mr. S. P. Seth, Deputy Chief Officer (Personnel).

On behalf of Workmen.—Mr. D. P. Roy, General Secretary of the Union.

STATE : West Bengal. INDUSTRY : Banking

AWARD

By Order No. L-12012/401/91-IR(B.II) dated 25-3-1992 the Central Government in exercise of its powers under section 10(1)(d) and (2A) of the In-

dustrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of UCO Bank is justified in not reinstating the services of Sh. J. P. Mishra, Asstt. Cashier-cum-Godown Keeper, UCO Bank, Katra Branch, Allahabad, U.P. If not, to what relief the workman is entitled to ?"

2. The case of the union, in short, is that the concerned workman J. P. Mishra was appointed as subordinate staff in 1960 and was posted at Ranchi Branch in Bihar. He was promoted to the post of Assistant Cashier-cum-Godown Keeper in 1971 and was transferred to Munger Branch in Bihar and thereafter to Katra Branch at Allahabad in U.P. While posted at Bihar he suspected that he was afflicted with some disease and accordingly took 4 days casual leave from 25th to 28th April, 1986 and went to his native village. The local doctor Mr. M. L. Kochar diagnosed his case as an attack of phleria and the workman informed the matter to the Manager of Katra Branch by an inland letter for granting further leave on that ground. On 29-8-1986 the Manager of the said Branch informed and instructed the concerned workman to resume his duties within 30 days from the date of the receipt of the letter, failing which it will be presumed that he was not interested to continue his employment with the Bank and his name will be removed from the rolls of the Bank and also that on the expiry of the said period he will be deemed to have retired from the service of the Bank voluntarily. The Branch Manager also insisted in the said letter to submit a leave application alongwith a medical certificate by the Chief Medical Officer, District Sultanpur. He, however, could not join his duties as directed in the said letter due to his illness. After recovery, he obtained two certificates from his physician Dr. M. L. Kochar, one covering the period of his sickness from 25-4-86 to 3-7-1986 and the other from 4-7-1986 to 28-8-1986. The concerned workman thereafter went to resume his duties but the Branch Manager refused to permit him to join his duties, unless the Chief Medical Officer, District Sultanpur grants medical certificate and the fitness certificate. The concerned workman approached Chief Medical Officer for granting medical certificate but he refused to do so because he was not under his treatment and the case was not referred to him by the Bank. Thereafter, by notice dated 17-11-1986 the Acting Manager Katra Branch informed the concerned workman that his service has been terminated as he has failed to join his duties within 30 days of the receipt of the letter dated 29-8-1986 and his name had been removed from the Bank's roll under the provisions of the Bipartite Settlement relating to the voluntary cessation of employment. Two years thereafter by letters dated 2-8-1988 and 4-11-1988 the Bank informed that since his service was terminated, he would take his Wages and other claims from the Bank.

3. The concerned workman has challenged the said termination of his service on the basis of voluntary cessation of employment on various grounds namely, that he submitted leave application before he proceeded on leave on 25-4-1986; that he did not take employment anywhere in India; that the management did not take any step to ascertain that he had no intention

to join his duties; that he could not join his duties due to illness; that he sought for extension of leave and that the termination of his service on the plea of voluntary cessation of employment is illegal, arbitrary and contrary to the principles of natural justice. The concerned workman submitted an application to the Chairman and Managing Director of the UCO Bank on 16-4-1990 praying for revoking the termination order. The Union also gave a letter to him on 27-10-1988 to the same effect. The Union again gave a letter on 17-12-1988 requesting the Chairman and Managing Director, UCO Bank, to allow the concerned workman to resume his duties after setting aside the illegal order of termination of service. The Deputy General Manager (Personnel) of the UCO Bank turned down the request. The Union thereafter gave another letter to the General Manager (Personnel) but he also turned down the prayer for reinstatement on 16-11-1989. The Union accordingly prayed for setting aside the illegal and unjustified termination of service of the concerned workman and for his re-instatement with back wages along with bonus and other incremental benefits and maintenance of his seniority.

4. In the written statement of the UCO Bank the allegations of the Union were denied. It is alleged that while he was working as a Cashier cum Godown Keeper at Ranukoot Branch in U.P. where he reported on 23-3-1973, he became irregular in attending his duties from 18-7-1977 to 6-11-1977 continuously and remained on leave for 81 days and later from 25-4-1978 to 10-7-1978 he absented from duty for 76 days from 13-7-1978 to 23-3-1979 he was on loss of pay for 102 days. During this period he was found to have misappropriated a sum of Rs. 4,540 while he was working as Assistant Cashier. The Bank terminated his service for the grave misconduct but at the instance of the Union he was re-instated in service on 18-11-1981. He was directed to report for duty on condition of re-imbursment of the amount misappropriated in addition to refunding of the amount paid to him in lieu of notice. The workman reported at the branch in December, 1981 and on his request he was transferred to Katra Branch. He, however, remained irregular in attendance as before. From 6-4-83 to 1-11-1983 he was on loss of pay for 210 days. Again from 25-4-1986 he absented from his duties. The Branch under the direction of the Divisional Office, Varanasi invoked the provisions of voluntary cessation of employment in terms of the Bipartite Settlement and issued a letter to the workman on 29-8-1986 asking him to resume duties within 30 days on receipt thereof, failing which he will be deemed to have voluntarily retired from service and his name will be struck-off from the master roll. The workman did not join duties as directed in that letter and consequently his name was removed from the master roll from 17-11-1986 under the instruction of the Divisional Manager, Varanasi. The total absence of Shri Mishra, the concerned workman during the period 25-4-1986 to 17-11-1986 was 207 days.

A letter was issued on 14-11-1987 asking the concerned workman to repay the Bank's dues owed by him. No response was received by the Bank from the concerned workman in respect of the same.

Thereafter, in 1988, the union again took up the matter with the Bank management in its letter dated 17-12-1988 challenging the termination of service of the concerned workman as illegal. The Bank informed the union by its letter dated 17-11-1989 that the termination of service of the workman was rightly done being based on cessation of employment voluntarily by him. After nearly 9 months therefore, again the union took up the matter in their letter dated 31-10-1989 to which the Bank send reply on 16-11-89. The Bank has also alleged that under the provisions of Bipartite Settlement if any staff absents for a period of 90 days or more, a notice is to be issued upon him to resume duties within 30 days and on the failure of the employee to do so, the management has the power to treat the staff having voluntarily retired from the Bank's service. The workman having absented from his duties since 25-4-1986, for which notice was given on 29-8-1986 granting him 30 days time to resume his duties and since he did not join his duties even after the expiry of more than 2 months, his name was struck-off from the muster roll. The Bank has also alleged that the concerned workman never complained of any sickness either prior to his absence from 25-4-1986 or thereafter. The Bank denied the alleged illness of the concerned workman and alleged that it was not informed about his alleged illness till 16-4-1989. The Bank also denied that the concerned workman came to join his duties on 28-8-1986. It is also alleged that the question of disciplinary proceeding comes in case of misconduct committed by a staff. It has no application to the provisions of voluntary retirement/cessation of duties as per Bipartite Settlement. The Bank has accordingly prayed for dismissal of the case of the union.

5. The only point for consideration in this case is whether the Bank was justified in terminating the service of the workman concerned on the ground of cessation of work for more than 90 days.

6. Admittedly, Shri J. P. Mishra, concerned workman was working as Assistant Cashier-cum-Godown Keeper at Katra (Allahabad) Branch of the UCO Bank in 1986 when his service was terminated by letter dated 17-11-1986. The latter is marked Ext. M-3 and it will appear from the letter that since he has failed to join his duties within 3 days from the date of receipt of the notice dated 29-8-1986 issued by the Bank. The letter dated 29-8-1986 has been marked Ext. W-1. In the said letter it is stated that the concerned workman had neither submitted leave application after 7-6-1986, nor medical certificate of the Chief Medical Officer in support of his leave, nor reported for duty and he was also informed that his leave from 25-4-1986 was being treated as loss of pay as leave applied for was not due to him. He was accordingly instructed by this letter to resume his duty with up-to-date leave application supported by the medical certificate of the Chief Medical Officer within 30 days from the receipt of the letter, failing which it would be presumed that he is not interested in continuing with the employment of the Bank and his name will be removed from the Bank's roll and he would be deemed to have voluntarily retired from the Bank's service. It, however, appears from the telegram dated 24 July 1986 (Ext. W-2) issued by the Bank, that the concerned workman had been informed that his entire leave being sanctioned on loss of pay along-

with a direction to resume duties with C.O.O. fitness certificate. The letter dated 29-8-1986 also shows that two telegrams were issued even before that date on 5-7-1986 and 19-7-1986 directing the workman to resume his duties.

7. It was submitted on behalf of the union however, that since the workman was lying ill he applied for leave from 25-4-1986 to 10-5-1986 on 4-5-1986, vide Ext. M-9, and prayed for extension of leave for the first time upto 17-5-1986 by telegram Ext. M-10 and thereafter by letter dated 2-6-1986, vide Ext. M-11, for the extension of the said leave upto 7-6-86. It is not the union's case that any other application for leave was submitted thereafter. These applications however, are immaterial for the purpose of the present case as they relate to the leave prior to the date of notice dated 29-8-1986 (Ext. W-1). It was submitted on behalf of the union that since the workman was lying ill it was not possible for him to join his duties as directed in the notice. Though it is not stated in the written statement of the union about when the workman went to join his duties after recovering from his alleged illness, it will appear from his evidence that he went to join his duties sometime in August, 1986 but he was not allowed to resume duties by the Branch Manager as he had not come with any certificate of the Chief Medical Officer. He however stated that he gave two medical certificates issued by the local doctor Shri M. L. Kochar dated 25-4-1986 and 4-7-1986 alongwith a fitness certificate dated 28-8-1986. The falsity of the medical certificates will be at once apparent because in the written statement the workman/union alleged that Dr. Kochar diagnosed his case as phylaria out in the first certificate the probable diagnosis was 'Amoebic Hepatitis' and in the second certificate it was 'Convalescence'. It further appears that the certificates did not bear the signature of the concerned workman. The story of illness of the workman therefore during the alleged period has not been proved. Regarding his alleged visit to the Bank sometime in August 1986 as stated by him, there is no other evidence to corroborate him. He also admitted in his evidence that he does not possess any evidence to show that he went to Katra, Allahabad Branch. The story of his attempt to join his work in August 1986 and the allegation that the Manager did not permit him to do so, accordingly cannot be said to have been proved. The Manager of the Branch also stated in his evidence that the workman never approached him with any request to allow him to join his duties since the notice (Ext. W-1) was issued.

8. It is therefore clear from the above discussions that the workman was intentionally remaining absent from his duties from 24-4-1986 and even after the issue of notice dated 29-8-1986 directing him to join within one month from the date of the receipt of the same, in default of which, the provisions of cessation of work in terms of the Bipartite Settlement will be applied, failed to evoke any response from him and the first letter dated 20-2-1987, Ext. M-4, who is that he had no grievance for termination of his service and that he was satisfied about the P.F. loan and was willing to repay the Bank's loan.

9. From Item No. 2 of the Bipartite Settlement dated 17th September, 1984 dealing with voluntary cessation of employment by the employee, it will

appear that where an employee has not submitted any application for leave and absents himself from work for a period of consecutive 90 days or more without any leave due to his credit, the management may at any time thereafter give a notice to the employee's last known address calling the employee to report for duty within 30 days of the notice stating inter-alia, the grounds of the management for coming to the conclusion that the employee has no intention of joining and furnishing necessary evidence, where available. Unless the employee reports for duty within 30 days or unless he gives an explanation for his absence satisfying the management that he has not taken up another employment or avocation and that he has no intention of not joining duties, the employee would be deemed to have voluntarily retired on the expiry of the period of the said notice.

10. It is an admitted fact that the concerned workman had no leave due to his credit. I have already shown that since the concerned workman was absenting without any leave application from 25-4-1986, the required period of absence for consecutive 90 days or more have been proved in this case. The management, therefore, was within its power to apply the provisions of the Bipartite Settlement upon consideration of his absence as voluntary retirement from service, after the expiry of the period.

11. It was submitted on behalf of the Union that such termination of service was illegal as that being a major punishment, it should be preceded with a charge-sheet and an enquiry into the matter. It was further submitted that by denying the workman of the opportunity of defending himself, provisions of natural justice have been transgressed and the order of the management is liable to be set aside for the same. My attention was drawn to the provisions of Chapter—XIX of the Bipartite Settlement dated 19th October, 1966 wherefrom it will appear that for major punishment, like dismissal the provisions for issuing elaborate charge-sheet and enquiry have been made. There is no dispute that in case of major misconduct of any workman due compliance of the elaborate provisions in terms of the Bipartite Settlement of 1966 for enquiry into the alleged guilt have to be made. The instant case, however, is not a case of major misconduct. It is simply a case where the employee by his conduct of remaining absent for a prolonged period of time without filing any leave application and without any reason whatsoever disrupts the functions of the Bank. Such prolonged absence without any leave not only create difficulties in the smooth functioning of the Bank in the absence of its employee but also prevented the Bank from making new recruitment to fill-up the gap created by such absence. By inserting the provisions of voluntary cessation of employment by the employees accordingly in Item No. 2 of the Bipartite Settlement dated 17th September, 1984, the above difficulty was sought to be obliterated by considering the absence of the workman as his loss of interest in his duties and deeming it to be a case of voluntary retirement of the employee concerned. The question of application of principles of natural justice does not and cannot arise in case of cessation of employment, which is to be construed

ed as voluntary retirement as per the deeming condition of Item No. 2 of the Bipartite Settlement dated 17th September, 1984.

12. Since under section 2(oo) of the Industrial Disputes Act, 1947, voluntary retirement does not constitute 'retrenchment', no question of application of the provisions of section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 can arise.

13. The Bank thus having removed the name of the concerned Workman from the master roll due to cessation of employment/voluntary retirement of the concerned workman, which it has power to do under the provisions of Item No. 2 of the Bipartite Settlement dated 17th September, 1984 and which it has rightly and justifiably done in the facts and circumstances of the case as stated above. I find no reason for interference with the order passed by the management on 17-11-1986.

14. The management therefore being justified in not reinstating the workman, no relief can be granted to the concerned workman in this case.

This is my Award.

Dated : Calcutta,

The 11th September, 1997.

A. K. CHAKRAVARTY, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

का.आ. 2757.- औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार नेशनल डायरी रिसर्च इंस्टिट्यूट के प्रबंधन के संबंध में निरोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-42012/81/93-आई.आर. (डी.यू.)]

के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th September, 1997

S.O. —In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Dairy Research Institute, and their workman, which was received by the Central Government on 29-9-97.

[No. L-42012/81/93-IR (DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR
COURT, BANGALORE

Dated this Monday the 11th day of August, 1997

PRESENT :

Sri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L.,
A.L., Presiding Officer

Central Reference No. 81/94

I Party :
Sri Shankarappa

Vs.

II Party
M/s. National Dairy Research Institute

ORDER

In this reference No. L-42012/81/93-IR-(DU), dated 3-10-94, the point for adjudication is fixed as follows :—

“Whether the action on the part of the management of NDRI in removing the service of the workman Sri Shankarappa from 11/90 is legal proper and justified ? If not, to what relief the workman is entitled to ?”

(2) When this reference has been registered as Central Reference No. 81/94, notices have been sent to both the parties. But none of the parties had appeared before this Tribunal. Therefore, subsequently, another Court notice by Registered Post Acknowledgement due was sent to both the parties giving direction for their appearance before this Tribunal on the hearing dated 11-8-97. Though the 2nd Party was received the notice on 9-7-97 as per the acknowledgement Ex. C1, the notice for the 1st Party was returned with Postal endorsement “No such person in this address” and the returned postal cover is Ex. C2.

(3) That apart when the case was taken on the said hearing date on 11-8-97, one Sri Kasbekar, Senior Clerk of the 2nd Party, appeared and represented that the 2nd Party had already sent one registered reply letter dated 25-7-97 (i.e.) Ex. C3 which was received by this Tribunal on 28-7-97. He had also corroborated the said letter Ex. C3 signed by the Administrative Officer and represented that when they verified their roll they found that no such workman was working in their institution. But though, in the said letter, the Administrative Officer had requested this Tribunal to give details of the case, the Tribunal is unable to give any details, as the 1st Party has not appeared and filed any particulars much less than any

claim statement. In such circumstances this Tribunal is also unable to send any fresh notice to the 1st Party to his correct address for want of correct particulars. Hence, I am of the view, that the said Central Government reference has to be closed.

ORDER

(4) As discussed above the, Central Government reference No. 81/94 is closed. Submit to Government.

(5) (Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this Monday the 11th day of August, 1997).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

का.आ. 2758-औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में इंडियन आइल कापोरेशन के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-9-97 को प्राप्त हुआ था ।

[सं. एल-30012/28/96-आई. आर. (सी. I)]
ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th September, 1997

S.O. 2758.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Indian Oil Corporation and their workman, which was received by the Central Government on 26-9-1997.

[No. L-30012/28/96-IR (C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Thursday, the 18th day of September, 1997

PRESENT

THIRU S. ASHOK KUMAR, M.Sc., B.L.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL,

Industrial Dispute No. 22 of 1997

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 between the Workmen and the Management of Indian Oil Corporation, Madras).

BETWEEN

Shri M. Jayakumar.
C/o General Secretary,
Indian Oil Employees Union,
139, Nungambakam, High Road,
Madras-600 034.

AND

The General Manager, Southern Region,
Indian Oil Corporation Ltd.,
Indian Oil Bhavan,
Nungambakkam High Road,
Madras-600 034.

REFERENCE

Order No. L-30012/28/96-IR(C.I.) Ministry of Labour, dated 2-4-1947, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for hearing on this day, upon perusing the reference and Tvl. K. M. Ramesh, K. Michael Amalraj, Advocates appearing for the petitioner, and Tvl. T. S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla, and S. Ravindran, Advocates appearing for the respondent, and the parties having filed a joint memorandum of settlement, this Tribunal made the following.

AWARD

This reference has been made for adjudication of the following issue :—

“Whether the action of the management of Indian Oil Corporation in dismissing the services of Sh. M. Jayakumar, is legal and justified? If not, to what relief the workman entitled to?”

Joint Memo of Settlement filed. Award passed in terms of settlement.

Dated this the 18th day of September, 1997.
Encl : Copy of Settlement.

THIRU S. ASHOK KUMAR, Industrial
Tribunal.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
MADRAS

I.D. No. 22 of 1997

M. Jayakumar .. Petitioner

Vs.

Indian Oil Corporation Ltd.

.. Respondent

JOINT MEMO FILED BY THE PARTIES

The parties have arrived at a settlement as per copy attached hereto. The parties pray for an award in terms of the settlement.

Dated at Madras this the 23rd day of July, 1997.

Sd/-

(L. M. Ramesh)

Counsel for Petitioner

Sd/-

(elligible)

Counsel for Respondent.

MEMORANDUM OF SETTLEMENT
MADE UNDER SECTION 18(1) OF THE
INDUSTRIAL DISPUTES ACT.

Representing Employer : Indian Oil Corporation Ltd. Southern Region, Chennai rep. by Shri T. N. Sivaraman Dy. General Manager (HR) SR.

Representing workman : Workman M. Jayakumar.

Shri T. S. Rengarajan, General Secretary,
Indian Oil Employees' Union.

Shri S. Mohan Raj, Treasurer, Indian Oil Employees' Union.

Broad description, category and No. of workmen covered by the settlement : One workman only.

SHORT RECITAL

The employment of workman Shri M. Jayakumar ceased as on 27-01-1993 pursuant to disciplinary action taken against him. By the order dated 1-7-1996, the Government of India referred the dispute relating to the non-employment of M. Jayakumar to the Industrial Tribunal, Madras for adjudication. The Indian Oil Employees Union made a representation that in view of admission of the charges and repentance shown by workman M. Jayakumar, the Corporation should consider him atleast for fresh employment on humanitarian consideration. Thereafter the issue providing employment to M. Jayakumar was discussed bet-

ween the parties and have arrived at a settlement on the following terms :

1. The Union and workman M. Jayakumar accepted the cessation of his employment as on 27-1-1993 and that his dues as on that date will be settled.
2. It is agreed that on a date to be notified by the Corporation, he will be offered fresh employment as Assistant (Grade IV) and workman M. Jayakumar agrees to accept the posting as may be ordered by the Corporation.
3. It is further agreed that the Corporation will be at liberty to fix the terms of his employment.
4. The parties will file a copy of this Memorandum of Settlement in I.D. No. 22/97 and seek an award in terms of the settlement.
5. The Corporation will issue a letter of fresh employment after an award is made in I.D. No. 22/97.
6. With this settlement, workman, M. Jayakumar shall have no claim in respect of his employment prior to 27-01-1993.

Dated at Chennai this the 14th day of July, 1997.

REPRESENTING

WORKMAN

T. B. RENGARAJAN

General Secy.

IOEU.

REPRESENTING

MANAGEMENT

(T. N. SIVARAMAN)

DGM (HR)

WORKMAN

M. JAYAKUMAR

(S. MOHAN RAJ)

Treasurer

IOEU.

2573 GI/97--17

Witnesses : 1.

2. Sign illegible

C.C : Secretary to Government, Labour Department, Fort St. George Chennai-9.
Commissioner of Labour, Chennai-6.
Dy. Commissioner of Labour,
Labour Officer.

Industrial Tribunal

(Tamil Nadu)

Madras.

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2759—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै बी पी सी एल के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, (सं.-1), धनवाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-10-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20040/75/94-आई आर (सी-I)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1997

S.O. 2759.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, (No.-I), Hyderabad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s B.P.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 3-10-97.

[No L-20040/75/94-IR(C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I,
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated : 30th day of November, 1996

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 76/1995

BETWEEN

Shri M. Ashok Kumar, S/o Shri M. Rajeswar, 12-11-728,
Warasiguda, Secunderabad-500 003. . . Petitioner

AND

General Manager,
Bharat Petroleum Corporation, Ltd.,
7, Kodambakkam High Road, P.B. No. 1277,
Madras 600 034.

. . Respondent

APPEARANCES :

Sri S. Ravindranath, Advocate for the petitioner.

Sri K. Srinivasa Murthy, Advocate for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its order No. L-20040/75/94-IR (Coal-I) dated 19-9-95 referred the following dispute under section 10(1)(d) and 2A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication :

“Whether the action on the part of the management of Bharat Petroleum Corporation Ltd., in awarding a punishment of termination from services to Shri M. Ashok Kumar w.e.f. 7-1-91 is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?”

2. Both parties appeared. The petitioner filed claim statement on 27-11-95, and the Respondent filed his counter on 27-2-96. Thereafter, the matter was posted for enquiry from time to time.

3. In spite of giving so many adjournments i.e. from 26-4-96 to 30-11-96 to the parties, they did not come forward either to file the documents or to adduce evidence on their behalf. Hence this Tribunal has taken a view that the parties are not interested to prosecute the matter so the I.D. is closed on 30-11-1996.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of November, 1996.

Note :—The I.A. No. 8/97 is filed by the petitioner to restore the above matter. Due to non-appearance and non-prosecution of the matter this I.A. also filed by the petitioner was dismissed on 5-8-1997.

Given under my Hand and the seal of this Tribunal, this the 5th day of August, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

का.आ. 2760.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण हैदराबाद के पंच-पट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल-34011/2/86 डी IV- (B)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th September, 1997

S.O. 2760.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 29-9-1997.

[No. L-34011/2/86-D.IV (B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT
HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated, 30th day of August, 1997

Industrial Dispute No. 8 of 1987

BETWEEN

Workmen of Visakhapatnam Port Trust,
Visakhapatnam

..Petitioner

AND

The Management of Visakhapatnam Port Trust,
Visakhapatnam ..Respondent

APPEARANCES :

Sri G. Vidyasagar for the General Secretary, Port and Dock Employees Association, Visakhapatnam.

None for the General Secretary, Visakhapatnam Harbour and Port Workers Union, Visakhapatnam.

M/s. K. Srinivasa Murthy and G. Sudha, Advocates—
for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-34011/2/86-D.IV (A) dated 10-2-1987 and 4-8-87 referred the following dispute under Section 10 (1)(d) and 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication :

“Whether the action of the management of Visakhapatnam Port Trust in denying stagnation promotion to 26 workmen as shown in the annexure who were originally recruited in the Outer Harbour Project and were later on brought on to the Chief Engineer's Deptt., of Inner Harbour Project w.e.f. 1-11-83 is justified ? If not, to what relief the workmen concerned are entitled ?”

ANNEXURE

Name of the Workmen

Sl No.	S/Shri	
1.	B. Veeraju	Khalasi
2.	K. Satyarao	..
3.	B. Suri	..
4.	R. V. Ramana	..
5.	Ch. Sanyasi	..
6.	D. Somulu	..
7.	Ch. Pydithalli	..
8.	V. Nookaraju	..
9.	D. Appalaswamy	..
10.	D. Adinarayana	..
11.	S. Appa Rao	..
12.	B. Paparao	..
13.	M. Ramarao	..
14.	Ch. Appanna	..
15.	Ch. Mutyalu	..
16.	P. Polayya	..
17.	A. Nagaraju	..
18.	Ch. Ramachandradeddy	..
19.	G. Ramireddy	..
20.	G. Sanyasi Rao	..
21.	Kovvuru Apparao	..
22.	Y. Suryanarayana	..
23.	M. L. N. Achari	Bill Clerk
24.	S. Nookaraju	Clerk
25.	S. Baburao	Carpenter
26.	S. Simhachalam	Gardner

(now Khalasi)'

2. The General Secretary of the Port and Dock Employees Association filed a claims statement contending as follows :

The workmen concerned, hereinafter called as 'Petitioners' were appointed as Khalasi under the Civil Engineering Department to work in Outer Harbour between 1969 to 1971. Sl. Nos. 1 to 22 of the workmen are working as Khalasis, Sl. Nos. 23 and 24 are working

as Clerks, Sl. No. 25 is working as Carpenter and Sl. No. 26 is working as Gardener. There was an agreement between the Management and the Union on 21-11-1983 wherein it was agreed that the employees who were appointed in the initial categories on or before 1-11-1973 would be considered for promotion to the next higher category in the line of promotion in accordance with the existing rules subject to their passing trade tests whenever prescribed. The agreement was implemented with effect from 1-11-1983. In the agreement, it was further laid down that the employees have to give a written undertaking to the effect that they would continue to perform the duties in the lower post even after promotion. In pursuance of it, number of employees who had completed 10 years or more service were promoted to the next higher post. The next promotion from the post of Khalasi is to the post of Survey Khalasi. The clerks and bill clerks are to be promoted as Junior Assistants. The Carpenter Gr. III is to be promoted as Carpenter Gr. II. Since the promotions were not given to the workmen, the union raised an Industrial Dispute which resulted in this reference. The workmen stagnated in their respective posts for more than 10 years. The upgradation or promotion is not dependant upon the availability of vacancies or to be created. The management expressed their inability to promote the petitioner due to ban on creation of posts. The question of creation of posts does not arise as the employees continue to work in the lower category. The management appears to have contended that the seniority would count only from 28-5-86 when the workmen were merged with the Inner Harbour. The unions have no power to enter into agreement denying their seniority. The workmen effected are not the parties to the agreement. They cannot forego their seniority. There are about 54 categories of employees who are denied the promotion on the ground that there is no channel of promotion. The petitioners are entitled to promotion in their respective grades and arrears of pay. An award may be passed accordingly.

3. The respondent filed a counter contending as follows :

The membership of the Association which espoused the case of the petitioners is negligible, and there is no valid reference. Out of 26 workmen, 22 workmen are Khalasis, 2 workmen are Clerks, 1 workman is a Carpenter and 1 workman is a Gardener. The employees who were stagnating in the initial categories as well as promotional posts were promoted to the respective higher posts with effect from 1-11-1983 or from the date of their selection whichever is later as per the agreement. The stagnation of the employees in the Outer Harbour was also considered and 2 posts of Junior Assistants were created for promoting Sl. No. 23 and 24. They were not given at that time. But they were given promotions subsequently from 13-1-1984. Promotion of an employee from lower cadre to higher cadre is not automatic. There should be a vacancy and there should be eligible candidates and they should be promoted on seniority-cum-merit basis and also as per trade test as per the promotional rules existing on that date. There were no higher cadre posts in the Outer Harbour to consider promotion of Khalasis, Carpenter and Garden Labour. Therefore the petitioners 1 to 22 and 25 and 26 could not be considered for promotion. There was discussion with the union and they were merged with the Civil Engineering Department of Inner Harbour, themselves taking the bottom seniority. The recruitment rules were amended accordingly. On completion of Outer Harbour Project, the petitioners could have been retrenched from service but they were continued on humanitarian grounds. The promotion and upgradation are not one and the same. The Government of India banned the creation of posts. Hence the petitioners are not entitled to any promotion. The petition is liable to be dismissed.

4. My learned predecessor took up the enquiry. The secretary of the union was examined as WW-1 and he filed Exs. W-1 to W-5. The Personnel Officer was examined as WW-1 and he filed Exs. M-1 to M-4. My learned predecessor considered the material and passed an Award dated 1-12-1988 directing the respondent-Management to give stagnation promotion with effect from 1-11-1983 and consequential benefits like seniority and back wages. As against the said Award the management preferred a Writ Petition No. 7406/89. The learned Judge by Judgement dated 4-2-94 confirmed the finding that the petitioners are also the employees of Inner Harbour. However the learned Judge remanded the matter to this Tribunal to the extent of determining whether on the date of Ex. M-1 (Agreement), the workmen concerned had a channel of promotion to higher categories in accordance with the then existing Recruitment Rules. The learned Judge gave opportunities to both the parties to adduce further evidence if any. The workmen preferred W.A. No. 421/94 against the said remand order and an Hon'ble Division Bench dismissed it on 12-11-1996. Thereupon the enquiry is taken up.

5. After remand WW-1 was recalled and he filed Ex. W-6 Recruitment rules and Exs. W-7 and W-8 are the Judgements of the Hon'ble High Court. The management examined Head Assistant as MW-2 and a Clerk as MW-3. They filed Exs. M-5 to M-37.

6. The point for consideration is whether the respondent is justified in denying stagnation promotion to the petitioners ?

7. Point : It appears from the counter and the evidence that the petitioners Sl. Nos. 23 and 24 were already given promotions after some delay. We have to consider the cases of others.

8. There was agreement Ex. W-1 of which Ex. M-1 is a copy, whereby the Management agreed to promote the persons who are appointed on or before 1-11-1973, to the higher post in the line of promotion and in accordance with the existing recruitment rules, subject to their passing trade tests, wherever prescribed. The promotion has to be given from 1-11-1983. The workmen have to continue to do the work in the same post though they were promoted to the higher post on paper. There was no specific clause that the employees should get automatic promotion after completion of 10 years services. But the dates mentioned in the agreement suggests the same. The employees who are appointed prior to 1-11-73 have to be considered for promotion from 1-11-83. Thus there is a gap of 10 years. Then this agreement is also in pursuance to the settlement dated 4-1-82 between the Port Trust and Federation of Port and Dock Employees. The posts already occupied by the workmen are upgraded. The workmen are given all the promotions on paper and monetary benefit though they continued to discharge duties in the lower post.

9. The petitioners joined in Outer Harbour Project between 1969 and 1971. They are in service now and they are claiming promotions from 1-11-83. The respondent is denying the promotion to them on the ground that their services in the Outer Harbour is a temporary service and so it cannot be counted and they were absorbed in Inner Harbour only from 1986, in pursuance to Ex. M-16 resolution of the Board of Trustees. The respondent also relied upon Ex. M-15 letter of Central Government that the petitioners are not entitled to promotion, after completion of 15 years of service as their service in Outer Harbour was temporary one. This contention cannot be countenanced. In view of the clear cut finding of the Hon'ble High Court in WP No. 7406/89 which has become final. The relevant portions are as follows :

"Before proceeding to discuss the implications of the crucial para i.e. para 1 of Ex. M-1, I would like to mention that there were some arguments on the question whether it is a case of promotion or upgradation. However, that controversy is not very much relevant to the issue in as much as, if para (1) governs the case of the workmen concerned, this controversy recedes into background. Whether additional posts should be created or need not be created for the purpose of giving effect to the

benefit under para (1) becomes only a secondary issue.

Thus, the contention of the Management that the services of the 26 workmen were co-terminus with the completion of the Outer Harbour Project is not established by reliable evidence.

Nevertheless, the finding of the Tribunal that the 26 workmen are as much the employees of the Visakhapatnam Port Trust as the employees of the Inner Harbour Project cannot be assailed having regard to the state of evidence and the contents of the counter. The contention on behalf of the Management that they are not 'employees' at all cannot be countenanced."

10. The learned Judge remanded the matter to this Tribunal, only to find out whether on the date of Ex. M-1 agreement, the workmen concerned have channel of promotion for the higher categories in accordance with the then existing recruitment rules. The petitioners filed Ex. W-6 the relevant extract of the recruitment rules of the respondent. The Secretary of the union now deposed that these rules are in force from 1982 and they were not changed till now. Item No. 33 is recruitment of the post of Survey Khalasi. The method of recruitment is by way of promotion from post of Store Khalasi, failing which by direct recruitment. Though there is age restriction, literacy and pass of 3rd form for direct recruits, there is no restriction of age and pass of 3rd form to the promotees. It is sufficient that if they are literate and must be able to count, read and possess knowledge of elementary arithmetic pertaining to the measuring the chains, tapes and ranging rods. Similarly for carpenter Grade II, the recruitment is by promotion from Grade III after passing the trade test, failing which by direct recruitment. There is no age restriction and possessing I.T.I. certificate is not necessary for promotion. The other two persons were already promoted as Clerks. So it has to be held that there was channel of promotion to higher categories as per the recruitment Rules as on the date of agreement in 1983. So the petitioners are entitled to stagnation promotion.

11. It was brought in the evidence of MW-3 that Sl. Nos. 1 to 8, 22 and K. Appa Rao were appointed in substantive posts by Ex. M-20 order dated 20-7-82. He also deposed that Sl. Nos. 23 and 24 who were promoted as Clerks retired from service. The Carpenter is in service. 4th Petitioner retired on 30-6-96 on superannuation. 8th Petitioner took voluntary retirement on medical grounds on 21-9-89. The petitioner Nos. 6, 10, 13 and 14 died while in service but subsequent to this Agreement.

12. The question of seniority between the petitioners and the regular employees of Inner Harbour is not subject matter of this reference. So the point as to whether the respondent is justified in giving the bottom seniority to the petitioners is not decided in this Award.

13. In the result, an Award is passed directing the respondent to give stagnation promotions to 26 petitioners as per Ex. M-1 Agreement on paper and pay arrears. Some of them were made permanent in 1982 itself. They should not get double advantage, if any, out of this Award. The arrears of pay shall be paid to the retired people till the date of retirement and to the legal representatives of the deceased employees for the period upto death.

Dictated to the Steno-typist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal on this the 30th day of August, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witness examined for
the Petitioners :

WW-1—A. Rahman (before remand)
(after remand, re-examined on
19-6-97).

Witness examined for
the Respondent :

MW-1—P. S. N. Murthy (Before remand)
MW-2—S. Soma Raju (After remand)
MW-3—P. Adiram (After remand)
Documents marked for the Petitioner

Before remand

- Ex. W-1—Minutes of meeting held on 21-11-1983 and 23-11-1983.
- Ex. W-2—Representation dated 26-10-94 of Port and Dock Employees Association submitted before the ALC (C) Visakhapatnam.
- Ex. W-3—Representation dated 7-5-86 of Port and Dock Employees Association furnishing the correct date of appointment of workers.
- Ex. W-4—Minutes of conciliation proceedings held on 12-3-86.
- Ex. W-5—Failure report dated 17-4-86.

After remand

- Ex. W-6—Extract of recruitment Rules.
- Ex. W-7—Judgement dated 20-6-88 in WP No. 2364/84.
- Ex. W-8—Judgement dated 13-9-95 in WA No. 1053/89
Documents marked for the Respondent

Before remand

- Ex. M-1—Copy of Ex. W-1.
- Ex. M-2—Letter dated 28-11-83 of Visakhapatnam Port Trust to the Chief Engineer and others for holding trade tests.
- Ex. M-3—Meeting No. 2 of 1986-87 of the Board of Trustees to be held on 28-5-86 with regard to promotional opportunities to the isolated categories.
- Ex. M-4—Draft Amendment to the recruitment rules.

After remand

- Ex. M-4(a)—Resolution for merging the employees of the Outer Harbour in the service of the Inner Harbour.
- Ex. M-5—Letter dated 27-1-84 of Ministry of Shipping and Transport imposing a cut of Rs. 88.60 crores in the Plan Outlay.
- Ex. M-6—Letter dated 9/10-1-84 of Ministry of Shipping and Transport about taking measures for controlling plan and non-plan expenditure.
- Ex. M-7—Letter dated 23-2-84 of Ministry of Shipping and Transport about non-possibility of creation of posts till 30-9-84.
- Ex. M-8—Letter dated 17-9-84 about economy in administrative expenditure.
- Ex. M-9—Enclosure to Ex. M-8.
- Ex. M-10—Office Memorandum dated 2-4-85 about economy in administrative expenditure.
- Ex. M-11—Enclosure to Ex. M-10.
- Ex. M-12—D.O. letter dated 31-5-88 about economy in administrative expenditure.
- Ex. M-13—Covering letter to Ex. M-12.
- Ex. M-14—Guidelines for improvement in promotional opportunities on 31-1-91.
- Ex. M-15—Letter dated 23-10-92 of Ministry of Surface Transport clarifying that the persons who worked in the Outer Harbour are not entitled.
- Ex. M-16—Note put up by the Secretary to pass Ex. M-3 resolution.
- Ex. M-17—List of the seniority of the employees.

- Ex. M-18—Office order dated 19-12-76 regarding in taking the 10 Khabasis from Outer Harbour project into the Pool and appointed on scale of pay.
- Ex. M-19—Office order of the Dy. Chief Engineer.
- Ex. M-20—Order dated 20-7-82 of the Chief Engineer regarding appointment against the posts noted in Col. 4 w.e.f. the Col. No. 5 of the State.
- Ex. M-21 to M-37—Service Registers of Petitioners 2 to 8, 11 to 13, 15 and 17 to 22.
- Ex. M-32(a)—Appointment order issued to Ch. Mutyahu.

INDUSTRIAL TRIBUNAL-I, HYD.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

का.आ. 2761.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधन के संबंध में निोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. I मुम्बई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-32011/21/91-आई.आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th September, 1997

S.O 2761.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 29-9-97.

[No. L-32011/21/91-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
AT CALCUTTA

Reference No. 33 of 1992

PARTIES :

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust,

AND

Their workmen

PRESENT :

Mr. Justice A. K. Chakravarty, Presiding Officer

APPEARANCE :

On behalf of Management.—Mr. G. Mukhopadhaya, Senior Labour Officer (IR).

On behalf of Workmen.—Mr. S. Das, Secretary of the Union.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Port.

AWARD

By Order No. L-32011/21/91-IR(Misc.) dated 24-6-1992 the Government of India in the Ministry of Labour, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the Calcutta Port Trust management to refuse the promotional opportunities to the lascars attached to the Boat Registration Section under Director, Marine Department of Calcutta Port Trust in accordance with the Conciliation Settlement dated 19-8-1985 is justified or not? If not, what relief the concerned workmen are entitled to?"

2. The facts of the case are that the management of Calcutta Port Trust entered into a Conciliation Settlement with two of its union on 19-8-1985 regarding the promotional opportunities of their Lascars working under the Director, Marine Department of the Calcutta Port Trust. Boat Registration Section is one of the sections under the Director of Marine Department and headed by the Superintendent, Boat Registration. Lascars of this section having been denied the promotional opportunities by the management, the present reference was made challenging the same.

3. The union's case in this matter is that one memorandum of settlement was signed between the Calcutta Port Trust and their workmen represented by Calcutta Port Shramik Union. Another union also executed a settlement with the management in the same manner and on the same date. The union has alleged that the implementation of the above settlement has not been made in the case of the Lascars attached to the Boat Registration Section under the Marine Department and four Lascars are working in the said section. The management promised at the time of execution of the settlement that the case of those sections of the Marine Dept. which are not included in the settlement will be considered subsequently but even after 7 years nothing was done in the matter. At the conciliation proceeding, the management of the CPT took the plea that the settlement does not cover the case of the Lascars attached to the Boat Registration Section. The union, on the other hand, has denied that any suggestion was made by the Director, Marine Department in his letter to the Superintendent of the Boat Registration Section on 17-12-1988 for a supplementary agreement to place the Lascars of the Boat Registration Section in the same footing as Lascars of other sections enjoying the promotional benefit as per the settlement. The union has also alleged that the Lascars attached to the Superintendent of the Boat Registration Section is very much a unit under the Marine Department which should have been included in the Annexure of the settlement. It is further alleged that due to bonafide mistake and omission, the Boat Registration Section was not included in the annexure of the settlement although being very much within the Marine Department it is covered by the terms of the settlement. It is also alleged that there was no necessity to enter into a new settlement for extending the benefits of the settlement to the Lascars of Boat Registration Section. It is also alleged that the body of the settlement will show that it intended to cover all Lascars working in the Marine Department and the annexure attached to the same should be given no importance for the purpose of ascertaining the sections to which such benefits would be given. The union has accordingly prayed that the Lascars attached to the Boat Registration Section should be declared to be entitled to get promotional opportunities as per settlement dated 19-9-1985.

4. In the written statement filed by the management, the principle allegations of the union is denied. It is alleged that 11 registered labour unions are operating in the Calcutta Port Trust out of which 6 unions are affiliated to their all India federations of Port and Dock Workers. A tripartite settlement was reached between management of Calcutta Port Trust and their workmen represented by the Calcutta Port Shramik Union and Calcutta Port & Shore Mazdoor Union on 19-8-1985 before the Regional Labour Commissioner (Central), Calcutta over placement of Lascars on the Trustees vessels and crafts in two grades namely Grade-I and Grade-II. As per terms of the settlement, Lascars of Trustees vessels and crafts were placed in two particular grades in the ratio of 1 : 1 as stipulated in the settlement. The settlement is very specific in detailing the particulars of the Lascars on Trustees vessels and crafts to be placed in two grades namely Grade-I and Grade-II. It is further alleged that after a negotiated settlement, the annexure to the same was drawn up after reaching a consensus with the labour unions representing the Lascars on board. The terms of the settlement were duly implemented and so far no dispute was raised in respect of implementation of the said settlement by the two signatory unions thereof. The management has further alleged that none excepting the Lascars attached to the sections whose name has found place in the annexure to the settlement, shall be entitled to get the promotional opportunities in terms of the said settlement. The management has accordingly prayed for dismissal of the reference.

5. Heard representatives of the parties.

6. Admittedly, the two Tripartite Settlements dated 19-8-1985 were entered into between the management of Calcutta Port Trust and Calcutta Port Shramik Union and Calcutta Port & Shore Mazdoor Union before the Regional Labour Commissioner (Central), Calcutta over the placement of Lascars on Trustee's vessels and crafts in two grades namely Grade-I and Grade-II. The settlement is marked Ext. M-1. The first paragraph of the terms of the settlement runs as under :—

"It is agreed between and by the parties that Lascars in the Marine Department (other than on Pilot Vessels), in the Hydraulic Study Department, in the Department of General Manager, Ship Repair Complex and on Crane Vessels, Scrapper Boat and Jet Dredger I and Jet Dredger Jharra in the Mechanical Engineering Department as also Marine Hands and Lascars in the Haldia Dock Complex, shall be placed in two grades viz. Gr. I and Gr. II in the scales of pay of Rs. 595—875 and Rs. 575—806 respectively broadly in the ratio of 1 : 1 as shown in Annexure I. Placement in the higher grades shall be unitwise and on the basis of seniority-cum-suitability."

My attention was also drawn to the annexure attached to the terms of settlement containing the list of sections and the number of Lascars attached thereto to be entitled to get the promotion. The name of the Boat Registration Section has not found place in the said annexure.

7. It was submitted on behalf of the union that Boat Registration Section constitutes a part of the Marine Department of the Calcutta Port Trust. Lascars attached to that section shall be entitled to the benefit accorded in the settlement. He placed importance on the opening words of the settlement, namely, 'Lascars of the Marine Department (other than Pilot vessels)'. He submitted that the particulars of the sections or the annexure containing the names of the sections to be entitled to such benefit shall not be given undue importance so as not to include any particular section of the said department, which will be against the spirit of the settlement.

8. I have already mentioned the written statement of the workmen wherein it is alleged that due to bona fide mistake and omission the Boat Registration Section was not incorporated in the annexure to the said settlement. It is also submitted that it is immaterial whether the name of the Boat Registration Section was included in the annexure or not as the spirit of the settlement shows that it is applicable in respect of all Lascars working in the Marine Department, irrespective of the sections they work.

9. The representative of the management, on the other hand, submitted that the Tribunal cannot travel beyond the terms of the reference and the said terms being that the Tribunal is to consider whether the promotional opportunities have been denied to the Lascars of the Boat Registration Section in terms of the Tripartite Settlement dated 19-8-1985, the Tribunal should restrict itself within the terms of reference. He further submitted that the name of the section having not been admittedly entered into the annexure, no question of consideration of the Lascars attached to the Boat Registration Section being covered by the terms of the Conciliation Settlement can arise. He further submitted that even if the Conciliation Settlement is read as a whole, particularly the first paragraph that having clearly mentioned the sections in respect of which it is applicable, it shall be applicable in cases of those Lascars working in those sections only and in respect of no other Lascars of any other section of the Marine Department. He also submitted that there was sufficient reason for discriminating against the Lascars working in the Boat Registration Section as they stand on an entirely different footing from the Lascars who have been granted privilege under the settlement. My attention was drawn to Ext. M-3, the duty chart of the Lascars working in various sections under the Marine Department and on a casual glance of the duty chart it will be at once apparent that the Lascars attached to the Boat Registration Section have the duties mainly on land and not on water.

10. Upon careful consideration of the submissions of the representatives of both sides, I find that the terms of the settlement dated 19-8-1985 have clearly excluded the cases of Lascars attached to the Boat Registration Section for the

purpose of their promotion as per that settlement. Since no other interpretation of the settlement, which this Tribunal has been called upon to do, is possible even after careful scrutiny of its terms and the annexure attached thereto, I am to hold that the action of the management of Calcutta Port Trust to refuse promotional opportunities to the Lascars attached to the Boat Registration Section under Director, Marine Department of the Calcutta Port in accordance with the Conciliation Settlement dated 19-8-1985 was neither unjustified nor illegal.

11. In the aforesaid circumstances, the workmen shall not be entitled to any relief in this reference.

This is my Award.

Dated, Calcutta,
The 12th September, 1997.

A. K. CHAKRAVARTY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1997

का.आ. 2762.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सैन्ट्रल वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-36/19/86 कोन-I/डी-II (बी)]

बी. एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th September, 1997

S.O. 2762.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Central Warehousing Corporation and their workman, which was received by the Central Government on the 29-9-97.

[No. L-36/19/86-Con-I/D-II(B)].

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 88 Of 1988

Parties :

Employers in relation to the management of Regional Manager, M/s. Central Ware Housing Corporation

AND

Their Workmen.

Present :

Mr. Justice A. K. Chakravarty, Presiding Officer.

Appearance :

On behalf of Management.—Mr. Arunava Ghosh, Advocate.

On behalf of Workman.—Mr. T. K. Chowdhury, Advocate.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Ware Housing

AWARD

By Order No. L-36/19/86-Con.I/D.II (B) dated 12-6-1987 the Government of India, Ministry of Labour in exercise of its powers under section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the termination of service of Shri S. K. Biswas an Ex-Car Driver by his employer the Central Warehousing Corporation, Calcutta w.e.f. 31-10-76 is legal and justified? If not, to what relief is workman entitled to and from what date?"

2. The workman's case is that he was appointed as a Driver by his employer Central Warehousing Corporation (hereinafter referred to as the Corporation), Calcutta with effect from 22nd December, 1975 against a leave vacancy occurring against one permanent Driver Mathuram. The said appointment was given after interview and driving trial. The workman's name was forwarded through the Employment Exchange. Mathuram however, was died during his leave period and the workman continued in the said permanent post. After completion of 11 months service, the workman made representation to the said Corporation to absorb him permanently in the post of Car Driver. The Central Warehousing Corporation Employees Union to which the workman owe allegiance, also approached the management for the said purpose. The representation was made by the workman and his union as the move was going on to induct a new person in the said post. The management however, terminated the service of the workman with effect from 31st November, 1976. The workman as well as his union protested against such action of the management and demanded his reinstatement but the management did not pay any heed to such protest.

3. The workman thereafter made representation to the Labour Commissioner, West Bengal. Conciliation failed, and on receipt of the failure report, the Government of West Bengal made a reference to the Second Industrial Tribunal, West Bengal for adjudication of the issue namely, "Whether the termination of service of Shri Swapan Kumar Biswas, Driver is justified? To what relief, if any, he is entitled to?" At the concluding stage of the proceeding, on the application of the management that the West Bengal Government is not the appropriate government for reference of the dispute under the Industrial Dispute Act, 1947, the matter could not be heard. It was ultimately held by the High Court that the appropriate Government in the case is the Central Government and the reference, if any, is to be made by the Central Government. The workman accordingly approached the Central Government and the instant reference arose out of such dispute. The workman challenged his termination with effect from 31-11-1976 as illegal, unjustified and mala fide and an instance of unfair labour practice for the purpose of victimisation of the workman in violation of section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. The workman has accordingly prayed for his reinstatement in service with effect from 13th November, 1976 with full back wages, bonus and other benefits that might have been accrued to him, had he been in continuous service during this period.

4. The Corporation has denied the allegations of the workman that the termination of service of the workman is illegal or mala fide or a matter of victimisation in its written statement. It is also alleged in the written statement that he was appointed on daily rate basis against the leave vacancy of Staff Car Driver Mathuram at the rate of Rs. 10/- per day on the specific condition that his service was purely temporary and was liable to be terminated without any notice as soon as the regular Staff Car Driver returned from leave. The other Staff Car Drivers of the Corporation were all permanent. The recruitment of regular Staff Car Driver is governed by a separate regulation. The Corporation, however, admitted that Mathuram died during the period of his leave and the concerned workman was also allowed to continue on daily rate basis till such time the regular vacancy caused by the death of Mathuram was filled up in accordance with the Corporation's regulation from amongst the regular employees of the Class-IV cadre. The concerned workman was retained pending appointment of regular Staff Car Driver as new appointment to the particular post is a time consuming affair. Since in the matter of recruitment for the post of Staff Car Driver, preference is to be given

to the regularly appointed Class-IV employees of the Corporation who possess requisite qualification and skill, the application of the workman concerned for the said post could not be entertained as he was daily-rated temporary Staff Car Driver and was not regular Class-IV employee of the Corporation. As per rules of the Corporation two years service is compulsory for a staff recruited from the Employment Exchange for regular appointment. The concerned workman having completed 11 months of service only as daily-rated Staff Car Driver, his service could not be regularised. The management has denied that there was any violation of Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. According to the Corporation the concerned workman is not entitled to any relief in this case.

5. Admittedly, the name of the concerned workman was forwarded by the Employment Exchange. He was appointed as a Driver against the leave vacancy of the permanent Driver Mathuram who died during the period of his leave. It is also admitted that after the death of Mathuram, the concerned workman continued in the work in the said vacancy till his service was terminated on 13-11-1976.

6. Mr. Ghosh, learned Advocate appearing for the Corporation submitted that the appointment of the workman being merely a 'badly' appointment and that character of the appointment having not undergone any change during the period of service in the Corporation, the workman at best can get relief if the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947 have not been complied with before termination of his service. He further submitted that there cannot be any question of re-appointment against any permanent vacancy because such vacancies are to be filled up as per the rules of the Corporation. Mr. Ghosh also submitted that as the workman had not rendered 240 days of service, the provisions of Section 25F is not applicable in this case. In so far as the claim of back wages is concerned, it was submitted by him that the workman being admittedly in service of the Corporation in Calcutta State Transport Corporation since 2-10-1978, he shall not be entitled to any back wages beyond the said period. He however submitted that this fact of appointment having been suppressed by the workman in his written statement, he shall not be entitled to any back wages on the equitable principle that he who seeks relief must come with clean hands.

7. Mr. Chowdhury, learned Advocate appearing on behalf of the workman, submitted that the workman having been recruited to fill up the leave vacancy after his name was sponsored by the Employment Exchange and he having passed the interview and driving test and the permanent incumbent of the post Mathuram having died before the expiry of his leave, his service ought to have been regularised as a permanent Driver of the Corporation. He also submitted that provisions of Section 25F was not complied with as the workman had rendered service for more than 240 days and accordingly the workman will be entitled to reinstatement and full back wages.

8. Upon careful consideration of the respective submissions of the parties in this matter, I find that the concerned workman had been admittedly appointed to fill up the leave vacancy. His initial position as badly worker in the Corporation shall accordingly continue till he is absorbed by the management against a permanent vacancy which never happened in this case. It is immaterial for consideration whether his name was sponsored by the Employment Exchange for appointment in the leave vacancy or that he had all the requisite qualification for working in the said post. Since particular norms have been prescribed by the Corporation to fill-up particular vacancies, such vacancies are to be filled-up in the manner prescribed and in no other way.

9. It is true that on the death of Mathuram, the permanent Driver of the Corporation against whose leave vacancy the workman was employed, died within the period of his leave. Such death of the permanent incumbent of the post created a vacancy which required to be filled-up in terms of the rules of the Corporation. It is also true that the leave vacancy against which the workman was working, came to an end on the death of Mathuram. As per terms of the appointment of the workman his service could be dispensed with immediately thereafter by the Corporation for the simple reason that no leave shall outlive the death of incumbent of the post. Simply because the Corporation allowed him to work beyond that period, that will not create any right to the workman for appointment or absorption in the said post. His position as fully or casual worker must remained as before.

10. The question of victimisation of the workman also does not arise because the Corporation under the rules could not recruit any person from any source other than the Class-IV employees of the Corporation. The allegation of victimisation of the workman accordingly does not arise.

11. The only point that now remains left for consideration is whether the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947 have been complied with in this case. For this purpose, a brief reference to the deposition of the witnesses examined in the case is required. From the evidence of the Management Witness No. 1 Shri A. Chakraborty it will appear that the workman worked about one year. In other part of the evidence, he denied that the workman worked for 240 days. The workman himself in his evidence stated on oath that although on Sundays and Saturdays he was not to attend office but on many such days he worked on the verbal directions of the management. On a plain calculation, the workman having been appointed on 22nd December, 1975 and his service having been terminated on 31-11-1975, the period of his work was for a period of 11 months and few days. As stated by the workman, if he had worked on Saturdays and Sundays on the oral orders of the management, the period of his work shall extend beyond 240 days. The best evidence in this matter would have been the attendance register of the workman which was in the custody of the Corporation. The Corporation having withheld such best evidence, an adverse presumption shall be drawn against the Corporation to the effect that had the register been produced, it would have been shown that the workman had worked for more than 240 days. The workman thus having been proved to have worked for more than 240 days, compliance of the provisions of Section 25F was required before termination of his service. The Corporation having not admittedly complied with the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947, the termination of service of the workman cannot be said to be valid.

12. In the normal circumstances, the order of re-instatement and the back wages shall follow as a matter of course in the case of illegal termination of service. But, here in this case, the concerned workman having obtained a service under the Calcutta State Transport Corporation on 2-10-1978 where he is working now, it is submitted by Mr. Ghosh,

learned Advocate appearing for the Corporation, that no useful purpose will be served by directing re-instatement of the workman in the post of casual worker. It is, however, submitted by Mr. Chowdhury, learned Advocate on behalf of the workman, that since the order of re-instatement shall take effect from the date of his termination of service, he could not remain casual worker for an indefinite period of time.

13. Upon consideration of the submission of the learned Advocate of both sides in this matter, I am of the opinion that the workman being in permanent employment under the Calcutta State Transport Corporation for a long period of time since 2-10-78, any order of re-instatement disregarding the said fact, shall have adverse effect not only in the administration of the Central Warehousing Corporation but also of the Calcutta State Transport Corporation. Since the workman is already in service, he shall not suffer in any way, if no order of re-instatement is passed. His suffering for his illegal termination of service by the Corporation can however, be compensated by the payment of money.

14. So, upon consideration of the facts and circumstances of the case as mentioned above, though the workman shall not be entitled to get his re-instatement in the service of the Corporation, still then, he shall be entitled to receive compensation of Rs. 5,000 (Five thousand) for the illegal termination alongwith back wages from 31-11-1976 to 1-10-1978 at the rate of pay last drawn by him.

This is my award.

Dated, Calcutta,

The 12th September, 1997.

A. K. CHAKRAVARTY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1997

का०आ० 2763-—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारत रिफ़्यूजीज लि०, के प्रबंधन के संबंध निवोधकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, गुवाहाटी (असम) के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-10-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एन-29012/40/95-आई०आर० (विधि)]

बी० एम० रेविड, उस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1997

S.O. 2763.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Guwahati as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of

Bharat Refractories Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on the 3rd October, 1997.

[No. L-29012/40/95-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
GUWAHATI, ASSAM

Reference No. 3(C) of 1995

PRESENT :

Shri J. C. Kalita, B.A. (Hons.) LL.B., Presiding Officer, Industrial Tribunal, Guwahati.

In the matter of an Industrial Dispute between :

The Management of Bharat Refractories Ltd.,
N. S. Mines, Sonapahar, Boko.

Their workmen Shri N. P. Singh and 5 others.

AWARD

Addendum

Please add "vide its notification No. L-29012/40/95-IR (Misc.) dated 27th June, 1995" after "the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi" and before the words "referred an Industrial Dispute" of the Award dated 11th August, 1997 passed in the above noted reference.

Memo. No. IT-R3(C)/95/412.

Guwahati, the 24th September, 1997

Copy forwarded to the Desk Officer, Ministry of Labour, New Delhi with reference to Government letter Dy. No. 123/97-IR (Misc.) dated 19th September, 1997.

J. C. KALITA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1997

कां.प्र. 2764.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण, में केन्द्रीय सरकार लू इंडिया माइनिंग कॉर्पोरेशन प्रा. लि. के प्रबंधन के संबंध निरोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, प्रत्यक्ष में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, सं. 2, मुंबई के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-10-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29024/11/91-आई.आर. (विविध)]

बी. एम. डेविड डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1997

S.O. 2764.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Mumbai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New India Mining Corporation Pvt. Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on the 3-10-97.

[No. L-29024/11/91-IR (Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Pause, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/12 of 1992

Employers in relation to the Management of
New India Mining Corporation Pvt. Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the employer : S/Shri P. K. Rele, R. N. Shah and A. M. Pota, Advocates.

For the workmen : S/Shri Madan Phadnis, D. T. Palekar and L. T. Satelkar, Advocates.

Mumbai, the 26th August, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its order No. L-29024/11/91-IR (Misc.), dated 10th March, 1992 had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

"Whether the application of the management of M/s. NIMCO for continuing the lay-off submitted in Form 3 vide their letter dated 3-2-1992 to the Secretary, Ministry of Labour under section 25(M) of the I.D. Act, 1947 is justified? If not, what relief the workmen are entitled to after the expiry of the permission for lay-off now granted for a period of 6 weeks w.e.f. 7-3-1992 to 19-4-1992?"

2. The New India Mining Corporation Pvt. Ltd. (in short the Company) is engaged in mining of iron ore at Village Redi, Dist. Sindhudurg, Maharashtra since 1940. It secured a mining lease in an area of about 88 acres of land. In 1970, the

lease was renewed for a period of thirty days. It is still subsisting. It started operations of mining in the year 1951. It is a public utility service. There are 227 workmen in its establishment at Redi.

3. Mauli Khan Kamgar Sanghathana (in short the union) who represents the workman in the company is registered union.

4. The company pleaded that the coast mines at Redi being an establishment of seasonal nature the provisions of Chapter VB of the Industrial Disputes Act of 1947 (in short the Act) do not apply. The company made representation to the Central Government alongwith documentary evidence and submitted that it be declared as establishment of seasonal nature but the Government has erroneously held that the mines are not seasonal as mentioned within the meaning of section 25A of Clause B of the Act. It is averred that this finding is incorrect.

5. The company pleaded that for the facts and circumstances mentioned below the company has to apply for lay-off of its workers numbering 227 at its establishment at Redi. It is averred that the mining of iron ore is only possible by removing the upper layer of the earth which is in mining parlance known as 'overburden'. In view of the small area of mining the company moved the Government to allow it to throw the overburden. The Government allowed it to throw the overburden in the sea in front of survey Nos. 254 and 255. The permission was not withdrawn but in the year 1974 the Chief Port Officer, Bombay informed that the permission which was granted is cancelled. The collector then followed the matter and informed the company if it continued to dump the overburden it will be prosecuted under section 188 of the 'Indian Penal Code'. It was suggested to the company to dump the overburden in the pit of the mines. In fact it was physically not possible nor legally allowed. There is no place for the company known to throw the overburden.

6. The company pleaded that Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd. (in short M.M.T.C.) which is responsible to bring the company to its present predicament, the entire marketing and procuring of exports of iron ore and all other aspects of the business were required to be canalised through M.M.T.C. which was nominated as the canalising agency. Due to the action of the M.M.T.C. the company suffered huge financial losses. It is averred that it failed even on export fronts and it failed to lift the committed quantity from the mine. There was accumulation of the goods. It is submitted that the price which was given to the Iron Ore of Redi is far less than the product of iron ore from Goa. There is a huge accumulation of unsold stocks, due to the faulty policy of M.M.T.C. The losses of the company raised in huge amounts.

7. The company asserted that it gave an application for getting the lay-off of 227 permanent workmen under section 25M of the Act on 14-6-91. The permission was granted for a lay-off from 14-8-91 to 13-11-91. As the letter was received on 16-8-1991 the company informed the Government that it should be allowed to lay-off till 15-11-91.

8. In the meanwhile the company tried to take work from M/s. Usha Ispat Ltd. having its factory at P.O. Redi Taluka, Vengurla, Dist. Sindhudurg but later on in view of the recalcitrant attitude of the workers the company gave up the work of Usha Ispat and laid-off all the workers w.e.f. 4-10-91 and put up the notice on the board on 3-10-91. The company informed the Ministry that even though the permission to lay-off was granted earlier the lay-off was given from 4-10-91. The company was also trying to motivate the authorities to get the permission and place for dumping overburden. It filed a revision application against the Magistrates order for taking legal action under the Indian Penal Code for dumping overburden against the company. The Review Petition is still pending.

9. On 23-11-91 the company again applied for lay-off under Section 25M of the Act on the same grounds. The permission was granted upto 6-3-92.

10. The Government removed the hurdles of M.M.T.C. from 15-8-1991. In other words the company got rid of M.M.T.C. after about three decades and there was no orders in hand with the company. The company has to start its own contact and develop the business. The losses which are accrued due to the canalisation of M.M.T.C. were in crores, but the company has to come out of it by making different arrangements. The company tried to resolve those problems but could not come out of it. Under such circumstances it cannot apply for a lay-off under Section 25M on 3-2-92. On 6-3-92 it was telegraphically informed that the lay-off of six weeks is granted from 7-3-92 to 19-4-92 and the matter is under consideration. It is pertinent to note that within few days that is on 10-3-92 the Government referred the matter to this Tribunal for adjudication.

11. The company averred that it suffered on account of non-cooperation attitude of the labourers such as forcing agreements on the management when vailed agreements were subsisting. It is pleaded that the union was resorting to illegal strike or stoppage of work when ships were berthed in the harbour. Lala was appointed as arbitrator who had given an award which also supports the case of the company. For all these reasons it is prayed (i) that it be declared that the establish-

ment of the company at Redi is of a seasonal character and the provisions of Chapter VA and VB of the Act do not apply; (ii) That the application of the company dated 3-2-1992 and extension of lay-off between 7-3-92 to 19-4-92 is justified and (iii) that till the final disposal of the reference further extension of lay-off may be granted.

12. The union resisted the claim by the written statement Exhibit-4. It is denied that the company is of a seasonal nature and the provisions of Chapter V(A) to V(B) of the Act do not apply. It is submitted that there is sufficient place to throw the over burden in their own premises. It is averred that the financial excuse which he put forth is flimsy excuse. The company has been aided by the Government on the basis of the existing stocks and the stocks would be excavated. Moreover financial difficulties are not recognised as the condition for laying off the workmen nor there are any condition existing which warrant lay-off. It is submitted that there are no good grounds for continuing the lay-off and the grounds mentioned in the application are not genuine. It is averred that the granting of the permission to continue the lay-off would be very detrimental to the interest of the workman and would strengthen the need of the management to make further application for continuation of the lay-off. It is averred that the management is not trying for lifting the existing stocks and acquired additional area for dumping the overburden. It is submitted that the overburden can be thrown in the pits after getting proper permission from the concerned authorities as required under the mining rules. It is submitted that loading the ore for export is very convenient at Redi as it is close to sea. It is further pleaded that its more economical too. Under such circumstances it is submitted that there is no justification for continuation of lay-off or grant of lay-off. It is prayed that the Company may not be granted any of the reliefs, as claimed.

13. The company filed a rejoinder at Exhibit-7. It reiterated its contentions which are taken in the statement of claim. It is averred that the company had taken steps for lifting of iron ore from the mine but it could not succeed. The Government had also no plans to lift the same. It is asserted that M/s. Deccan Minerals Pvt. Ltd. had vast area under its mines lease but most of the area under lease had no iron ore deposits. Therefore the company deemed it fit to surrender it back and now there is no much place left for dumping the iron ore from the company. It is asserted that under such circumstances the prayer in the statement of claim may be granted.

14. My Learned Predecessor framed issues at Exhibit-6. The issues and my findings there on are as follows :

Issues	Findings
1. Whether the work done by the Company at the mines at post Redi is of a seasonal character ?	No.
2. Whether the provisions of Chapter VB of the Industrial Disputes Act apply to the management and workmen working at the said place ?	Yes.
3. Whether the application of the management of M/s. NIMCO for continuing the lay-off submitted in Form 3 vide their letter dated 3-2-1992 to the Secretary, Ministry of Labour under section 25(M) of the Industrial Disputes Act, 1947, is justified ?	Yes.
4. If not, what relief the workmen are entitled after the expiry of the permission for lay-off granted for a period of 6 weeks w.e.f. 7-3-1992 to 19-4-1992 ?	Does not survive.
5. What Award ?	As per Order.

REASONS

15. Looking to the terms of the reference it can be seen that the Government did not ask the Tribunal to answer the issues 'Whether the mines at post Redi are of a seasonal character ?' The issue which is raised by the company appears to be outside the scope of the reference. It cannot be said that it is an incidental question to be decided while answering the reference. Infact on this basis alone the first two issues have to be answered.

16. The company wrote a letter to the Ministry of Labour dated 22-11-91 (Ex-3) Sr. No. 26 contending that the Mines at Redi be declared as of a seasonal nature. It is submitted that as it is so Chapter VB of the Act does not apply to it. Saxena (Ex-11) the Manager Personnel and Law of the company affirmed that the Port of Redi closed any time between 15th to 31st May and reopens in October each year on account of monsoon. The port not being an all weather port and that during the monsoon no mining activities can be or is carried out and only for maintenance of machinery and equipments permanent staff is employed as in

a remote place like Redi trained persons required for such an upkeep and maintenance there are not easily available.

17. Sharad Sawant (Ex-10) the President of the union categorically stated that it is wrong to say that the mining activities are carried out between May to October. But he states that these activities started from 15th September till the rain starts. It is not in dispute that the workers of the company are used in maintenance of the mines and machinery for the remaining season.

18. The Central Government by its letter dtd. 12-2-97 (Ex-3|27), the Government informed the company that after careful consideration of the information furnished by the company and also submissions made by them is well during the hearing held at Bombay Battacharya the Joint Secretary came to the conclusion that the Industrial Activities of the New India Mining Corporation Ltd. cannot be treated as seasonal as mentioned in clause-B of section 25 K(2) of the Act. It is not disputed by the company that the decision of the Government so far as the character of the Industry whether it is seasonal or not is a final one. But it is tried to submit as the matter pertaining the continuance of lay-off beyond 10-4-92 is referred to the Tribunal. The Tribunal can also decide the Character of the Industry. I am not inclined to accept this. The working of the reference are very clear and it does not include to decide the character of the industry. I therefore return my findings on the first two issues accordingly.

19. Chaman Saxena (Ex-11) had affirmed as per statement of claim. He affirmed that the contents in the application dated 3-2-92 are true and correct. It is at Ex-3|22. That application is in compliance of the section 25M of the Act and Rule-75(B)(1) of the Act. At page 317 of Exhibit-3 it is a copy of the application dated 29-10-91 for grant of extension of lay off together with annexure copies, details of reasons for lay off. It is not in dispute that the Company first applied on 14-6-91 for laying off 227 permanent workers. The permission was granted for three months. Then again it applied for lay off and the permission was granted up to 6-3-92. The grounds for asking of lay off in both these applications were one and the same. Saxena affirmed that thereafter again they applied for a lay off, on the same grounds on 3-2-92. They were telegraphically informed regarding granting of lay off for six weeks from 7-3-92 which comes up to 19-4-92. There is no continuity of the circumstances. The difficulties which are narrated by Saxena are that : (1) mind boggling situation prevailing in the company put hindrances in the commencement of the mining and export (2) Financial position (3) huge accumulation of unsold stock. All these reasons according to the company are justifiable for continuation of lay off from 7-3-92. Saxena affirmed that the company

had huge unsold accumulated stocks of iron ore. It is more than Rs. 500 lakhs. The company after decanalising of M.M.T.C. is trying to search out the buyers. But they are still not in a position to get the buyers as required. It happened because for the last three decades the M.M.T.C. was canalising the same and from 15-8-1991 it is decanalised. So far as huge accumulation of unsold iron ore is concerned Sharad Sawant the President admits that after May, 1991 the stocks were accumulated. He admits the position that no product was sold during the year 1991-92 and 1992-93. According to him this is because the company was closed. I am not inclined to accept that for getting lay off the company will resort to not selling of the companies goods since 1991, and it will allow the accumulation of stocks of iron ore as at Exhibit-3|8.

20. The position of accumulation of stock is not challenged. It is tried to argue on behalf of the union that the reasons put forth by the company for asking for a lay off are quiet contrary to the requirement of the section. As against that the Learned advocate for the company submitted that the case which is made out by the company is as per the provisions of law.

21. Section 2(KKK) of the Act deals with lay off. It states that "lay off" (with its grammatical variations and cognate expressions) means the failure, refusal or inability of an employer on account of shortage of coal, power or raw materials of the accumulation of stocks or the break down of machinery or natural calamity or for any other connected reason to give employment to a workman whose name is borne on the muster rolls of his establishment and who has not been retrenched. Therefore, the reasons which is mentioned in this section viz. accumulation of stocks is clearly proved by the company from the evidence of Saxena, Sawant and the documents on the record. Because on the earlier occasions a lay-off was granted on its basis. There is no change in it.

22. Section 25M of the Act deals with prohibition of lay off. Reading this section alongwith the definition section 2(kkk) of the Act it has to be said that the company has established its case for granting of lay off. The appropriate government in this case the Central Government had referred the case for adjudication, under this section.

23. It is tried to argue on behalf of the company that in view of section 25M(V) after presenting the application for a lay off within 60 days the government has to inform the concerned granting or refusing that lay-off, otherwise it will be presumed that the lay off is granted. Here in this case it is tried to submit that no such intimation was given within that period and under such circumstance it has to be presumed that the lay off is granted. I am not inclined to accept this argument.

It is because on 3rd February, 1992 application was made for granting of lay off. On 6th March, 1992 by a telegram the Government informed the company that a lay off is granted for six weeks from 7th March, 1992 to 19th April, 1992 and it will reconsider the contents in the application in that period. But before reconsidering the matter it appears that the Government thought it fit to refer the matter to the Tribunal for adjudication and it did so by its order dated 13th March, 1992. In other words instead of granting or refusing of the permission the government asked the Tribunal to adjudicate the matter.

24. It is not dispute that after the reference was made the Government gave the permission to the company to retrench the workman. Sawant admits that on 11th November, 1992 government granted permission to company to retrench 120 workmen. He does not know if the company retrenched 50 persons in January, 1994. But he accepts the position that there are no workers working in the company. The mining activities are closed from October, 1991. This is an additional factor which can be said to be supporting the contents of the application dated 3rd February, 1991.

25. Mr. Phadnis the Learned Advocate for the Union placed reliance on workman on Diwan Tea Estate and Ors. Vs. Their management 1964 I LLJ 358 and also workman of M/s. Firestone Tyre and Rubber Company Vs. The company, 1976 III SCR 369. The facts of that case are quite different than the facts before me. In Hopte Textiles Ltd. and Anr. Vs. State of Madhya Pradesh 1993 I LLJ 603. Their Lordships observed that financial stringency is not the case for which the lay off could be given. Here in this case the reasons given in the application dated 6th February, 1991 so far as accumulation of stock is concerned is a ground of granting lay off. For all these reasons I do not think it necessary to discuss other points which are referred to in the application dated 3rd February, 1992. In the result I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The application of the management of M/s. NIMCO for continuing the lay-off submitted in Form 3 vide their letter dated 3rd February, 1992 to the Secretary, Ministry of Labour under section 25(M) of the I.D. Act, 1947 is justified.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1997

का.आ. 2765-- औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एफ. सी. आई. के प्रबंधन के संबंध में निरीक्षण और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-9-97 को प्राप्त हुआ था ।

[संख्या एल-42012/145/86-डी-II (बी)]

एस. राविश अली, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th September, 1997

S.O. 2765.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of F.C.I. and their workman which was received by the Central Government on 29-9-1997.

[No. L-42012/145/86-D.II (B)]

S. RAVISH ALI, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghvan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated, 22nd day of July, 1997

Industrial Dispute No. 23 of 1996

BETWEEN

Shri S. Abdul Gafoor, near H. P. Company
C/o Tea Hotel, Alur Road, Guntakal (PO)
Andhra Pradesh ..Petitioner

AND

The District Manager,
Food Corporation of India,
Kurnool (A.P.) ..Respondent

APPEARANCES :

M/s. G. Ravi Mohan and R. Devender Reddy, Advocates—for the Petitioner.

Sri B. G. Ravinder Reddy, Advocate—for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-42012/145/86-D.II (B), dated 8-4-1996 referred the following industrial dispute under Section 10(1) (d) and 2-A of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication :

(i) That the employer (F.C.I.) had not complied with the provisions of Section 25 (F) of the I. D. Act, 1947 while terminating the services of the petitioner Shri Abdul Gafoor.

(ii) To what specific relief is the petitioner entitled ?

Both the parties appeared and filed their pleadings.

2. The workman Abdul Gafoor, hereinafter called as 'Petitioner' filed a claim statement contending as follows :

The petitioner was appointed as Watchman on daily wage basis. The F.C.I. gave instruction to regularise the services of the daily rated workmen from 8-1-1976 onwards. An amendment was introduced

to the Food Corporation of India Employees Service Regulations in 1976 for regularising the services of daily rated workers who worked for more than 3 months. The petitioner worked as Watchman from 29-4-1976 to 21-4-1977 in Timmencherla Depot and he was disengaged from 19-4-1977 without any notice or any valid reasons. The petitioner made representations to the Management and also to the Conciliation Officer. He filed a Writ Petition in the High Court and the Hon'ble High Court allowed the said W.P. and directed the Government of India to refer this matter to this Tribunal. Hence this reference is made. The termination of services of the petitioner is illegal and arbitrary. Some workmen are appointed subsequent to the appointment of the petitioner. The juniors to the petitioner were retained. There was violation of Section 25-G and H of the I. D. Act. The petitioner could not secure any appointment in spite of best efforts. The respondent may be directed to reinstate the petitioner with all benefits.

3. The respondent filed a counter contending as follows :

The dispute raised by the petitioner is a state claim in view of the abnormal delay. The petitioner is not entitled to any relief. The petitioner was employed as casual employee and worked now and then. He was not appointed on regular basis after following procedure. He was engaged as watchman on daily wages at hire godown Timmercherla in 1976 and his services were discontinued after the godowns were de-hired consequent to the dwindled procurement operations. The circular dated 4-2-1976 applies to the persons who are already working by then. The petitioner was engaged for the first time on 29-4-1976 and so the said circular does not apply to him. The allegation of the petitioner that he was retrenched is not correct. The petitioner is not entitled to any relief.

4. The point for consideration is (1) whether the petitioner was retrenched as per the provisions of Section 25-F of I. D. Act and (2) to what relief he is entitled to ?

5. The petitioner examined himself as WW-1 and filed Exs. W-1 to W-7. The Assistant Manager (General) in the Office of the Dist. Manager, F.C.I. Kurnool is examined as MW-1. He filed Exs. M-1 to M-11.

6. Point No. 1—It is proved from the evidences of WW-1 and MW-1 and Exs M-1 to M-11 Attendance-cum-Wage Sheets that the petitioner worked as Watchman at Timmercherla Godown from 29-4-76 to 21-4-77. The petitioner did not work in January, 1977 and March, 1977. However he worked for more than 240 days. Actually he worked for 247 days. Hence he is a workman within the meaning of Section 2(s) of I. D. Act as well as Section 25-F of I. D. Act read with Section 25-B (2) of I. D. Act. He worked for one year and he cannot be retrenched unless he is given one month notice or pay in lieu of notice and also 15 days wages as compensation under Section 25-F (a) and (b) of I. D. Act. So the termination of the petitioner is illegal. However there is inordinate delay for this dispute to come to this stage. The petitioner was retrenched in 1977. We are in 1997. The petitioner states that he approached the Officers of the Respondent and Conciliation Officer and when the Government refused to refer the dispute, he had filed Writ Petition No. 18910/87 before the Hon'ble High Court and the Management filed Writ Appeal No. 646/88. It is not known when this Writ Appeal was disposed off. The reference is made on 8-4-1996. The learned Advocate for the petitioner cited a decision dated 5-4-1996 of our Hon'ble High Court in WP No. 28/93. In the said case similarly situated casual watchman was appointed on 13-2-76 and terminated on 3-5-1977. He raised the Industrial Dispute and the Tribunal directed for reinstatement without back wages but with the continuity service. The Hon'ble High Court confirmed the said award. The F.C.I. reinstated the said workman Sri Mohd. Basha on 9-8-96. The learned Advocate for the petitioner also fairly conceded that in same other similar cases, the Hon'ble High Court ordered for payment of compensation of Rs. 75,000 for the inordinate delay only the dispute reaching the decisive stage. In the above circumstances the following award is passed.

7. Point No. 2—The respondent shall either reinstate the petitioner as daily watchman with continuity of service but without back wages anywhere in its jurisdiction or pay Rs. 75,000 as compensation in lieu of reinstatement. The respondent shall take a decision within one month from the date of publication of this Award, otherwise the petitioner can opt for anyone of the above reliefs.

Dictated to the Steno-typist, transcribed by him, corrected by me and given under my hand on this the 22nd day of July, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

Appendix of evidence

Witness examined for

Petitioner :

WW-1—S. Abdul Gaffoor.

Witness examined for

Respondent :

MW-1—S. Satyanarayana Rao.

Documents marked for the Petitioner

Ex. W-1—Representation dated 24-12-85 given to the Asst. Labour Commissioner.

Ex. W-2—Representation dated 21-5-87 given to the Regional Labour Commissioner.

Ex. W-3—Minutes of conciliation proceedings.

Ex. W-4—Report submitted by the ALC to the Government regarding the failure of the conciliation.

Ex. W-5—Representation submitted to ALC with a copy to the Respondent.

Ex. W-6—Failure report dated 1-10-86 of ACL to the Government.

Ex. W-7—Xerox copy of the reference dated 8-5-87 issued by the Government regarding termination of services of WW-1.

Documents marked for the Respondent

Ex. M-1 to M-11—Attendance-cum-Wage Registers of daily rated employees from April, 1976 to December, 1976, February, 1977 and April, 1977.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

कां.आ. 2766—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, के प्रबंधन के संबंध में निोज्यों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-9-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या ए.ए. 12012/123/89-आर्.आ. (बी-3)/बी-1]

पी० जे० माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1997

S.O. 2766.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to

the management of State Bank of Indore, Indore and their workman, which was received by the Central Government on the 30-9-1997,

[No. L-12012|123|89-I.R. (B.3.)|B.I.]
P. J. MICHAEL, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA : PRESID-
ING OFFICER : CENTRAL GOVT.
INDUSTRIAL TRIBUNAL : NEW DELHI

I.D. No. 76|88

In the matter of dispute between :
Shri Rajinder Singh S/o Shri Murli, Clerk,
Chandni Chowk Branch r/o 90 V/J. 8|North Pitam-
pura, Delhi-110034.

Versus

The Regional Manager,
Region IV, State Bank of Indore,
Zonal Office, 163, Kanchan Bagh,
Indore 452001.

APPEARANCES :

Shri C. P. Aggarwal—for the workman.
Shri Parmod Kumar—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012|123|89-I.R. (B-3) dated 7-8-89 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the State Bank of Indore in terminating the services of Shri Rajinder Singh S/o Shri Murli, Clerk, Chandni Chowk Branch, Delhi, w.e.f. 7-5-1988 without tendering any notice is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

2. The brief facts stated in the statement of claim are that the workman was employed in the Bank Chandni Chowk Branch on 6-7-84. It has been alleged that in July, 1984 when he received his salary from Mrs. Sunita Jain there was a deduction of some amount and on enquiry he was told that the deduction was for membership of the Union. The workman objected to this deduction on the ground that he was not member of the union and had not given any written consent to the union for deduction. Later on the amount deducted as subscription was refunded. It was alleged in the statement of claim that the management gave a false charge sheet to the workman containing allegations by Mr. Jain against him which he replied. The management appointed the Enquiry Officer against him

for enquiring into charges levelled against him into the charge sheet dated 23-9-85. He also requested the Enquiry Officer to allow him to engage an Advocate who could defend him to appear before the Enquiry Officer but his request was not allowed. The enquiry was conducted by the Management. Enquiry Officer conducted the same in an illegal manner without giving full opportunity to the workman. He was not allowed to be represented by an Advocate during the enquiry as he himself was not conversant with the technicalities of the enquiry. He has objected to the enquiry on many grounds detailed in the statement of claim.

3. The Management in its written statement denied the allegations made in the statement of claim and alleged that the enquiry was conducted in fair and proper manner. No prejudice was caused to the workman and the charges against him were so serious in nature that the punishment granted to him was according to the gravity of the charge against him.

4. I have heard representatives for the parties and have gone through the record and also gone through the written arguments filed by the parties.

5. Workman himself appeared as WW1 while the management examined Shri Bhanwar Lal MW1 and Ashok Mishra MW2.

6. After having gone through the points urged before me by the representatives for parties I am of the considered opinion that the statement of claim of the workman is not in accordance with the terms of reference. For clarification I reproduce below the reference made by the Ministry of Labour in this case :

“Whether the action of the State Bank of Indore in terminating the services of Shri Rajinder Singh S/o. Shri Muri, Clerk, Chandni Chowk Branch, Delhi, w.e.f. 7-5-1988 without tendering any notice is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled to?”

7. A careful perusal of the reference shows that this Tribunal is required only to go through the fact about the termination of the services of the workman with regard to the tendering of the notice only. The fact that the services were terminated without tendering any notice though finds mention in the statement of the claim but that is only a passing reference. It has nowhere been specifically stated as to what notice was required and how the non-tendering of such notice was illegal or unjustified. It also finds no mention as to what prejudice was caused to the workman by not tendering such notice. In the affidavit filed by the workman as is evident, again there

is no mention of this fact nor in the examination in chief or cross-examination recorded during the proceedings of this case. It appears that the workman or his representative has not gone through the reference which only requires that whether the termination of the workman was unjustified or illegal for want of tendering any notice. No such assertion at any other stage in the whole of the proceedings has been made by the workman or his representative. Even the written arguments by both the parties relate to the fairness or otherwise of the enquiry conducted against the workman but not a word has been recorded or addressed orally in respect of the relevant portion of the reference.

8. In view of the fact the workman has subjected his termination only on ground of not tendering any notice, I am of the opinion that since no evidence has been led before me nor arguments addressed so the question of this fact being illegal or unjustified does not arise. The reference order was originally received on 7-8-89 but it was revised and a corrigendum was issued on 9-1-92 wherein also there was no mention of any other ground of his termination except not tendering of the notice. The tendering of notice has not been argued before me by any of the parties, so I am of the opinion that there was no illegality proved in this case by the workman to hold that the action of the management was in any way illegal or unjustified. Parties are left to bear their own costs. In view of the circumstances of this case.

24th September, 1997.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

का.आ. 2767.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. जी. आर्दी हैदराबाद के प्रबंधकों के संवत् नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अग्रिम में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण-I, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/116/87-आई.आर. (बी-I)]

पी. जे. माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st October, 1997

S.O. 2767.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI, Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on the 20th August, 1997.

[No. L-12012/116/87-IR (B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I, AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated, 20th day of June, 1997

Industrial Dispute No. 6 of 1997

BETWEEN

C. B. S. P. Raman, State Bank Employees Union, Vijayawada.Petitioner.

AND

(1) Regional Manager, Region-IV, SBI Bank Street, Hyderabad-500001.

(2) Chief Regional Manager, SBI Regional Office, RTC Complex, Vishakhapatnam.Respondent.

APPEARANCES :

None—For the Petitioner.

Sri B. G. Ravindra Reddy, Advocate—For the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its order No. L-12012/116/87-IR. BI dated 4th February, 1997 referred the following dispute under section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication :

“Whether the action of the management of SBI in terminating the services of Sri B. Malli Karjuna Rao, M. Jayapal and K. Babu Rao is legal and justified ? If not, to what relief the workmen entitled to ?”

(2) After receipt of the said reference, this Tribunal has issued a notice to both the parties. Notice was served upon the Respondent. The petitioner did not appear but Sri C. Suryanarayana, Advocate appeared for the petitioner and offered to file Vakalat. The Respondent was absent the matter was posted for his vakalat and claim statement of the petitioner from 17th April, 1997 to 20th June, 1997. Nobody appeared on behalf of the workmen.

(3) In view of the above it is presumed both the parties are not interested to prosecute the matter. There is no option to this Tribunal except to close the matter. Hence this I.D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Court, this the 20th day of June, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1997

अवार्ड

दिनांकित 10/09/1997

का०भा० 2768--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक रायपुर (एम०पी०) के प्रबंध-तंत्र के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर (एम०पी०) के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/276/87-डी-II(ए)/ए]

पी० जे० माइकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1997

S.O. 2768.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur (M.P.) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhartiya State Bank, Raipur (M.P.) and their workman, which was received by the Central Government on the 1st October, 1997.

[No. L-12012/276/87-D.II(A)|A]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

अनुबन्ध

केन्द्रीय श्रम औद्योगिक अधिकरण एवं श्रम न्यायालय, जबलपुर
(म०प्र०)

डी.एम. दीक्षित

पीठासीन अधिकारी

प्र.कं. सी.जी.आई.टी/एलसी (आर.) (190)/1990

श्री विश्वराम साहू आत्मज

स्व. जोधोराम साहू, आयु 54 वर्ष

निवासी-ग्राम-निषदा

पोस्ट-पारामांव ब्लाक: आरंग,

जिला-रायपुर (म.प्र.)

...

...प्रार्थी

वि.

क्षेत्रीय प्रबन्धक, क्षेत्र-I,

भारतीय स्टेट बैंक, आंचलिक

कार्यालय, शंकरनगर,

रायपुर (म.प्र.) 492007

...

...प्रतिप्रार्थी

उपस्थिति :—

श्रमिक की ओर से : श्री एस. पॉल, अभिभाषक।

प्रबन्धन की ओर से : श्री आर. मीरता, अभिभाषक।

उद्योग बैंक जिला: रायपुर (म.प्र.)

1. भारत सरकार, श्रम मंत्रालय के आदेश क्रमांक: एल-12012/276/87-डी.-II(ए) ए दिनांकित 25/9/90 द्वारा निम्न औद्योगिक विवाद को निम्न संदर्भ के साथ अधि-निर्णय हेतु निर्देशित किया गया है :—

SCHEDULE

“Whether the action of the management of State Bank of India in terminating the services of Shri Vishwaram Sahu, Watchman, w.c.f. 31st October, 1986 vide their letter No. S/329/86 dated 31st October, 1986 was justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. दोनों पक्षों को स्वीकार है कि श्रमिक श्री विश्वराम साहू पहले भारतीय सेना में कार्यरत था और वहां से सेवा समाप्त होने पर प्रतिप्रार्थी बैंक की महासमुंद शाखा में वाचमेन के पद पर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में कार्य किया और इसके पश्चात् जुलाई 1982 से अक्टूबर, 1986 तक अस्थायी वाचमेन के रूप में कार्य किया। श्रमिक को इस आधार पर नियुक्ति मिली थी कि वह भारतीय सेवा में कार्य कर चुका है तथा उसकी सेवानिवृत्ति निष्कलंक थी। इस पद पर स्थाई होने के लिए जुलाई 1985 में साक्षात्कार रखे गए तथा 9 अन्य लोगों के साथ श्रमिक ने भी साक्षात्कार दिया। श्रमिक की सेवा प्रतिप्रार्थी बैंक ने दिनांक 31-10-86 से समाप्त कर दी है और उसे नोटिस के एवज में वेतन दिया गया।

3. श्रमिक के अनुसार बैंक में नौकरी करने से पहले वह भारतीय सेना में महार रेजीमेंट में सिपाही था। कार्य से अनुपस्थित रहने के कारण उसे सेवा से पृथक् किया गया था। इसी आधार पर बैंक ने महासमुंद शाखा में दिनांक 1-7-81 से वाचमेन के पद पर नियुक्त किया। श्रमिक ने अपना कार्य मेहनत और इमानदारी से किया। इस पद के स्थाईकरण के लिए उसने जुलाई, 1985 में साक्षात्कार दिया। प्रतिप्रार्थी बैंक ने मनमाने तरीके से उस पर यह लांछन लगाते हुए सेवा समाप्त की कि फौज से वह कोर्ट मार्शल के बाद निकाला गया था और वह सिविल सेवा के लिए उप-युक्त नहीं है। श्रमिक सेवा में वापस जाना चाहता है और यह घोषणा चाहता है कि उसकी सेवा समाप्ति का आदेश दिनांकित 31-10-86 अवैध और मनमानी है। श्रमिक चाहता है कि उसे पुनः सेवा में बहाल किया जाए तथा बकाया वेतन और भत्ते दिलाये जाये।

4. प्रतिप्रार्थी बैंक ने इस बात पर बहुत बल दिया कि श्रमिक ने बैंक में नौकरी पाने के लिये गलत तथ्यों को प्रस्तुत किया। उसने बैंक को यह कभी नहीं बताया कि उसके बिरुद्ध कोर्ट मार्शल हुआ था तथा उसकी सेवा-पूजी में यह इंदराज था कि उसे सिविल सेवा में नौकरी न दी जाये। श्रमिक ने जो डिस्चार्ज सर्टिफिकेट प्रस्तुत किया,

यहाँ जानबूझकर स्याही उड़ेल दी थी, जिससे उसके चरित्र के संबंध में जानकारी पढ़ने में नहीं आती थी। जुलाई 85 में श्रमिक को दूसरे उम्मीदवारों के साथ वाचमेन के स्पर्ध पद हेतु साक्षात्कार के लिये बुलाया गया, इस साक्षात्कार में श्रमिक विश्वराम साहू को सबसे कम नम्बर मिले और इस कारण उसे दिनांक 31-10-86 से सेवामुक्त किया गया। प्रतिप्राप्ति के अनुसार श्रमिक ने धोखा देकर नौकरी प्राप्त की थी तथा साक्षात्कार में भी सबसे कम अंक प्राप्त किये थे, इसलिए नियमानुसार उसे सेवामुक्त किया गया।

5. श्रमिक ने अपने स्वयं के शपथ-पत्र पर हुए प्रतिपरीक्षण में न्यायालय में दिनांक 19-1-96 को यह स्वीकार किया है कि “यह सही है कि चूंकि मैं आर्मी का एक्स-सर्विसमेन हूँ, इसलिए मुझे बैंक में वाचमेन के पद पर दैनिक वेतन पर रखा गया था।” इसी शपथ-पत्र में उसने स्वीकार किया है कि वाचमेन के स्पर्ध पद का उसका साक्षात्कार दिनांक 22-7-85 को किया गया था। इसी प्रतिपरीक्षण में उसने स्वीकार किया है “उसने बैंक को नहीं बताया कि उसे आर्मी से निकाला गया है”।

6. पत्र दिनांकित 3-8-85 के द्वारा महार रेजीमेंट, सागर ने शाखा प्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, महासमुंद को सूचित किया कि श्रमिक श्री विश्वराम साहू पर कोर्ट मार्शल हुआ था और उसे फौज की सेवा से दिनांक 22-9-77 को सेवामुक्त किया गया था। यह भी सूचित किया कि श्रमिक को इस कोर्ट मार्शल के कारण सिविल सेवा के लिए उपयुक्त नहीं पाया था, इसी पत्र में उल्लेख है कि श्रमिक अपने कार्य में लापरवाह था।

7. जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, श्रमिक ने अपने शपथ-पत्र में स्वीकार किया है कि उसे इसलिए बैंक ने नौकरी में रखा चूंकि वह पुराना फौज का कर्मचारी था। श्रमिक ने यह भी स्वीकार किया है कि उसने बैंक को यह नहीं बताया था कि उसे आर्मी से निकाला गया था। यह भी स्वीकार किया है कि डिस्चार्ज सर्टिफिकेट प्रदर्श-एम-5 में भीतर के पन्नों में स्याही गिरी है। इस प्रकार प्रतिप्राप्ति बैंक ने यह सिद्ध कर दिया कि श्रमिक ने बैंक की छोड़े में रखकर जुलाई, 1981 में वाचमेन का पद प्राप्त किया था।

8. माननीय उच्चतम न्यायालय ने केरला सालवेंट एक्सट्रैक्शन लिमिटेड विरुद्ध उन्नीकृष्णन और अन्य के प्रकरण में जो 1994-एआईआर-मुम्बई कोर्ट विकली पृष्ठ-2534 में मुद्रित है, यह न्याय सिद्धान्त प्रतिपादित किया है कि जहाँ पर श्रमिक सत्य को छुपाकर गलत सूचना के आधार पर नौकरी पाता है, वहाँ उसे सेवामुक्त कर देना चाहिए। यह न्याय सिद्धान्त वर्तमान प्रकरण में पूर्णरूप से लागू होता है।

9. उच्चतम न्यायालय ने रविन्दर शर्मा और अन्य वि० पंजाब शासन के प्रकरण में जो (1995)-1-मुम्बई कोर्ट केसेस पृष्ठ-138 में मुद्रित है, कहा है कि जहाँ पर आवेदनकर्ता को निर्धारित योग्यता नहीं थी, वहाँ पर उसकी नियुक्ति अवैधानिक है। तथ्यों को आवेदनकर्ता ने छिपाया नहीं था, फिर भी उसकी अयोग्यता ध्यान में रखी जावेगी। अयोग्य व्यक्ति को सेवा पाने का अधिकार नहीं। वर्तमान

प्रकरण में अगर प्रतिप्राप्ति बैंक को यह ज्ञात होता कि श्रमिक का कोर्ट मार्शल हुआ है, तथा उसे भारतीय सेना ने सिविल सेवा के लिये अयोग्य घोषित किया है, तो उसे बैंक में प्रवेश ही नहीं मिलता, इस तथ्य को छिपाने से ही उसे बैंक में नौकरी मिली। ऐसी स्थिति में मात्र इसी आधार पर श्रमिक की सेवामुक्ति की पुष्टि की जा रही है।

10. नक्शा प्रदर्श-एम-4, में यह दर्शाया गया है कि 10 कर्मचारियों को वाचमेन के स्पर्ध पद हेतु दिनांक 22-7-85 को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। इस साक्षात्कार में श्रमिक भी गया था और उसे सबसे कम नंबर मिले। प्रतिप्राप्ति ने केप्टन मनु शर्मा का शपथ-पत्र प्रस्तुत किया, जिस पर इसका प्रतिपरीक्षण दिनांक 14-2-95 को न्यायालय में हुआ। इस शपथ पत्र में केप्टन मनु शर्मा ने बताया है कि वे बैंक के साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य थे और श्रमिक को सबसे कम अंक इस साक्षात्कार में मिले थे। ऐसी स्थिति में श्रमिक को सबसे कम अंक साक्षात्कार में मिलने के आधार पर ही सेवामुक्ति किया गया, जो नियमानुसार है।

11. श्रमिक के विद्वान अभिभावक ने यह तर्क प्रस्तुत किया कि श्रमिक को इस आधार पर सेवामुक्त किया गया, क्योंकि आर्मी ने उसे सिविल सेवा के लिए अनुपयुक्त माना। जहाँ पर चरित्र में लांछन लगाया गया है, वहाँ सेवा समाप्त करने से पूर्व जांच आवश्यक है। प्रतिपक्ष की ओर से यह कहा गया कि जो आवेदन श्रमिक को दिया गया, उसमें लांछन नहीं है। प्रदर्श डब्ल्यू-2 दिनांकित 31-10-86 का भारतीय स्टेट बैंक का आदेश है, जिसके द्वारा श्रमिक की सेवाएं समाप्त की गई हैं। इसमें यह स्पष्ट उल्लेख है कि श्रमिक ने 22-7-85 को साक्षात्कार दिया और इसमें उसे अर्जतोजनक पाया गया। इसी आधार पर उसे सेवामुक्त दिनांक 31-10-86 को किया गया। श्रमिक का यह तर्क आधारहीन है कि उसे चरित्र में लांछन लगाकर निकाला गया था, इस कारण जांच आवश्यक थी।

12. श्रमिक की सेवामुक्ति के आदेश दिनांक 31-10-86 वैधानिक और उचित है; इसकी पुष्टि की जाती है। श्रमिक को सेवा में आने की पात्रता नहीं है तथा किसी प्रकार के अनुसोय की पात्रता भी नहीं है।

अवार्ड केन्द्रीय सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जावे।

डी०एन० दीक्षित, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1997

का०आ० 2769.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ मैमूर बंगलौर-1 के प्रबन्ध तंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलौर-1 के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 1-10-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12014/1/91-आई०आर०बी०-III/बी०-I]

पी०जे० मार्शल, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 3rd October, 1997

S.O. 2769.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Mysore, Bangalore and their workman, which was received by the Central Government on the 1st October, 1997.

[No. L-12014/1/91-IR.B-III/B-II
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated, this Thursday the 25th day of September,
1997

PRESENT :

Sri K. Mohanachandran, B.Sc., B.L., D.L.,
A.L., Presiding Officer.

Central Reference No. 21/91

I Party :

A. S. Chulki,
Godbole Mala, Desai Chawl,
Bijapur-586101.
(Represented by R. Gururajan, Advocate)

Vs.

II Party :

M/s. State Bank of Mysore,
Avenue Road,
Bangalore-560009.

(Represented by R. Narayana, Advocate)

AWARD

In this reference made by the Honourable Central Government under its order No. L-12014/1/91-IR B-III dated 10th April, 1991 the point for adjudication is framed as follows :—

“Whether the action of the management of State Bank of Mysore in dismissing Sri A. S. Chulki, Clerk/Typist vide order No. RM. 2/DO/6437 dated 1st April, 1982 was justified? If not, to what relief the workman is entitled to?”

(2) The (brief) averments of the 1st party in his claim statement are as follows.—The 1st party employed as a clerk-cum-typist in the 2nd party bank from the year 1977. The 2nd party had issued a letter dated 22nd September, 1978, requiring the 1st party to offer his explanation in connection

with withdrawals made by him in the SB A/c of Sri K. S. Chulki. Accordingly the 1st party submitted his explanation. But surprisingly the 1st party was issued a charge-sheet dated 5th February, 1979 for the alleged misconduct. The 1st party had sent his reply denying the charges. But thereafter the 2nd party issued notice of enquiry dated 11th June, 1979 and subsequently the 2nd party had conducted an enquiry. The 1st party was not provided with opportunities. The enquiry was in utter false of principles of natural justice. The 1st party submitted a detailed written submission of defence. But the Enquiry Officer without considering the detailed submission made by the 1st party had submitted his report to the 2nd party found the 1st party guilty. The 2nd party issued second show-cause notice to the 1st party and the 1st party sought time for reply but it was not granted. The 2nd party without considering properly dismissed the 1st party. Then 1st party also filed an appeal dated 20th May, 1982. But the appeal also was dismissed by the Appellate Authority as per his order dated 9th February, 1983. Therefore, the 1st party raised industrial dispute and accordingly the present reference is made. Hence, the dismissal order of the 2nd party has to be set aside and 1st party is to be reinstated with full back wages.

(3) The following are the (concised) written statement filed by the 2nd party.—The 1st party while he was working as Typist-cum-Cashier. Taking advantage of the fact that he being an employee of the Bank, has obtained payments by forcing withdrawals. When it was found by the 2nd party explanation was called for and charge-sheet was issued. The charge-sheet contained all necessary particulars. The explanation submitted by the 1st party was not satisfactory and hence domestic enquiry was conducted. The Enquiry Officer conducted the enquiry in accordance with rules and principles of natural justice. The Enquiry Officer after considering the entire evidence and records had submitted his report finding the 1st party as guilty. The 1st party did not submit any explanation to the 2nd show-cause notice for proposed punishment. Hence, the Disciplinary Authority proceeded in accordance with law and had issued order of termination. The 2nd party after carefully considering the entire material on record and findings of the Enquiry Officer imposed the said punishment of dismissal after giving opportunities to the 1st party by issuing 2nd show-cause notice for the proposed punishment. Since the 1st party had not submitted any explanation for the proposed punishment, the said punishment of dismissal was imposed. Therefore, the act of the 1st party committing a grave misconduct is liable for punishment of dismissal since it is a very grave in nature. Hence, the 1st party is not entitled for any sympathetic or any indulgence under Section 11-A of Industrial Dispute Act.

(4) My learned predecessor had framed the following preliminary point :

"Whether the 2nd party proves that it has held the domestic enquiry against the 1st party in accordance with law and principles of natural justice?"

(5) Subsequently my learned predecessor had passed an order on preliminary enquiry setting aside the domestic enquiry held against the 1st party by the 2nd party.

(6) In that circumstances, when the case was pending at that stage on 24th June, 1996 both the parties along with their counsel were present and filed a joint compromised memo dated 24th June, 1996. Both the parties had also agreed to the terms of joint compromise memo. Accordingly the joint compromise memo was recorded.

AWARD

(7) Award is passed in accordance with terms of the joint compromise memo dated 24th June, 1996. The compromise memo will be part and parcel of this award. Submit to Government.

(8) (Dictated to PA, transcribed by him, corrected by me and signed on this 25th day of September, 1997).

K. MOHANACHANDRAN, Presiding Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL LABOUR COURT,
BANGALORE

C.R. No. 21 of 1991

BETWEEN

A. S. Chulki . . . First Party

AND

State Bank of Mysore . . . Second Party
by the Branch Manager
Bangalore.

JOINT MEMO

The second party was ready and willing to take the first party back in employment as cashier-cum-clerk and to pay him back wages from 11th June, 1991 till the date of his re-employment. The first party has agreed to give up his claim for back wages from 1st April, 1982 till 10th June, 1991. The first party further agrees that he will be eligible for

promotion only from the date of his re-instatement in service and that he does not claim any promotion for the period from 1st April, 1982 till his reinstatement. He will, however, be fixed in the pay scale after taking into consideration the annual increments even for the period . . . between 1st April, 1982 and his date of reinstatement. The first party was accordingly posted at the Regional Office of the second party at Hubli and subsequently transferred to Donimale Branch of the second party in Bellary District, where he is now working. The back wages due to the first party from 11th June, 1991 till the date he was-reinstated has also been paid by the second party and received by the first party. He has since been fixed in the appropriate pay scale giving his due annual increments from 1st April, 1982 till his reinstatement.

2. In view of the above, the first and the second parties submit that this Hon'ble Court be pleased to make an award in the above terms and also record that the above settlement has also been fully implemented by the second party. The parties may be directed to bear their respective costs in the reference.

Dated at Bangalore. 24th day of June, 1996.

Sd/-

Advocate for the
First Party.

Sd/-

Advocate for the
Second Party.

Sd/-

(A. S. CHULKI)

First Party.

For State Bank of Mysore.

Sd/-

Second Party.

Chief Manager,

(Industrial Relation)

1st party and 2nd party present alongwith their respective counsel. Both parties had filed this joint memo of compromise. Both parties had agreed that they completely understood the terms of the compromise memo and abide by the same. Compromise is recorded.